RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 15
नई दिल्ली, रविवार, 17 नवंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

पराली का धुंआ
एक प्रचंड समस्या
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

साड्डी दिल्ली का पानी खराब

गुणवत्ता जांच में भारतीय मानक ब्यूरो के सभी 19 मानकों पर फेल रहे राजधानी के 11 स्थानों से लिए गए पानी के नमूने

- मुंबई के सभी नमूने बीआईएस मानकों की हर कसौटी पर उतरे खरे, मुंबईकर को वाटर प्यूरीफायर या आरओ की जरूरत नहीं
- केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पासवान ने जारी की अध्ययन रिपोर्ट

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली वालों को सांस लेने के लिए न तो ताजा हवा नसीब होती है और न ही पीने के लिए साफ और सुरक्षित पानी। राष्ट्रीय राजधानी में आपूर्ति किया जा रहा पेय जल सभी 19 मानकों मसलन स्वाद सुगंध, आयरन, कैल्सियम, अमोनिया, क्लोराइड, एनिऑनिक डिटर्जेंट, कोलीफॉर्म एवं अन्य की कसौटी पर फेल हो गया है। इसके विपरीत मुंबई वासियों को वॉटर प्यूरीफायर अथवा आरओ खरीदने की कोई जरूरत नहीं क्योंकि देश की व्यावसायिक राजधानी का पानी भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित सभी गुणवत्ता मानकों पर बिल्कुल खरा उतरा है। पन्द्रह शहरों जहां के पानी की गुणवत्ता जांची गई, उनमें दिल्ली सबसे सबसे अंतिम स्थान पर है क्योंकि यहां से जुटाए गए पानी के सभी नमूने बीआईएस मानकों के अनुरूप नहीं निकले। राष्ट्रीय राजधानी में जिन स्थानों से नमूने लिए गए उनमें केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री रामविलास पासवान का घर, कृषि भवन, सोनिया विहार, सीमापुरी, पीतमपुरा, नंदनगरी, अशोक नगर, बुराड़ी, मुकुंदपुर शामिल हैं। हैदराबाद और भुवनेश्वर ने जहां गुणवत्ता रैंकिंग में संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया वहीं रांची तीसरे नंबर पर रही। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता 14वें स्थान के साथ फिसड्डी निकली।

भारतीय मानक ब्यूरो ने गुणवत्ता जांच के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई के अलावा 17 अन्य प्रदेशों की राजधानियों यानी कुल 21 शहरों से पानी के नमूने एकत्र किए थे। बीआईएस उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन काम करता है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने शनिवार को अध्ययन रिपोर्ट जारी कर इसके निष्कर्ष सामने रखे। यूरोप और अन्य विकसित देशों के उलट भारत के पास पेयजल के प्रमाणीकरण की कोई प्रणाली नहीं है।

हालांकि, इस समय बोतलबंद पानी निर्माताओं के लिए बीआईएस मानकों का पालन करना अनिवार्य है लेकिन नल के पानी की आपूर्ति करने वाली (शेष पेज 9)

रैंकिंग में आमची मुंबई टॉप पर

तेज हवाओं ने एनसीआर को दी प्रदूषण से राहत

- दिल्ली, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, नोएडा, फरीदाबाद और गुरुग्राम में छंटी धुंध, गिरा प्रदूषण का स्तर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शनिवार को तेज हवाओं के चलने से पिछले चार दिनों से छाई गहरी धुंध छंट गई और, लोगों को दमघोंटू प्रदूषण से राहत मिली। दिल्ली में शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 357 दर्ज किया गया जो कि शुक्रवार के मुकाबले करीब 100 कम है। दिल्ली के अलावा गाजियाबाद (347), ग्रेटर नोएडा (309), गुरूग्राम (360), फरीदाबाद (358) और नोएडा (338) में भी प्रदूषण स्तर में गिरावट आई। भारतीय मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, एनसीआरा में तेज सतही हवाएं बहीं जिनकी गति 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक थी। इससे धुंध हटी और प्रदूषण से थोड़ी राहत मिली। रविवार को भी हवा चलने की उम्मीद है जिसके चलते अगले दो दिनों में (शेष पेज 9)

सबरीमाला मंदिर खुला दर्शन को उमड़े भक्त

पायनियर समाचार सेवा। सबरीमाला

केरल में सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा के मंदिर के कपाट दो महीने चलने वाली तीर्थयात्रा मंडल-मकरविलक्कू के लिए शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच खोल दिए गए। पुलिस ने बताया कि पहले दिन आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा से आए 30 लोगों के समूह में शामिल 10 महिलाओं को प्रतिबंधित 10 से 50 वर्ष की आयुसीमा में होने की वजह से मंदिर से पांच किलोमीटर दूर पम्पा से ही वापस भेज दिया गया।

मंदिर के तंत्री (पुरोहित) कंडरारू महेश मोहनरारू ने शाम पांच बजे मंदिर के गर्भगृह के कपाट खोले और पूजा अर्चना की। केरल के पथनमथिट्टा जिले में पश्चिमी घाट के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित मंदिर में केरल, तमिलनाडु और अन्य पड़ोसी राज्यों के सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे।

तंत्री के पदी पूजा करने के बाद श्रद्धालुओं, जिन्हे दो बजे दोपहर को पहाड़ी पर चढ़ने की अनुमति दी गई, ने इरुमुडीकेट्टू (प्रसाद और चढ़ावे की पवित्र पोटली) के साथ मंदिर के पवित्र 18 सोपान पर चढ़ कर भगवान अयप्पा के दर्शन किए। इस बीच एके सुधीर नम्बूदिरी ने सबरीमला मंदिर के मेलशांति (मुख्य पुजारी) की जिम्मेदारी संभाली। एमएस परमेश्वरन नम्बूदिरी को मिलिकापुरम देवी मंदिर के पुजारी की जिम्मेदारी लेनी थी लेकिन परिवार में एक मौत की वजह से उन्होंने कार्यभार नहीं संभाला। अधिकारियों के मुताबिक उम्मीद है कि 23 नवंबर को परमेश्वरन नई जिम्मेदारी संभालेंगे।

पुलिस ने बताया कि पम्पा आधार शिविर के पास विजयवाड़ा से आए समूह में शामिल लोगों के पहचानपत्र की जांच की गई और प्रतिबंधित उम्र सीमा में होने की वजह से सबरीमला में मौजूदा स्थिति की जानकारी देकर 10 युवा महिलाओं को वापस भेज दिया गया। इसके बाद वे लौट गईं। पिछले साल 28 सितंबर को उच्चतम न्यायालय द्वारा सभी आयुवर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति देने और राज्य की वाम मोर्चे की सरकार द्वारा इसका अनुपालन करने की प्रतिबद्धता जताने के बाद दक्षिणपंथी संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे। हालांकि, इस साल उच्चतम न्यायालय ने 10 से 50 आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश देने संबंधी अपने फैसले पर रोक नहीं लगाई। लेकिन इस फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं को सात न्यायाधीशों की वृहद पीठ को भेज दिया। साथ ही, (शेष पेज 9)

केरल के सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा के दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मौसम

अधिकतम	29.3°C (+1)
न्यूनतम	15.4°C (+2)

बाजार

सेंसेक्स	40,356	
निफ्टी	11,895	
सोना	38,875	/10g
चांदी	45,375	/kg

क्विक न्यूज

नौसेना का विमान गोवा के गांव में दुर्घटनाग्रस्त

पणजी। भारतीय नौसेना का एमआईजी ट्रेनर विमान शनिवार सुबह गोवा के एक गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। रियर एडमिरल फिलिपोज जॉर्ज पिनमूटिल, ध्वज अधिकारी गोवा नौसेना क्षेत्र ने बताया कि विमान के दोनो पायलटो को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान यह हादसा हुआ। यह विमान गोवा में डाबोलिम के पास स्थित आईएनएस हंसा से जुड़ा हुआ है।

कश्मीर में पांच संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर, जम्मू। उत्तरी कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर में शनिवार को लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करने के संदेह में पांच लोगो को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हिलाल अहमद, साहिल नजीर और पीरजादा मोहम्मद जाहिर को सोपोर से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से धमकी वाले पोस्टर समेत अभियोजनयोग्य सामग्री मिली। वे लोगो को डराने-धमकाने में लिप्त थे। वे लश्कर के धमकी भरे पर्चे प्रकाशित करने और उन्हे शहर में बांटने के लिए जिम्मेदार थे। एक अन्य घटना में कुपवाड़ा बायपास चौराहे के पास सुरक्षाबलो ने लश्कर के आतंकवादियो के लिए काम करने के संदेह में उल्ताफ बशीर मीर और एजाज अहमद को गिरफ्तार किया।

त्रिपुरा उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस बने कुरैशी

अगरतला। न्यायमूर्ति एके कुरैशी ने शनिवार को त्रिपुरा उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल रमेश बैस ने यहां पुराने राजभवन में कुरैशी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब, उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीश, राज्य के मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

घाटे-कर्ज में डूबी आरकॉम से अनिल अंबानी का इस्तीफा

- चार अन्य निदेशकों ने भी दिया त्यागपत्र, फिलहाल दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है कंपनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के चेयरमैन अनिल अंबानी और कंपनी के चार अन्य निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। फिलहाल आरकॉम दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को यह सूचना दी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कर्ज के बोझ से दबी कंपनी ने कहा कि उसके मुख्य वित्त अधिकारी मणिकंतन वी ने भी इस्तीफा दे दिया है।

कंपनी ने कहा कि अंबानी के साथ ही छाया विरानी और मंजरी काकर ने 15 नवंबर को कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं रायना करानी और सुरेश रंगाचर ने क्रमश: 14 नवंबर और 13 नवंबर को इस्तीफा दिया। आरकॉम फिलहाल दिवाला प्रक्रिया में है। सांविधिक बकाया पर उच्चतम न्यायालय के फैसले की वजह से कंपनी को अपनी देनदारियों के लिए 28,314 करोड़ रुपए का भारी-भरकम प्रावधान करना पड़ा है। इससे चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी को 30,142 करोड़ रुपए का एकीकृत घाटा हुआ है।

यह आज तक किसी भारतीय कंपनी को हुआ दूसरा सबसे बड़ा घाटा है। अनिल अंबानी कभी दुनिया के शीर्ष दस सबसे (शेष पेज 9)

शिवसेना विपक्ष में बैठेगी, नहीं लेगी राजग की बैठक में भाग

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई/नई दिल्ली

महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर टूटी शिवसेना-भाजपा की दोस्ती का असर राज्यसभा में सीटों की नए सिरे से की गई व्यवस्था के रूप में देखने को मिल सकता है। पिछले हफ्ते मोदी सरकार से बाहर होने वाली शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने संसद के शीतकालीन सत्र से ऐन पहले शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी ऊपरी सदन में विपक्षी बेंच में बैठेगी और 17 नवंबर को होने वाली राजग की बैठक में भाग नहीं लेगी। संसद सत्र सोमवार 18 नवंबर से शुरू हो रहा है।

राउत के मुताबिक, उन लोगों को ऐसी जानकारी मिली है कि राज्यसभा में शिवसेना के दो सांसदों की सीटों में बदलाव किया गया है। संजय राउत शिवसेना के तीन राज्यसभा सांसदों में से एक हैं। उन्होंने सत्र से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों की निर्धारित बैठक में भाग नहीं लेने की जानकारी देते हुए कहा कि महाराष्ट्र के हाल के घटनाक्रम को देखते हुए ही यह निर्णय लिया गया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से औपचारिक रूप से बाहर आना केवल एक रस्म भर रह गई है? यह पूछने पर राउत ने जवाब दिया कि आप ऐसा कह सकते हैं। इसमें कोई समस्या नहीं है। (शेष पेज 9)

- भाजपा से टूटी दोस्ती का असर राज्यसभा में सीटों की नई व्यवस्था के रूप में दिखाई देगा

कृषि संकट पर महाराष्ट्र के राज्यपाल से नेताओं की मुलाकात टली

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र में कृषि संकट पर चर्चा के लिए राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना नेताओं की शनिवार को होने वाली मुलाकात टल गई है। उल्लेखनीय है कि तीनों पार्टियां राज्य में गठबंधन सरकार बनाने के लिए फिलहाल आपस में बातचीत कर रही हैं। राज्य में 12 नवंबर से राष्ट्रपति शासन लागू है। शिवसेना के विधायक दल के नेता एकनाथ (शेष पेज 9)

सीएम योगी ने मंत्री स्वाति सिंह को किया तलब

- सीओ को धमकाने के मामले में डीजीपी से 24 घंटे में मांगी विस्तृत रिपोर्ट, एसएसपी लखनऊ को सौंपी गयी जांच

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ की कैंट सर्किल की सीओ को एक बिल्डर की पैरवी में फोन पर धमकाने की आरोपी मंत्री स्वाति सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तलब किया। मुख्यमंत्री ने स्वाति से इस प्रकरण में उनका पक्ष जाना। मुख्यमंत्री ने इस मामले में डीजीपी ओपी सिंह से 24 घंटे के अन्दर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

डीजीपी का कहना है मुख्यमंत्री के संज्ञान लेने के बाद प्रकरण की जांच एसएसपी लखनऊ को सौंपी गयी है। उनकी रिपोर्ट आने के बाद सही तथ्य सामने आएंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियो क्लिप में मंत्री स्वाति सिंह क्षेत्राधिकारी (सीओ) कैंट बीनू सिंह से अंसल डेवलेपर के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में पूछताछ करते हुए सुनी जा सकती हैं। मंत्री को इस ऑडियो में प्राथमिकी दर्ज किए जाने पर नाखुशी जाहिर करते हुए और सीओ को आकर मिलने की हिदायत देते हुए भी सुना जा सकता है। डीजीपी ओपी सिंह ने कहा कि मंत्री स्वाति सिंह और क्षेत्राधिकारी कैंट के बीच हुई बातचीत की रिपोर्ट शहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी से मांगी गई है। रिपोर्ट मिलते ही इसे मुख्यमंत्री को (शेष पेज 9)

स्वाति सिंह

जीएसटी रिटर्न दाखिल करना सरल बनाने को वित्त मंत्री ने की बैठकें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वित्त निर्मला सीतारमण ने शनिवार को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) फॉर्म को और सरल बनाने और इसे दाखिल करने की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, व्यापारियों और अन्य अंशधारकों के साथ बैठकें की। जीएसटी दाखिल करने में आ रही परेशानियों को दर्शाने के लिए अंशधारकों ने बैठक के दौरान ही तत्काल आधार पर रिटर्न दाखिल करके दिखाया और बताया कि उन्हें किस तरह की दिक्कतें आती हैं। राजस्व सचिव अजय भूषण पांडेय ने बैठक के बाद कहा कि वित्त मंत्री ने अंशधारकों को आश्वस्त किया कि जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सुगम करने के लिए उन्होंने जो सुझाव दिए हैं उनका जल्द क्रियान्वयन किया जाएगा। राजस्व सचिव ने बताया कि वित्त मंत्री ने अगले महीने देश के अन्य शहरों में भी इस तरह की बैठकें आयोजित करने का सुझाव दिया है।

दो हजार किमी दूर रात्रि में भी भस्म होगा दुश्मन

- अग्नि-2 मिसाइल का पहला रात्रि परीक्षण सफल

पायनियर समाचार सेवा। बालासोर

भारत ने अग्नि-2 का पहला रात्रि परीक्षण शनिवार को ओडिशा के डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से सफलतापूर्वक किया। यह विविधतापूर्ण मिसाइल सतह से सतह पर प्रहार करने की क्षमता रखती है और मध्यम दूरी की परमाणु क्षमता संपन्न मिसाइल है। एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के प्रक्षेपण परिसर-4 में एक मोबाइल लांचर से परीक्षण के कुछ समय बाद सूत्रों ने बताया कि मिसाइल में 2000 किलोमीटर तक प्रहार करने की क्षमता है। इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (आईआरबीएम) अग्नि-2 को पहले ही सशस्त्र बलों में शामिल किया जा चुका है। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि पहली बार अत्याधुनिक मिसाइल का रात में परीक्षण किया गया। डीआरडीओ के सूत्रों ने बताया कि परीक्षण के पूरे पथ पर अत्याधुनिक रडारों, टेलीमेट्री निगरानी केंद्रों, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक उपकरणों तथा दो नौसैनिक पोतों से नजर रखी गई। सूत्रों ने बताया कि 20 मीटर लंबी दो स्तर की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण वजन 17 टन है और यह 2000 किलोमीटर की दूरी तक 1000 किलोग्राम का पेलोड लेकर जा सकती है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि दो स्तर की मिसाइल आधुनिक सटीक नौवहन प्रणाली से सुसज्जित है। अग्नि-2 को एडवांस्ड सिस्टम्स लैबोरेटरी ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर विकसित किया था।

मुस्लिम पक्षकार निर्णय के खिलाफ अपील दाखिल करने के इच्छुक

बाबरी मस्जिद के बदले कोई जमीन भी नहीं चाहिए

अयोध्या मामला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुस्लिम पक्षकारों ने अयोध्या मामले पर हाल में आए उच्चतम न्यायालय के निर्णय के खिलाफ अपील दाखिल किए जाने की इच्छा जताते हुए शनिवार को कहा कि मुसलमानों को बाबरी मस्जिद के बदले कोई जमीन भी नहीं लेनी चाहिए। इन पक्षकारों ने ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना वली रहमानी से नदवा में मुलाकात के दौरान यह ख्वाहिश जाहिर की।

बोर्ड के सचिव जफरयाब जीलानी ने बताया कि मौलाना रहमानी ने रविवार को नदवा में ही होने वाली बोर्ड की वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक से पहले रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले से जुड़े विभिन्न मुस्लिम पक्षकारों को राय जानने के लिए बुलाया था।

उन्होंने बताया कि मामले के मुद्दई मुहम्मद उमर और मौलाना महफूजुर्रहमान के साथ-साथ अन्य पक्षकारों हाजी महबूब, हाजी असद और हसबुल्ला उर्फ बादशाह ने मौलाना रहमानी से मुलाकात के दौरान कहा कि उच्चतम न्यायालय का निर्णय समझ से परे है, लिहाजा इसके खिलाफ अपील की जानी चाहिए। इसके अलावा एक अन्य पक्षकार मिसबाहुद्दीन ने भी फोन पर बात करके यही राय जाहिर की। जीलानी ने बताया कि इन पक्षकारों ने यह भी कहा कि मुसलमानों को बाबरी मस्जिद के बदले कोई जमीन नहीं लेनी चाहिए। मालूम हो कि उच्चतम न्यायालय ने रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में गत नौ नवम्बर को फैसला सुनाते हुए विवादित स्थल पर राम मंदिर का निर्माण कराने और मुसलमानों को मस्जिद निर्माण के लिए अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ जमीन देने का आदेश दिया था। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव जीलानी ने इस निर्णय में अनेक विरोधाभास बताते हुए कहा था कि वह इससे संतुष्ट नहीं हैं। अब रविवार को नदवा में बोर्ड की वर्किंग कमेटी इस निर्णय के खिलाफ अपील करने या न करने तथा मस्जिद के लिए जमीन के मसले पर कोई फैसला लिया जाना है।

जफरयाब जीलानी

तय सीमा से आगे बढ़ने के मामले में इंडिगो के दो पायलट निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विमानन नियामक डीजीसीए ने चेन्नई हवाई अड्डे पर 14 जुलाई को हवाई यातायात नियंत्रक के निर्देशों को नहीं मानने और रनवे पर निर्धारित सीमा से आगे बढ़ने के मामले में इंडिगो के दो पायलटों को निलंबित कर दिया है। अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, अमहदाबाद हवाई अड्डे के लिए ए-320 विमान से उड़ान भरने की तैयारी कर रहे पायलट-इन-कमांड कैप्टन इलिटॉम टेड्यू सूस और प्रथम अधिकारी कैप्टन अनिकेत सुनील जोशी ने चेन्नई हवाई अड्डे के आरडब्ल्यूवाई 30 स्थित पट्टी बिंदु ए पर खड़े होने के सरफेस मूवमेंट कंट्रोल (एसएमसी) नियंत्रक के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया। उन्होंने बताया, पायलटों ने निर्देशों पर ध्यान दिया और आरडल्ब्यूवाई25 की ओर बढ़ गए जिससे रनवे पर सीमा उल्लंघन की घटना हुई।

शहर में नए सिरे से निकाली जाएगी प्लेटफॉर्म योजना, निरीक्षण शुरू

आवंटियों पर प्राधिकरण का 150 करोड़ रुपए है बकाया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर में प्लेटफार्म योजना जल्द निकाली जाएगी। इसके लिए प्लेटफार्मों का भौतिक निरीक्षण का कार्य शुरू कर दिया गया है। पहले चरण में कुल 150 के आसपास प्लेटफॉर्मों का निरीक्षण किया गया। इसमें से 90 से 92 प्रतिशत प्लेटफार्म टूटे व क्षतिग्रस्त मिले। इनको संवारने का काम किया जाएगा इसके बाद प्लेटफॉर्म योजना निकाली जाएगी।

शहर के सेक्टर-33, 62 व 110 में प्लेटफार्म बनाए गए थे। यहां ड्रॉ के जरिए लोगों को प्लेटफॉर्म दिए गए। आवंटन राशि जमा करने के बाद इन लोगों ने प्राधिकरण की किस्तें जमा नहीं की। इन पर करीब 150 करोड़ रुपए के आसपास बकाया है, प्राधिकरण यह रकम वापस लेना चाहता है। बकाया वसूलने के लिए इन प्लेटफार्म का सत्यापन कराया गया लेकिन 90 प्रतिशत प्लेटफॉर्म खाली और क्षतिग्रस्त मिले। ऐसे में इनके आवंटियों को नोटिस जारी कर बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है। नोटिस का जवाब नहीं आने पर अंतिम नोटिस जारी किया जाएगा।

इसके बाद आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। बकाया वसूलने के लिए आरसी जारी की जाएगी। इनकी तलाश की जाएगी इनकी संपत्ति को सील किया जाएगा, जिससे रिकवरी की जाएगी।

नई योजना के तहत होगा अलॉटमेंट

प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाकर नई योजना निकाली जाएगी। आवंटन प्रक्रिया दोबारा से की जाएगी, जिससे प्राधिकरण को राजस्व मिलेगा। इसके लिए ड्रॉ की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। साथ ही आग-अलग श्रेणी के दुकानदारों को इसमें स्थान दिया जाएगा ताकि यह लोग अपना रोजगार चलाकर जीवन यापन कर सकें और प्राधिकरण की किस्तों का भुगतान कर सकें। प्लेटफॉर्म का सर्वे का किया गया। बकाया वसूलने के लिए नोटिस जारी किए जाएंगे इसके बाद आरसी के जरिए वसूली कर नए सिरे से योजना निकाली जाएगी।

-इंदु प्रकाश विशेषा कार्यधिकारी नोएडा प्राधिकरण

प्रदूषण फैलाने पर 268 लोग अब तक हो चुके गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए जिला प्रशासन लंबे समय से निरंतर कार्रवाई कर रहा है। दिल्ली-एनसीआर में 15 अक्टूबर को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यानी ग्रेप लागू किया गया था। ग्रेप को सख्ती से लागू कराने के लिए जिला अधिकारी ने जीआईएस का गठन किया था। जिसमें 28 अधिकारियों को शामिल किया गया था। जोकि स्विफ्ट वार्ड नौ टीमों में एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही कर रहे हैं।

बता दें कि प्रदूषण पर कार्यवाही करते हुए 1 अक्टूबर से 14 नवंबर तक एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने पर करीब 268 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रदूषण फैलाने पर विभिन्न प्रतिष्ठानों पर करीब 8 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया गया। डीएम का कहना है कि आगे भी प्रशासन और उत्तर प्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने पर इसी प्रकार सख्ती से कार्यवाही की जाएगी।

वसूला जुर्माना

खोड़ा नगर पालिका परिषद में प्रदूषण फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। अधिशासी अधिकारी केके भड़ाना ने बताया कि पिछले कई दिनों से प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सख्त कार्यवाही की जा रही है । इसी के चलते खोड़ा नगर पालिका परिषद की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में जाकर प्रदूषण फैला रहे एक दर्जन लोगों को पकड़ा और उनके चालान काटे। उन्होंने बताया कि इन सभी लोगों से करीब 50 हजार का अर्थदंड वसूला गया।

ठगों ने कर्मचारी के खाते से उड़ाए रुपए

गाजियाबाद। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की पूर्वी जवाहर नगर कॉलोनी में रहने वाले नगर पालिका कर्मचारी के खाते से साइबर ठगों ने शुक्रवार रात सात हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने बैंक मैनेजर और पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

जवाहर नगर कॉलोनी में अंकुश भारद्वाज परिवार के साथ रहते हैं। वह नगर पालिका में बतौर प्राइवेट कर्मचारी तैनात हैं। शनिवार सुबह जब वह सोकर उठे तो मोबाइल पर एक मैसेज देखकर वह परेशान हो गए। उनके खाते से सात हजार रुपये गायब हो चुके थे।

पीड़ित ने बलराम नगर कॉलोनी स्थित एसबीआई बैंक पहुंचकर अपना एटीएम कार्ड बंद कराया। साथ ही पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। लोनी बार्डर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि प्रार्थना पत्र साइबर सेल को भिजवाया गया है। मामले की जांच के बाद उचित कार्रवाई कराई जाएगी।

बंदरों का आतंक, मासूम बच्चों को बना रहे निशाना

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी कोतवाली क्षेत्र की न्यू विकास नगर कॉलोनी में बंदरों का आतंक है। बंदर लगातार मासूम बच्चों को अपना शिकार बना रहे हैं। लोगों ने बताया कि अधिकारियों से बंदरों से निजात दिलाए जाने की मांग की गई लेकिन, समस्या का समाधान न हो सका है। जिससे लोगों में अधिकारियों के प्रति रोष है।

न्यू विकास नगर कॉलोनी निवासी अजीत पाल ने बताया कि कालोनी में बंदरों का आतंक है। सुबह और शाम के समय झुंड में आने वाले बंदर घरों में घुसकर खाने-पीने का सामान उठाकर ले जाते हैं। इन्हे भगाने पर ये काटने से भी पीछे नहीं हटते हैं। शुक्रवार देर शाम एक बंदर ने घर के बाहर गली में खेल रहे दक्ष पाल पर अचानक हमला कर काट लिया। बच्चे के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजनों और पड़ोसियों ने बंदर को भगाया।

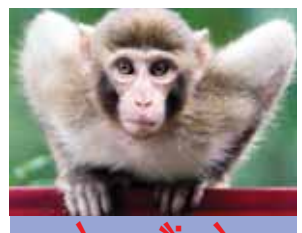

परेशान हैं लोग

अजीत पाल ने बताया कि करीब एक माह के दौरान बंदर ने उनके पुत्र को तीसरी बार काटा है। बंदरों द्वारा आए दिन किए जा रहे हमलों से लोगों में भय व्याप्त है। लोगों का आरोप है कि अधिकारियों से कई बार शिकायत करने के बाद भी बंदरों को पकड़ा नहीं गया है।

एसडीएम प्रशांत तिवारी ने बताया कि वन विभाग अधिकारियों को बंदरों को पकड़वाकर किसी सुरक्षित स्थान पर छुड़वाए जाने के लिए पत्र लिख कर निर्देशित किया गया है। जल्द ही लोगों की समस्या का समाधान कराया जाएगा।

महिला से चेन लूटकर भाग रहे बदमाश को दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना विजयनगर पुलिस ने शुक्रवार देर रात क्रॉसिंग क्षेत्र में मंदिर के पास रिछपाल गढ़ी की तरफ जाने वाले रोड पर मुठभेड़ के बाद एक चेन लुटेरे को गिरफ्तार किया है। यह लुटेरा अपने साथी के साथ एक महिला के गले से चेन लूटकर भाग रहा था।

पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रथम धर्मेंद्र चौहान ने शनिवार को बताया कि विजय नगर पुलिस शुक्रवार की रात में क्रॉसिंग क्षेत्र में मंदिर के पास रिछपाल गढ़ी की तरफ जाने वाले रोड पर चेकिंग कर रही थी। तभी ओल्ड विजय नगर बाईपास चौकी के सामने एक महिला से चेन लूटकर भाग रहे दो बाइक सवार बदमाशों

को चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया। बदमाश रुके नहीं और भागते हुए जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। पुलिस पार्टी ने जवाबी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश राजू पुत्र ओमप्रकाश निवासी सेक्टर 9 विजय नगर गाजियाबाद गोली लगने से घायल हो गया है और नीचे गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीओ ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त का एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल हो गया। इसके कब्जे से एक तमंचा 315 बोर मय दो जिंदा कारतूस व एक चोरी की बाईक हीरो हौंडा स्प्लेंडर तथा लूटी हुई चेन बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म का लुटेरा है तथा इस पर लूट, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, बलात्कार एवं चोरी आदि के करीब एक दर्जन मुकदमे पंजीकृत हैं।

● साथी फरार, अवैध असलहा बरामद

शनिवार को साहिबाबाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सटौरिए।

पुलिस ने छापा मारकर 9 सटोरियों को पकड़ा

नौकरानी के पास से लाखों के जेवरात बरामद, साथी भी धरा गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद पुलिस ने शनिवार को गरिमा गार्डन कॉलोनी में छापा मारकर नौ सटोरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 11हजार 9 सौ रूपये नकद, सट्टे की पर्ची बरामद की है। इसके अलावा विजय नगर पुलिस ने एसोटेक सोसायटी क्रासिंग रिपब्लिक के फ्लैटों में चोरी करने वाली एक नौकरानी व उसके साथी को गिरफ्तार किया है। दोनों की निशानदेही पर सोने की एक घड़ी, 63 अंगूठी, एक जोड़ी डायमंड का टॉप्स बरामद किया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी साहिबाबाद राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि साहिबाबाद के प्रभारी जितेंद्र कुमार शर्मा को मुखबिर ने बताया कि गरिमा गार्डन में कुछ लोग सट्ट खेल रहे हैं । सूचना के बाद थाना प्रभारी ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर छापा मारा और नौ लोगों को सट्टा खेलते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। सट्टेबाजों के नाम राशिद, अखिलेश, तारीक, यूसुफ, इदरीश उर्फ मुन्ना, ओमप्रकाश, अमन व सोनू हैं। इनमें अमन अलीगढ़ में रहता है जबकि बाकी सारे अभियुक्त गाजियाबाद के निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया कि हम लोगों को जीत का लालच देकर उनसे रुपयों का सट्टा लगाते हैं और पैसा इकट्ठा करके एक मुख्य आदमी के पास भेज देते हैं जिसमें सट्टे का नंबर आने पर दांव पर लगे नंबर से जीतने वाले व्यक्ति को रुपया दे दिया जाता है और शेष बचे हुए रुपयों को आपस में बांट लेते हैं।

उधर, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रथम धर्मेंद्र चौहान ने बताया कि विजय नगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए की गई नौकरानी का नाम प्रीति है उसके साथी का नाम अशित धर है। अशित बंगाल का निवासी है जबकि प्रीति गाजियाबाद में रहती है। उन्होंने बताया कि इन्हें विजयनगर की डबल पानी की टंकी के पास झुग्गी बस्ती से दोनों को पकड़ा गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्नातकोत्तर एमएलसी चुनाव की तैयारियों को लेकर गाजियाबाद में बैठक करने पहुंचे भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री सुनील बंसल का स्वागत करते भाजपा से एमएलसी प्रत्याशी दिनेश गोयल व अन्य।

एमएलसी चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी संगठन ने विधान परिषद चुनाव जीतने के लिए पूरी शक्ति झोंक दी है । इसी क्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल ने शनिवार को तीन सीटों के लिए स्कूलों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को जीत का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से विधानसभा, लोकसभा चुनावों में कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देकर पार्टी को शिखर पर पहुंचाया उसी तरह विधान परिषद चुनाव में हर हाल जीत का लक्ष्य रखना होगा। शनिवार को मेरठ रोड स्थित आरकेजीआईटी कॉलेज में स्नातक सीट के प्रत्याशी दिनेश गोयल, शिक्षक सीट के मेरठ-सहारनपुर सीट के प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा एवं बरेली-मुरादाबाद के डा. हरी सिंह ढिल्लो के समर्थन में चारों मंडलों के स्कूल-कॉलेजों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों से बात कर चुनाव में सहयोग देने की अपील की।

टूर्नामेंट में राधा प्रिया ने जीता गोल्ड

गाजियाबाद। डीपीएस इंदिरापुरम् की छात्रा राधा प्रिया ने सीबीएसई

नेशनल टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अपने दमदार प्रदर्शन से गोल्ड मेडल हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से स्कूल के समस्त स्टाफ ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। इस टूर्नामेंट में अलग-अलग देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे। 9 नवंबर से 14 नवंबर तक आरआर स्कूल बिजनौर में आयोजित सीबीएसई अंडर 17 गर्ल्स इंडिविजुअल कैटेगरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें भारत व विदेश के 650 खिलाडियों ने हिस्सा लिया। वहीं विदेशी खिलाड़ियों में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई के खिलाड़ी सीबीएसई नेशनल चैंपियन बने। भारत की ओर से डीपीएस इंदिरापुरम की छात्रा राधा प्रिया ने गोल्ड जीतकर देश व स्कूल को गौरवान्वित किया है। डीपीएस इंदिरापुरम् की प्रिंसिपल संगीता हजेला ने कहा कि राधा प्रिया की शानदार उपलब्धि पर गर्व है और उनके अच्छे भविष्य की कामना करते हैं। ऐसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है।

तीसरा सड़क सुरक्षा सप्ताह कल से

गाजियाबाद। 18 नवंबर से परिवहन विभाग द्वारा तीसरा विशेष सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन करने जा रहा है जो 24 नवंबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान जागरूकता अभियान के अलावा रैली का भी आयोजन किया जाएगा। 18 नवंबर को स्टेक होल्डर्स कार्यशाला के साथ सप्ताह का शुभारम्भ किया जाएगा। इसमें विभिन्न विभागों के अलावा सामाजिक संस्थाए शामिल होंगी। 19 नवंबर को विद्यालयों के सहयोग से सड़क सुरक्षा रैली कविनगर से निकाली जाएगी। इसके बाद सड़कों पर जनता को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। बीस नवंबर को तहसील लोनी में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। सभी क्षेत्रों में इस दौरान जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

किसी भी दुकान से ले सकेंगे राशन पोर्टेबिलिटी शुरू

गाजियाबाद। जनपद के ग्रामीण क्षेत्र के राशन कार्ड धारक अब किसी भी राशन की दुकान से राशन ले सकेंगे। राशन कार्ड पोर्टेबिलिटी को सफल बनाकर कल से ये व्यवस्था ग्रामीण इलाकों में लागू कर दी गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में राशन लाभार्थी अपना राशन किसी भी राशन की दुकान से ले सकेंगे। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आपूर्ति विभाग के अधिकारी विभिन्न प्रकार के प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कर रहे हैं। बता दें कि इलाके में राशन की लगभग 211 दुकानें हैं।

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के लापता एक्सईएन पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अधिशासी अभियंता राजेश गोयल के खिलाफ इन्दिरापुरम थाने में अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। बावजूद इसके सरकारी अफसर मौन है। खास बात यह है कि एक्सईएन पिछले बीस दिन से कार्यालय नहीं आ रहे हैं। चर्चा है कि घर से ही सरकारी कार्य निपटा रहे हैं।

उधर सीडीओ अस्मिता लाल से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होने बताया कि वे कार्यालय नहीं आ रहे हैं, उनकी तबीयत खराब बताई जा रही है। बता दें कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कई करोड़ के प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। सांसद, विधायक के अलावा मंत्रियों की निधि से होने वाले विकास कार्यों की जिम्मदेारी भी उक्त एक्सईएन के जिम्मे ही है। पिछले दिनों उक्त एक्सईएन गनर मांगने को लेकर भी चर्चाओं में रहें। इतना ही नहीं ठेकेदारों ने इनके व्यवहार को लेकर प्रदर्शन तक किया।

पहले सहायक अभियंता के तौर पर कई साल पोस्ट रहने के बाद अब वे तीन साल से यहां पोस्ट है। वहीं अभी हाल ही में इन्दिरापुरम थाने में उक्त एक्सईएन के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकद्दमें दर्ज हैं।

तस्कर गिरफ्तार, एक किलो गांजा बरामद

गाजियाबाद। ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान शनिवार सुबह कासिम विहार कॉलोनी स्थित एक खाली प्लाट में मादक पदार्थ बेच रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर के कब्जे से एक किलो 200 ग्राम गांजा मिला है।

ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस टीम सुबह कासिम विहार में चेकिंग कर रही थी। मुखबिर ने कॉलोनी स्थित एक खाली प्लाट में तस्कर द्वारा मादक पदार्थ की बिक्री किए जाने की सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम इसरार निवासी बंगाली बस्ती, लोनी बताया।

सड़क हादसों में दो की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास एक अज्ञात कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक नाबालिग लड़की को टक्कर मार दिया। उपचार के लिए उसे नियो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। वहीं बहलौलपुर गांव के पास हुए एक अन्य सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई।

थाना सेक्टर-49 के थानाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि बीती रात को काजल (17) सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पर पैदल जा रही थी, तभी एक अज्ञात कार चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि गंभीर हालत में काजल को सेक्टर-50 स्थित नियो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उपचार के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना फेस-3 क्षेत्र के बहलोल पुर गांव के पास देर रात को एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए रतन कुमार झा (26 वर्ष) को टक्कर मार दिया। गंभीर हालत में उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

समाधान दिवस पर डीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

हापुड़। शनिवार को जिलाधिकारी अदिति सिंह ने थाना समाधान दिवस पर पिलखुवा एवं धौलाना थाने में फरियादियों की समस्याओं को सुना।

डीएम द्वारा पिलखुवा थाने में पूर्व में दर्ज शिकायतों के निस्तारण की जांच को आवेदकों से मोबाइल पर बात की गई जिसमें आवेदकों की शिकायत के संबंध में निस्तारण से असंतुष्ट होना बताया गया। इसका संज्ञान लेते हुए डीएम ने एसडीएम धौलाना व सीओ को तत्काल संयुक्त टीम गठित कर शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए निस्तारण कराया गया।

संपत्ति विवाद में मारपीट-पथराव, कई गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले के थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सलारपुर गांव में शुक्रवार रात संपत्ति विवाद को लेकर हुए दो पक्षों में मारपीट व पथराव के मामले में पुलिस ने एक साप्ताहिक अखबार के संपादक सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक नीरज मलिक ने बताया कि शुक्रवार शाम को सलारपुर क्षेत्र में संपत्ति विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट व पत्थरबाजी हुई। उन्होंने बताया कि इस घटना में कई लोग घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि यह पूरा हंगामा वहां लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि पथराव की वजह से पूरी सड़क पर पत्थर ही पत्थर दिखाई दे रहे थे।

● दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों की तरफ से इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों के 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। चार नाबालिगों को भी पकड़ा गया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में एक आरोपी इसहाक सैफी एक सप्ताहिक समाचार पत्र का संपादक है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों में जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपते भाजपाई।

प्रदेश में जल्द दूर होगी डाक्टरों की कमी : जयप्रताप सिंह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जयप्रताप सिंह ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जल्द ही डाक्टरों की कमी दूर हो जाएगी इसके लिए जहां प्रदेश सरकार ने ढाई साल के अपने कार्यकाल में 29 मेडिकल कॉलेज खोले हैं वहीं हर एमबीबीएस डॉक्टर को दो साल तक स्वास्थ्य विभाग को सेवाएं देना जरूरी किया है। इतना ही नहीं सरकार इस बात पर भी विचार कर रही है कि स्वास्थ्य विभाग के प्रशासनिक पदों में गैर डाक्टर अफसरों की तैनाती की जाए। अभी एमओआईसी से लेकर महानिदेशक के पद पर केवल डाक्टरों की तैनाती की जाती है।

प्रशासनिक पदों पर यदि दूसरे कैडर के अफसरों की तैनाती होगी तो

अस्पताल का निरीक्षण करते स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जयप्रताप सिंह।

सूबे में काफी डाक्टर खाली हो जाएंगे और विभाग उनकी योग्यता का सही इस्तेमाल भी कर सकेगा। केबिनेट मंत्री शनिवार को गाजियाबाद के दौरे के दौरान उन्होंने पहले संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल का दौरा किया और उसके बाद जिला एमएमजी अस्पताल पहुंचे। दोनों जिला स्तरीय अस्पतालों में केबिनेट मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और निरीक्षण के दौरान मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर संतोष भी जाहिर किया।

सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक पदों पर तैनात डाक्टरों के स्थान पर दूसरे कैडर के अधिकारी तैनात कर दिए जाएं तो सूबे में काफी डाक्टर फ्री हो जाएंगे और वह अपने मूल विभाग को बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इससे स्वास्थ्य विभाग में चल रही डाक्टरों की कमी तो दूर होगी ही, डाक्टरों की योग्यता का भी सही से इस्तेमाल हो सकेगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कई विशेषज्ञ डाक्टर विभाग में प्रशासनिक पदों पर होने के कारण मरीजों को समय नहीं दे पाते। प्रशासनिक पदों पर गैर मेडिकल अफसरों की तैनाती के बाद ऐसा नहीं होगा।

● प्रशासनिक पदों पर गैर मेडिकल अफसरों की होगी तैनाती

राहुल गांधी की लोस सदस्यता खत्म करने की मांग, प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राफेल मामले में शीर्ष अदालत का फैसला आने के बाद शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसी क्रम में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। इसमें कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी की संसद से सदस्यता समाप्त करने व पूरे देश के सामने माफी मांगने की मांग की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत त्यागी व महानगर अध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी के नेतृत्व में सैकड़ों की तादात में कार्यकर्ता कलक्ट्रेट पर एकत्रित हुए और कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की सर्वोच्च अदालत ने क्लीन चिट दी। ऐसे में प्रधानमंत्री को चौकीदार चोर है और राफेल का घोटालेबाज कहते हुए लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी का नारा लगाना दुस्साहसिक है।

ऐसे लोगों को संसद में बैठने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए जो अपने देश के मुखिया को ही अपशब्द बोलता हो।

● भाजपाईयों ने कांग्रेस के खिलाफ खोला मोर्चा

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

राफेल सौदा : आप के खिलाफ भाजपा का हल्ला बोल

सत्तारूढ़ दल के कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन, केजरीवाल से की माफी मांगने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे में आम आदमी पार्टी के बेबुनियाद आरोपों के खिलाफ शनिवार को पार्टी कार्यालय के पास प्रदर्शन किया।

दो दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने मामले में मोदी सरकार को क्लीनचिट देते हुए अपने फैसले पर पुनर्विचार के अनुरोध वाली दो याचिकाओं को खारिज कर दी थी। दिल्ली भाजपा प्रमुख मनोज तिवारी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आप के खिलाफ नारे लगाए। पार्टी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए भाजपा ने केजरीवाल से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व मनोज तिवारी ने किया।

इस दौरान दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता, सांसद मीनाक्षी लेखी, राष्ट्रीय मंत्री सरदार आर पी सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल, रविन्द्र गुप्ता, राजेश भाटिया सहित प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष व सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। मनोज तिवारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने यह साबित कर दिया कि राहुल गांधी और केजरीवाल दोनों ने ही प्रधानमंत्री के खिलाफ झूठा दुष्प्रचार किया है और इस अपमान से देश व दिल्ली का हर नागरिक अपमानित हुआ है। मुख्यमंत्री ने अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए बार-बार प्रधानमंत्री के लिए ऐसे आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है जिसके लिए उन्हें देश व दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। आज दिल्ली का दर्द अपने चरम पर है।

तिवारी ने कहा कि एक बार नहीं, कई बार मुख्यमंत्री केजरीवाल ने अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रधानमंत्री पर ऊंगली उठाई है और जनता ने पहले निगम और फिर लोकसभा चुनाव में इसका उचित जवाब आम आदमी पार्टी की जमानतें जब्त करवाकर दिया है। झूठ से दिल्ली की जनता बचना जानती है और अगामी विधानसभा चुनावों में इन झूठे लोगों को उनके झूठ का मुंहतोड़ जवाब मिल कर रहेगा।

आम आदमी पार्टी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करते मनोज तिवारी, अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता

झूठे दुष्प्रचार की खुली पोल : विजेंद्र

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल हो या फिर राहुल गांधी दोनों ने ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ झूठा दुष्प्रचार किया है जो यह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के संस्कार एक जैसे हैं। व्यक्ति विशेष की खिलाफत करते हुए यह लोग देश के प्रत्येक नागरिक का अपमान कर रहे हैं और आज यह देश के गुनहगार बन बैठे हैं। अपनी झूठी टिप्पणियों के लिए आज इन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

कोर्ट के निर्णय से लगी बयानों पर लगाम : लेखी

सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने उन सभी लोगों की जबान पर लगाम लगा दी जो आज तक राफेल को लेकर झूठ का व्यापार किया करते थे। न्यायलय ने राहुल गांधी से कहा है कि कोई भी बयान देने से पहले वो यह विचार लें कि वो क्या कहने जा रहे हैं। पुर्नविचार याचिकाओं को खारिज कर दिया गया और स्पष्ट कर दिया गया कि देश का प्रधानमंत्री प्योर है। प्रदेश महामंत्री कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि देश की सर्वोच्च न्यायलय के निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि चौकीदार चोर नहीं प्योर है।

तेज रफ्तार हवा ने घटाया दिल्ली में प्रदूषण का स्तर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● राजधानी में आज हो सकती है हल्की बारिश

प्रदूषण को लेकर शनिवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए राहत भरी रही। तेज हवा के चलते राजधानी के हालात थोड़े सुधरे है। सुबह के समय हालांकि वायु गुणवत्ता सूचाकांक 404 तक थी लेकिन लगातार हवा के चलते यह स्तर 400 के नीचे आ गया।

शुक्रवार को आईक्यू का स्तर 528 से भी अधिक था। सफर इंडिया के अनुसार, प्रदूषण सुधार के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण फैक्टर काम कर रहे हैं। इसमें पहला कारण यह है कि 3 दिनों के लिए दिल्ली में हवा तेज चलेगी।

इससे वेंटिलेशन बढ़ेगा और हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार होता चला जाएगा। वहीं दूसरा कारण पराली के धुएं को लाने वाली वायु की दिशा अब उत्तर की ओर है, जिससे उसका धुआं राजधानी की ओर नहीं आएगा। वहीं मौसम विभाग ने पूवार्नुमान में लगाया है कि रविवार को हल्की बारिश हो सकती है, जिससे हालात में और भी सुधार होगा। एयर क्वालिटी इंडेक्स रैंकिंग पर एयर विजुअल के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली शुक्रवार को 528 स्तर के साथ दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर हो गया था। 5 नवंबर को प्रदूषण के सभी रिकॉर्ड तोड़ गए थे।

जावडेकर पर केजरीवाल का तंज, राजनीति छोड़ मिलकर करें काम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर से वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की।

प्रकाश जावडेकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे चौकीदार चोर है का समर्थन करने पर माफी की मांग करते हुए ट्वीट किया था जिसपर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि यह समय राजनीति में पड़ने का नहीं बल्कि प्रदूषण को दूर करने का है राफेल विमान सौदे में सरकार को मिले क्लीनचिट के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिका को भी उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया जिसके बाद जावड़ेकर ने ट्वीट किया, अरविंद केजरीवाल को माफी मांगनी चाहिए जिन्होंने चौकीदार चोर है नारे का समर्थन किया था। जावड़ेकर को जवाब देते हुए केजरीवाल ने ट्वीट किया, सर, ये वक्त राजनीति करने का नहीं बल्कि मिल कर प्रदूषण दूर करने का है। हम सब सरकारों को मिलकर लोगों को प्रदूषण से राहत दिलवाने पर काम करना चाहिए।

दिल्ली सरकार और दिल्ली के लोग मिलकर वो सब कर रहे हैं जो हमारे हाथ में है। हमें आपका सहयोग चाहिए सर। उल्लेखनीय है कि शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण के स्तर में गिरावट आई लेकिन इसके बावजूद वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। प्रदूषण को काबू में करने के लिए सम विषम योजना लागू 15 को समाप्त हो चुकी है।

सस्ती कार का झांसा देने वाला ठग धरा गया

नई दिल्ली। लोगों को सस्ती कार दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। हरप्रीत के खिलाफ चोरी, धोखाधड़ी और ठगी के 13 मामले दर्ज है। राजेश कंसल ने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी कि हरप्रीत ने सस्ते दामों पर कार दिला वादा किया। आरोपी के झांसे में आकर पीड़ित ने हरप्रीत के खाते में करीब साढ़ चार लाख जमा कर दिए। कुछ दिन बाद आरोपी फरार हो गया।

चोरी के मामले में दो बहनें गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी के दक्षिणी जिले में चोरी के आरोप में पुलिस ने दो बहनों को गिरफ्तार किया। इनके पास से एक लाख की नकदी बरामद हुई है। दोनों मूल रूप से मध्यप्रदेश की रहने वाली है।

आरोपी बहनों की पहचान ललिता और दामिनी के रूप में हुई है। दोनों को सीसीटीवी की मदद से पकड़ा गया है। दक्षिणी जिला के डीसीपी अतुल ठाकुर के अनुसार ललिता और दामिनी, दिल्ली और एनसीआर में त्योहारों के दौरान आती थी। बाजारों में भीड़भाड़ कारण ये आसानी से लोगों को आसानी से अपना शिकार बना लेती थी। अकसर इनका निशाने पर बैंक और एटीएम होते थे। उपायुक्त के अनुसार छह नवंबरको प्रेम चंद तिवारी अपनी पत्नी के साथ छतरपुर इलाके में एक एटीएम से पैसा निकालने गए थे। पैसा निकालने के बाद जब वो घर वापस लौटे तो उनके बैग से पचास हजार की नकदी गायब थी।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी को खंगाला, दोनों स्थानों पर ये बहनें पाई गई। पुलिस ने ट्रेप लगाकर पुष्प विहार से दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

ऑड ईवन योजना पूरी तरह फ्लॉप: गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद विजय गोयल ने केजरीवाल सरकार की ऑड ईवन योजना पर कहा कि जहां एक ओर दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण से जनता बेहाल है और जाने अनजाने प्रदूषण जनित बीमारीयों के संक्रमण का शिकार हो रही है।

दूसरी ओर बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने में पूरी तरह से फेल हुई। केजरीवाल सरकार के काम को फ्लॉप स्कीम बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली में 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रदूषण दिल्ल सरकार के पांच साल तक हाथ पर हाथ धरे रहने के कारण है। इस प्रेस वार्ता में उत्तरी दिल्ली नगर निगम स्थाई समिति अध्यक्ष जय प्रकाश एवं प्रदेश मीडिया प्रमुख श्री अशोक गोयल देवराहा उपस्थित थे। गोयल ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 505 यानी की हानिकारक है। ऑड ईवन पर केजरीवाल सरकार जिस तरह से नाटक कर रही थी, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने हमारी बात पर मोहर लगा दी है। ऑड ईवन की आड़ में दिल्ली की जनता के साथ धोखा किया गया है और प्रदूषण पर केजरीवाल सरकार ने 5 साल कोई काम नहीं किया। पराली अ 30 साल से जल रही है, लेकिन प्रदूषण की जिम्मेदार केवल पराली नहीं है। गोयल ने कहा कि कुल मिलाकर 12 दिन ऑड ईवन को किया और पूरी तरह फल है।

संक्षिप्त समाचार

कार्यक्रम में अवॉर्ड देते जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत

दिल्ली जलबोर्ड के तीन अफसरों को एक्वा अवॉर्ड

नई दिल्ली। इंडियन हैबिटैट सेंटर में आयोजित समारोह में जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को मानव रहित सीवर क्लीनिंग मशीन के सफल प्रयोग के लिए एक्वा फाउंडेशन अवॉर्ड से नवाजा। वर्ल्ड एक्वा कांग्रेस में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद भारत जल शक्ति मंत्री शेखावत ने पानी और पर्यावरण के क्षेत्र में संस्थानों द्वारा सराहनीय कार्य के लिए चयनित लोगों को एक्वा एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया । मानव रहित सीवर क्लीनिंग मशीन के सफल प्रयोग के लिए दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ अनिल कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट अभियंता भूपेश कुमार और एक्सिक्यूटिव अभियंता वीरेंद्र ग्रोवर को एक्वा एक्सीलेंस अवार्ड मिला है। दिल्ली में सीवर क्लीनिंग मशीन के टेक्नोलॉजी डेवलप करने में दिल्ली जलबोर्ड के इन तीनों अधिकारीयों का योगदान अमूल्य रहा है।

नवयुग स्कूल में मना वार्षिकोत्सव

नई दिल्ली। नवयुग विद्यालय अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए दिल्ली के सभी प्राईवेट और सरकारी विद्यालयों की तुलना में बेहतर जाने जाते हैं । यह बात नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के अध्यक्ष धर्मेन्द्र ने नवयुग विद्यालय, पेशवा रोड के वार्षिकोत्सव समारोह में कही । यह वार्षिकोत्सव सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें 300 से अधिक विद्यार्थियों के साथ उनके अध्यापकों ने भी भाग लिया । पालिका सचिव, डॉ रश्मि सिंह ने कहा कि नई अपने सभी विद्यालयों में बच्चों को समग्र शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी अपने जीवन के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके । वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें एक नृत्य-नाटिका के माध्यम से नदी के जीवन को रेखाकिंत करके जल सरंक्षण का संदेश दिया गया ।

संस्कृत को आम लोगों की भाषा बनाना जरूरी: मदनलाल

नई दिल्ली। संस्कृत भाषा को जन सामान्य की भाषा बनाने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है, जिसमें सबसे पहले संस्कृत को अपने मूल स्वरूप में रखने पर कार्य किया जाना चाहिए। संस्कृत विद्यालय को चलाना पहले बहुत परमार्थ का कार्य माना जाता था परन्तु आजकल संस्कृत विद्यालय चलाना बहुत मुश्किल हो गया है। हर स्तर पर बहुत परेशानियों का सामना करना पढ़ता है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार संस्कृत भाषा एवं उसमें निहित ज्ञान विज्ञान है । ये विचार दिल्ली संस्कृत अकादमी दिल्ली सरकार द्वारा शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित अक्षर श्लोक प्रतियोगिता समारोह का शुभारम्भ करते हुए शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ के प्रबन्धक श्री मदनलाल गुप्ता ने व्यक्त किये। इस अवसर दिल्ली संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. जीतराम भट्ट ने कहा कि संस्कृत भाषा को पुन: अपना गौरव प्रदान करने के लिये युवा वर्ग को संस्कृत के प्रति लगाव होना आवश्यक है ।

कांग्रेस, बसपा के कई नेता आप में शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस और बसपा को छोड़कर दिल्ली के कई नेता आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। सभी नेताओं ने आम आदमी पार्टी के दिल्ली चुनाव प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली।

पिछले काफी दिनों से विभिन्न पार्टी के नेताओं का आम आदमी पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी है। संजय सिंह ने लोगों को आम आदमी पार्टी का पटका और टोपी पहना कर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इन सभी लोगों का

हम आम आदमी पार्टी में दिल से स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार साफ नियत से जो विकास के कार्य कर रही है उससे प्रभावित होकर सभी दलों के लोग भारी मात्रा में आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं।

एनडीएमसी अधिकारियों ने सुनीं जन शिकायतें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपने क्षेत्र के नागरिकों और सेवा उपयोगकर्ताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत-निवारण उपलब्ध करवाने के लिए एनडीएमसी सभागार में 15वां सुविधा कैंप आयोजित किया। इस सुविधा कैंप में 113 जनशिकायतों को व्यक्तिगत स्तर पर संबंधित अधिकारियों ने प्राप्त किया और उस पर चर्चा की, जिससे कि उन पर त्वरित कार्यवाही द्वारा हल दिया जा सके। जिन शिकायतों में नीतिगत स्तर पर निर्णय किए जाने की आवश्यकता थी, उनके बारे में शिकायतकर्ता को विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया तथा उसे हल करने के लिए समय सीमा भी उन्हें बताई गई। इस अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष धर्मेन्द्र और पालिका परिषद की सचिव, डॉ रश्मि सिंह ने सुविधा केन्द्र में आए शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत विचार-विनिमय किया। इस सुविधा कैंप में पालिका परिषद् के 28 विभागों से 100 से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों ने जनता की समस्याओं का निवारण करने के लिए भाग लिया ।

LAL BAHADUR SHASTRI INSTITUTE OF MANAGEMENT, DELHI
Approved by AICTE, Ministry of HRD, Govt. of India
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (GENERAL) FULL TIME (NBA ACCREDITED)
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (FINANCE) FULL TIME (NBA ACCREDITED)
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (RESEARCH AND BUSINESS ANALYTICS) FULL TIME
POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT (LOGISTICS AND SUPPLY CHAIN MANAGEMENT) FULL TIME
ANNOUNCES ADMISSION 2020
ADMISSION PROCEDURE
• Eligibility: Graduation or equivalent degree in any discipline from a recognized university. Students graduating in 2020 may also apply. Refer Institute for more details.
• Candidates can apply either online at https://forms.lbsim.ac.in on payment of Rs.1,250/- or through duly filled in application forms available at the Institute for Rs.1,250/-.
• PLACEMENT: Consistent strong placement record since the inception of the institute.
• HOSTEL: Lal Bahadur Shastri Hostel available separately for boys and girls.
• State-of-the-Art Infrastructure.
• Service Oriented and highly resourceful Library.
• 12 Terminals based Bloomberg Lab, IBMSPSS and SAS Analystics Lab.
• Ranked 28th and 30th in India by The Week and India Today 2019 respectively
• 4000+Vibrant Alumni Globally
Member Of AACSB International
Last date for applying 15 DECEMBER 2019
Apply to: Admission Coordinator
Lal Bahadur Shastri Institute of Management
Plot No.11/7, Sector-11, (Near Sector-11 Metro Station) Dwarka, New Delhi-110075, Phone: 011-25307700
Email: admission@lbsim.ac.in
Website: www.lbsim.ac.in
Follow us:

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय
हमेशा जल्दबाज़ी?
कुछ पल बचाने की कोशिश में किसी की जान भी जा सकती है
वाहन सही चलायें, सावधानी से चलायें, सुरक्षित चलायें
वाहन अपनी लेन में चलायें
लाल बत्ती का सम्मान करें
गलत दिशा में ड्राइविंग से बचें।
लाल बत्ती का उल्लंघन करने से गंभीर सड़क दुर्घटना हो सकती है।
ज़िग-ज़ैग ड्राइविंग आपके एवं दूसरों के लिए खतरनाक है।
हमसे जुड़े : https://www.facebook.com/dtptraffic https://twitter.com/dtptraffic
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in
DP/9182/19

गुरुग्राम में एक जनवरी 2020 से नहीं चलेंगे डीजल ऑटो

इसे लेकर अधिकारियों ने कर ली है पूरी तैयारी

अधिकारी अभी से चला रहे हैं चेकिंग अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लम्बे इंतजार के बाद आखिर वह दिन निकट आ ही गया, जब दुनिया के मानचित्र पर अपनी पहचान बनाने वाले मिलेनियम शहर गुरुग्राम से डीजल ऑटो के संचालन पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी। यानी यहां पर अब डीजल के ऑटो चलने बंद हो जाएंगे। यह नियम एक जनवरी 2020 से लागू होगा। प्रशासन भी इस दिशा में कड़ी कार्रवाई करने में जुट गया है।

जिला में एक जनवरी 2020 से डीजल के ऑटो बंद करने का एक्शन प्लान बनाया गया है, जिसको लागू करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा काम शुरू हो चुका है। डीजल ऑटो बंद करने को लेकर राजीव चौक सहित जिला के विभिन्न स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। यह अभियान क्षेत्रीय यातायात प्राधिकरण, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चला गया।

अतिरिक्त उपायुक्त एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव मोहम्मद इमरान रजा ने अभियान के तहत जिला में बिना परमिट व बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलाए जा रहे डीजल ऑटो चालको के चालान किए गए और 10 साल पुराने ऑटों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। वे अधिकारियों की टीम के साथ जिला के विभिन्न स्थानों पर गए और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने खासतौर पर ऑटो चालकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे यातायात नियमों की पालना करें क्योंकि ऐसा नही करने पर वे स्वयं के साथ-साथ यात्रियों की जान को भी जोखिम में डालते हैं।

इको फ्रेंडली वाहनों के इस्तेमाल का आह्वान

अभियान के दौरान डीजल ऑटो चालकों से इको फ्रैंडली वाहनों जैसे सीएनजी ऑटो व ई-रिक्शा आदि का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि पर्यावरण में प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा डीजल ऑटो बंद करने का निर्णय लिया है। ऐसे में जरूरी है कि डीजल ऑटो चालक समय रहते ईको फ्रैंडली विकल्प का इस्तेमाल शुरू कर दें। क्षेत्रीय यातायात प्राधिकरण द्वारा डीजल ऑटो चालकों के लिए सघन जागरुकता कार्यक्रम चलाये जा रहे है। डीजल ऑटो चालकों को इको फ्रैंडली यातायात साधन अपनाने के प्रति जागरूक करने को लेकर सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों का प्रयोग किया जा रहा है।

मंदबुद्धि लड़की से जबरदस्ती करने का आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। खंड फर्रूखनगर के एक गांव की एक मंदबुद्धि लड़की के साथ गांव के ही युवक द्वारा जोर जबरदस्ती करने का मामला दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता मंदबुद्धि 19 वर्षीय लड़की की मां ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह प्राईवेट कम्पनी में कार्य करती है। उसकी 19 साल की लड़की मंदबुद्धि है और लड़की के अलावा उसके छोटे तीन लड़के हैं। 15 नवम्बर को वह कम्पनी में डयूटी पर थी तो उसके बेटे ने फोन पर सूचना दी कि गांव का ही रहने वाला मंजीत उसकी दीदी के साथ जोर जबरदस्ती कर रहा है। सूचना के बाद वह घर पहुंची तो उसकी बेटी ने अपने साथ बीती सारी घटना की जानकारी दी।

गैंगस्टर अशोक राठी को घर में घुसकर मारी गोलियां, मौत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

29 अपराधिक घटनाओं में है आरोपी, 28 मामले गुरुग्राम में दर्ज

उसकी पत्नी की भी गांव के बस अड्डे पर की गई थी हत्या आरोप राठी पर

गुरुग्राम के गैंगस्टर अशोक राठी पर शनिवार की सुबह उस समय जानलेवा हमला हुआ जब वह अपने गांव अलीपुर स्थित घर में बैठा था। बताया जा रहा है कि उस समय वह अपने दोस्तों के साथ चार व हुक्का पी रहा था। इसी दौरान तीन युवक उसके घर में घुसे और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी। राठी को तीन गोलियां लगी, जिसे गंभीरावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीरावस्था में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सवा तीन बजे उसकी मौत हो गई।

29 अपराधिक मामलों में (28 मामले गुरुग्राम में दर्ज) आरोपी अशोक राठी शनिवार को अपने घर में दोस्तों के साथ सुबह आठ बजे चाय व हुक्का पी रहा था। इस दौरान तीन हथियारबंद युवक घर में घुसे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गैंगस्टर अशोक राठी को तीन गोलियां लगी और वह वहीं पर गिर गया। घटना को अंजाम देकर तीनों युवक मौके से फरार हो गये। बताया जा रहा है कि वे तीनों राठी की जान-पहचान के थे। गंभीर हालत में लहु-लुहान अशोक राठी को पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान राठी की मौत हो गई। वहीं सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस उसके घर में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस जांच की कार्रवाई में जुटी है। जल्द ही आरोपियों का पता लगाया जायेगा। आरोपियों की पहचान होने का भी पुलिस दावा कर रही है। जिनमें दो आरोपी गांव अलीपुर के ही रहने वाले व एक आरोपी गांव हरियाहेड़ा का बताया जा रहा है। इस मामले को गैंगवार से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

गैंगस्टर अशोक राठी की फाइल फोटो

राठी की हत्या में चार के खिलाफ नामजद केस

गुरुग्राम। गैंगस्टर अशोक राठी की गोली मारकर हत्या के मामले में परिजनों ने पुलिस को चार युवकों के खिलाफ नामजद शिकायत दी है। पुलिस ने इस चारों के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास किये जा रहे हैं।

पुलिस को दी शिकायत में परिजनों ने कहा है कि अशोक राठी को सलीम, नरेंद्र, रोहित और लीलू डागर ने गोलियां मारी हैं। उन्होंने ही अशोक की हत्या की है। इसलिए इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

अपनी पत्नी की हत्या का भी लगा आरोप

अशोक राठी पर अपनी ही पत्नी सुषमा की हत्या कराने का भी आरोप है। यह हत्या तब हुई थी, जब वह गुरुग्राम की भोंडसी स्थित जिला जेल में बंद था। उसकी पत्नी की हत्या गांव के बस अड्डे पर हुई थी। उसकी हत्या उस समय हुई जब वह अपनी छह साल की बच्ची को स्कूल छोड़ने गांव के बस अड्डे पर पहुंची थी। तत्कालीन डीसीपी दीपक सहारण ने मीडिया को दी जानकारी में खुलासा किया था कि हत्या के तीन महीने पहले राठी की पत्नी सुषमा ने शिकायत देकर कहा था कि उसके पति अशोक राठी ने उसे जान से मारने की धमकी दी है। इस मामले में उस समय पुलिस जांच कर रही थी और अशोक राठी की पत्नी सुषमा राठी की हत्या हो गई।

कांस्टेबल को शराब पिला फरार हो गया था राठी

बता दें कि एक अपराधिक मामले में अशोक राठी को अदालत में पेश करने के लिए 24 मार्च 2014 को यूपी पुलिस गुरुग्राम लेकर आई थी। इस दौरान अशोक राठी को पुलिस ने एक होटल पर रोका। खाने के बहाने ठहरे अशोक राठी ने यूपी पुलिस के कांस्टेबल को शराब तक पिला दी थी। जैसे ही कांस्टेबल शराब के नशे में धुत हो गया तो अशोक राठी फरार हो गया। यूपी पुलिस की सक्रियता से अशोक राठी को 24 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार भी कर लिया था।

दोनों को ही सुबह आठ बजे बनाया निशाना

गैंगस्टर अशोक राठी पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी सुषमा राठी को जेल से धमकी दी थी कि वह उसकी हत्या करा देगा। इस पर सुषमा ने शिकायत भी दी और जांच भी चली। इसी बीच सुषमा की दो सितम्बर 2016 को सुबह आठ बजे गांव के बस अड्डे पर हत्या कर दी गई। अब ऐसा ही कुछ गैंगस्टर अशोक राठी के साथ हुआ है। सुबह आठ बजे ही जब वह अपने घर पर चाय पी रहा था तो तीन हथियारबंद युवकों ने उसे गोलियां मारी। राठी दंपति को सुबह आठ बजे ही निशाना बनाया गया है। सुषमा राठी की हत्या शुक्रवार को की गई थी और अशोक राठी पर हत्या की नीयत से शनिवार को गोलियां मारी गई हैं।

प्रतिबंध के बावजूद निर्माण करने पर 50 हजार का जुर्माना

डीएलएफ फेज-2 क्षेत्र में नगर निगम द्वारा दो उल्लंघनकर्ताओं पर लगाया जुर्माना

गुरुग्राम। प्रतिबंध के बावजूद भवन निर्माण करने वाले दो उल्लंघनकर्ताओं पर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। ये दोनों निर्माण डीएलएफ फेज-2 क्षेत्र में किए जा रहे थे।

नगर निगम को सूचना मिली कि डीएलएफ फेज-2 क्षेत्र में प्लॉट नंबर-एम 15/13 और जे-4/9 में भवन निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जबकि पर्यावरणीय प्रदूषण (नियंत्रण एवं रोकथाम) प्राधिकरण द्वारा 14 नवम्बर तक गुरुग्राम सहित पूरे एनसीआर क्षेत्र में भवन निर्माण गतिविधियों पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया हुआ है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जूनियर इंजीनियर हरीकिशन मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने प्लॉट नंबर-एम 15/13 पर 20 हजार रुपये और प्लॉट नंबर-जे 4/9 पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अमित खत्री ने बताया कि ईपीसीए द्वारा जारी हिदायतों अनुसार नगर निगम गुरुग्राम द्वारा ग्रेडिड रेस्पांस एक्शन प्लान की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नगर निगम की टीमें क्षेत्र में रात-दिन निगरानी कर रही हैं तथा ग्रैप का उल्लंघन करने वालों के चालान किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 10 उल्लंघनकर्ताओं पर 42 हजार रुपये का जुर्माना टीमों द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि धूल उड़ने से रोकने के लिए सड़कों और पेड़ों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। इस कार्य के लिए चार दमकल गाड़ियां और 16 वाटर टैंकर तैनात किए गए हैं। छिड़काव के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का शोधित पानी इस्तेमाल किया जा रहा है। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा मुख्य सड़कों की सफाई रात्रि के समय चार स्वीपिंग मशीनों से की जा रही है।

रात्रि चौपाल में बेटियों के सपनों को पंख लगाने की दी प्रेरणा

गांव जाटोला में ब्रेकथ्रू संस्था ने लगाई रात्रि चौपाल

गुरुग्राम। लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा, भेदभाव को लेकर काम करने वाली संस्था ब्रेकथ्रू के सदस्य कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके। इसी कड़ी में फर्रुखनगर ब्लॉक के जाटोला गांव में ब्रेकथ्रू संस्था ने महिला एवं बाल विकास के सहयोग से रात्रि चौपाल का आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से-तारों की टोली समूह के रोशन तारा और तारों की टोली समूह के-उज्वल तारा ने शानदार गीतों से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। फिर ब्रेकथ्रू संस्था की टीम ने-बड़ी सी आशा नाटक समाज में लोगों की गलत धारणाओं को तोड़कर, उन्हें संदेश दिया कि समाज में लड़का-लड़की दोनों को बराबर के अधिकार मिले। इसके साथ-साथ लड़कियों को 8वीं व 10वीं कक्षा से आगे पढ़ाना चाहिए।

इस बात का विरोध जताते हुए गांव के अनेक लोगों ने पहल कर नाटक के पात्र से बातचीत की व समझाया कि लड़कियां आज लड़कों से कम नहीं हैं, वे हर क्षेत्र में अपना नाम बना रही हैं और अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व आशा वर्कर और ग्राम पंचायत की और से जाटोला गांव के सरपंच श्रीकृष्ण और सदस्य ब्रह्मप्रकाश ने गांव की और से ब्रेकथ्रू संस्था का धन्यवाद किया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सतबीर, सुपरवाइजर रेखा ने कहा कि पुरानी व पिछड़ी सोच को बदलकर ही लाया जा सकता है।

गुरुग्राम के गांव जाटोला में रात्रि चौपाल में कार्यक्रम पेश करते कलाकार।

किराना व्यापारी पर जानलेवा हमला

सोहना। सोहना के बालूदा मार्ग पर देर शाम किराना थोक व्यापारी के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। व्यापारी को पहले सोहना के नागरिक अस्पताल में और बाद में गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। सोहना के बालूदा मार्ग पर स्थित किराना थोक व्यापारी दयालु पुत्र सेवाराम पर दो लोगों ने शुक्रवार देर शाम साढ़े सात बजे दुकान पर आकर हमला कर दिया। व्यापारी दयालु ने बताया कि वह और उसके भाई दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी दो लोग आए और एक युवक ने उसके ऊपर लात-घूसों से हमला कर दिया। व्यापारी ने बताया कि जाते समय आरोपी उसे जान से खत्म कर देने की धमकियां देकर गए थे। पुलिस के अनुसार यह हमला व्यापारी से पुरानी रंजिश के कारण होना बताया जा रहा है। जिसको लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। यही कारण है जो अभी तक मामला दर्ज नहीं हो सका है।

क्लासिक लेजेंड्स ने पहली एनिवर्सरी के मौके पर लॉन्च किया वर्जन मोटरसाइकिल जावा पैराक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आज ही के दिन ठीक एक साल पहले क्लासिक लेजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड, क्लासिक मोटरसाइक्लस के साथ अपने सफर पर निकला था। जावा और जावा 42 को मुंबई में एक शानदार समारोह में बाइक्स के शौकीन लोगों के बीच लॉन्च किया गया था, जबकि जावा पैराक को फैक्ट्री कस्टम के रूप में लोगों के सामने लाया गया था।

आज, क्लासिक लेजेंड्स अपनी पहली एनिवर्सरी के मौके पर अपने वादे को पूरा करते हुए स्टाइलिस्ट और पॉवरफुल नए जावा पैराक को लॉन्च कर रहा है। क्लासिक लेजेंड्स की नई मोटरसाइकिल पैराक के लॉन्चिग के अवसर पर जावा अपने साल भर के इस सफर के उपलब्धियों के बारे में भी लोगों को अवगत करा रहा है। जावा मोटरसाइक्लस के प्रति लोगों का प्यार का इस बात से साफ झलकता है की शुरूआती दिनों में ही जावा के पास इतने बाइक्स कि बुकिंग आ गई थी की उन्हें इन आर्डर को पूरा करने में 9 महीनों का समय लगा। इस कारण लॉन्च के 40 दिनों के भीतर ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम को बंद करना पड़ा। ब्रांड ने 100 से भी कम दिनों में 100 नए डीलरशिप खोलने का गौरव हासिल किया, जो देश में ऑटोमोबाइल ब्रांड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। श्री आनंद महिंद्रा, महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन ने कहा, ''पिछले साल हमारे पास एक प्रतिष्ठित ब्रांड को पुनर्जीवित करने का दुर्लभ अवसर था। जावा ने राइडिंग के हमारे इच्छा और तड़प को आगे बढ़ाया। यह सालों की हसरत को पूरा करने वाला एक गहरा साल रहा है।

निरंकारी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रोहतक में लहरा परचम

सोहना। निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्याल के विद्यार्थियों ने एमडी यूनिवर्सिटी में हुआ अंतर क्षेत्रीय युवा समारोह में शानदार प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के छात्र ने उर्दू कविता पाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा कविता ने संस्कृत श्लोक उच्चारण में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में 13 से 15 नवंबर के बीच तीन दिवसीय अंतर क्षेत्रीय युवा समारोह में निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कॉलेज के बीकॉम द्वितीय के छात्र हिमांशु ने उर्दू कविता पाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि बीए फाइनल की छात्रा कविता ने संस्कृत श्लोक उच्चारण में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले भी फरीदाबाद के तिगांव में हुए युवा समारोह में भी दिनों विद्यार्थियों ने द्वितीय व तीसरा स्थान प्राप्त किया था। प्रधानाचार्य डॉ. एमएस खत्री ने टीम संयोजक डॉक्टर डीपी सिंह, संस्कृत प्राध्यापक व उर्दू प्राध्यापक स्वाती शर्मा को बधाई दी।

रुमेटीइड गठिया एक पुरानी ऑटोइम्यून बीमारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रयूमेटाइड गठिया एक पुरानी ऑटोइम्यून बीमारी है जो शरीर के जोड़ों को नुकसान पहुंचाती है। यह संयुक्त अस्तर ऊतक में सूजन का कारण बनता है। इसके अलावा, यह फेफड़े, हृदय और गुर्दे सहित शरीर के अन्य अंगों और प्रणालियों को प्रभावित करता है। यदि सूजन का इलाज नहीं किया जाता है और पता लगाया जाता है, तो यह प्रभावित जोड़ों और अन्य ऊतकों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। जोड़ों में सूजन के कारण दर्द, कठोरता, सूजन और कार्य में कमी होती है। हालांकि, एक व्यक्ति को संधिशोथ के सामान्य लक्षणों का एहसास होना चाहिए जब एक दिन में सामान्य गतिविधियों को करने की क्षमता में हस्तक्षेप होता है।

डॉ. ललित दुग्गल ने बताया कि आरए महिलाओं में अधिक आम हैं और यह किसी भी आयु वर्ग को प्रभावित कर सकता है, हालांकि जीवन के तीसरे और चौथे दशकों में अधिक आम है। बच्चे और किशोर इस स्थिति (जुवेनाइल अर्थराइटिस) से प्रभावित होते हैं और देर से शुरू होने वाला आरए असामान्य रूप से जीवन की बढ़ती अवधि और पर्यावरणीय प्रभावों के कारण संभव नहीं है। डॉ. ने बताया कि आरए के दैनिक निदान किए गए 100 रोगियों में से कम से कम 20 को पार करता हूं। इस बीमारी की घटना बहुत कम है और बाकी विकृतियों के साथ आती हैं। ज्यादातर अक्सर दर्द, सूजन, और बेचैनी जैसे सामान्य लक्षणों के कारण रोग गलत हो जाता है। लेकिन, सुबह दोहराव के आधार पर महत्वपूर्ण कठोरता के मामलों में और घरेलू कार्य को संतोषजनक ढंग से करते समय असमर्थता का सामना करना पड़ता है, डॉक्टर से परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। आरए के प्रमुख कारण जनसंख्या और दीर्घायु में वृद्धि के कारण हैं। जागरुकता में वृद्धि के कारण किसी विशेषज्ञ से सलाह लेते हुए देखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रदूषण से बचाव को महिला समिति ने बांटे मास्क

गुरुग्राम। प्रदूषण से छोटे और बड़े सभी परेशान है। बच्चों को सुबह स्कूल जाना पड़ता है और प्रदूषण के कारण उनके बीमार होने का खतरा बढ़ा रहता है। इसी के मद्देनजर महिला जन सेवा समिति लक्ष्मी गार्डन राजेंद्रा पार्क ने बीड़ा उठाया और मास्क बांटने का काम शुरू कर दिया। समिति की अध्यक्ष रूपा पटेल ने बताया कि प्रदूषण के हर किसी को परेशानी हो रही है। बीमारों की हालत और भी खराब है। ऐसे में बचाव जरूरी है। लोगों को प्रदूषण से बचाव के लिए उनहोंने एम95 मार्क के मास्क बांटने का काम अपनी महिला जन सेवा समिति के बैनर तले शुरू किया है। यहां लक्ष्मी गार्डन में उन्होंने मास्क बांटे। बड़ों के साथ स्कूल जाने वाले बच्चों को मास्ट वितरित किये गये, ताकि उन्हें प्रदूषण से परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यह उनका छोटा सा प्रयास है। इस अभियान से कुछ तो फायदा होगा। पिछले साल भी यह अभियान चलाया गया था। भविष्य में समाजसेवा के क्षेत्र में समिति कार्य करती रहेगी।

बाइक सवार बदमाश ने महिला के गले से सोने की चेन लूटी

सोहना। सोहना के बालूदा मार्ग पर बाइक सवार बदमाश ने दिन-दहाड़े महिला के गले से सोने की चेन झपट ली। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सोहना के वार्ड-4 की रामविहार कॉलोनी निवासी महिला अनीता ने बताया कि वह शुक्रवार को रिक्शे से उतरकर पैदल अपने घर के लिए जा रही थी। तभी पीछे से आए एक बाइक सवार युवक ने उसके गले पर हाथ डालते हुए सोने की चेन झपट ली। सोहना सिटी थाना पुलिस ने अनीता की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। पुलिस बालूदा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। ताकि बाइक सवार बदमाशों की पहचान हो सके।

किसान के घर से ट्रैक्टर चोरी, मामला दर्ज

गुरुग्राम। फर्रूखनगर खंड के गांव जाटौला की ढ़ाणी में शुक्रवार-शनिवार की रात्रि अज्ञात चोर किसान के खेत से नया महेंद्रा ट्रैक्टर चोरी करके फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दी है। ढ़ाणी जाटौला निवासी पोहप सिंह पुत्र श्रीचंद ने बताया कि वह खेती के अलावा दूध बेचने का कार्य करता है। खेती के कार्य के लिए वह हेलीमंडी से मई माह में पांच लाख रुपए का नया महेंद्रा ट्रैक्टर खरीद कर लाया था। 15 नवम्बर को वह खेत में जुताई करके रात्रि साढ़े नौ बजे परिवार सहित खेत में बने घर में सो गए थे। 16 नवम्बर को अल सुबह 2 बजे जब वह भैंसों का दूध निकालने के लिए उठा तो घर के पास से ट्रैक्टर गायब मिला। काफी तलाश की, लेकिन नहीं मिला। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पोहप सिंह के बयान पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पातली गांव में गोली मारकर युवक ने की आत्महत्या

गुरुग्राम। जिला के गांव पातली में एक युवक ने नशे की हालत में रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मारकर जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच के बाद मामला दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरुग्राम भेज दिया। पुलिस को दिए बयान में अनिल पुत्र जितेंद्र निवासी पातली ने बताया कि उसने नाहरपुर में मोबाईल फोन की दुकान कर रखी है। उसका भाई हरीश पुत्र जितेंद्र (27) नशा करने का आदी था। वह अफीम का नशा करता था। जिससे चलते उसका मानसिक संतुलन खराब था। इस वजह से उसने अपने सिर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि 15 नवम्बर को उसका भाई रात्रि के समय भी नशे की हालत में घर पहुंचा था। वह अपने कमरे में गया और सो गया था। रात्रि में उसने रिवॉल्वर से कनपटी पर गोली मार ली। उन्हें सुबह करीब छह बजे देखा। वहीं इस मामले में पुलिस का यह भी कहना है कि हरीश अपराधिक किस्म का था। शराब आदि नशे का आदी था। उसके खिलाफ 9 सितम्बर 2019 को आर्म्स एक्ट, 7 दिसम्बर 2018 को थाना खेड़की दौला में धारा 147, 148, 232, 506 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा करीब दो वर्ष पूर्व गांव पातली के ही एक युवक को जबरदस्ती गाड़ी से कुचलकर हत्या करने के मामले में भी वह शामिल था। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। वहीं युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरुग्राम भेज दिया।

दिवंगत पत्रकार आरके वर्मा को दी श्रद्धांजलि

फर्रुखनगर। फर्रुखनगर के वरिष्ट पत्रकार आरके वर्मा की आत्मा की शांति के लिए स्थानीय चंद्रपति धर्मशाला प्रांगण में शुक्रवार को दैनिक रेल यात्री संघ फर्रुखनगर व पत्रकार संघ फर्रुखनगर के संयुक्त संयोजन में श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के राजनीति, सामाजिक, व्यापार मंडल के प्रबुद्ध लोगों ने स्वर्गीय वर्मा के चित्र पर माल्यार्पण, श्रद्धासुमन अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए गायत्री मंत्र उच्चारण के बाद दो मिनट का मौन धारण किया। किसान कलब के चेयरमैन राव मानसिंह, नपा के पूर्व उपाध्यक्ष आचार्य बाल किशन भार्गव, अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष डा. विजय गोयल, नपा के पूर्व उपाध्यक्ष सुरेश चंद गुरावलिया आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे।

लड़कियों को जूते व जुर्राब दान करने अलीगढ़ से पहुंचे प्रोफेसर

नूंह। शहर के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अलीगढ़ से आए विश्विद्यालय के प्रोफेसर द्वारा लड़कियों को सर्दी की सौगात वितरित की गई। जिसमें करीब 200 लड़कियों को जूते और जुर्राब बांटे गए। विद्यालय के उर्दू प्रवक्ता एवं डाक्टर जुनेद ने कुछ दिन पहले फेसबुक पर पोस्ट डाली की जो लोग सर्दी के मौसम में नूंह के विद्यालय की लड़कियों के लिए जूते व जुर्राब दान देना चाहे वो दे सकता है। फेसबुक पर डाली गई ये पोस्ट अलीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तक जा पहुंची। जिसके बाद वह लड़कियों की मदद के लिए जूते व जुर्राब लेकर नूंह पहुंचे और छात्राओं को वितरित किए। लड़कियों से बातचीत करते हुए अलीगढ़ के प्रोफेसर सिद्दीकी ने कहा कि सभी लड़कियां मन लगाकर अपनी पढ़ाई पूरी करें यदि उन्हें किसी चीज की जरूरत है तो वह मदद करने के लिए तैयार हैं। मौके पर सुमन मलिक, गिरीश, दिनेश गोयल, समीम, हारुन सहित स्कूल का स्टाफ मौजूद रहा।

मेवात कारवां संगठन ने उठाई रोजगार कार्यालय खोलने की मांग

नूंह। जिले के पुन्हाना में रोजगार कार्यालय खुलवाने की मांग सीएम विंडों के माध्यम से मुख्यमंत्री तक पहुंच चुकी है। इस पहल की शुरुआत सामाजिक संगठन मेवात कारवां ने की है। मेवात कारवां संगठन के जिला संयोजक तौसिफ खान बीसरु ने रोजगार कार्यालय खुलवाने को लेकर सीएम विंडों में दी शिकायत में बताया कि पुन्हाना में रोजगार कार्यालय ना होने के कारण लोगों को अपना पंजीकरण करवाने के लिए फिरोजपुर झिरका मीलों दूर जाना पड़ता है। जहां पर उनको आने जाने में समय के साथ-साथ धन की भी बर्बादी होती है। उन्होंने कहा है कि पुन्हाना के बीसरु रोड पर लघुसचिवालय बना हुआ है, जहां पर सभी काम होते हैं, लेकिन केवल रोजगार पंजीकरण के लिए पुन्हाना के लोगों को फिरोजपुर झिरका की ओर मीलों दूर भागदौड़ करनी पड़ती है। जहां पर कुछ लोग तो समय की बर्बादी को देखकर जाने से भी कतराते हैं। यदि रोजगार कार्यालय पुन्हाना में खुल जाए तो लोगों को फिरोजपुर नहीं जाना पड़ेगा।

अफसर ईमानदारी से काम करें या फरीदाबाद छोड़ जाएं : मूलचंद

गृहनगर पहुंचने पर मंत्री मूलचंद शर्मा का यादगार स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा के नवनियुक्त परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने अफसरों को चेतावनी दी है कि अधिकारी ईमानदारी से अपना दायित्व निभाएं, अन्यथा फरीदाबाद से कहीं और तबादला करवा लें। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार बल्लभगढ़ पधारे मूलचंद शर्मा ने सभी जिला अधिकारियों को ईमानदारी से काम करने की नसीहत दी और कहा कि सभी अधिकारी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के विजन से काम करें और अपने काम में किसी प्रकार की कोताही ना बरतें।

बल्लभगढ़ के लोक निर्माण विश्राम गृह में जिला अधिकारियों के साथ मुखातिब हुए मूलचंद शर्मा सख्त लहजे में नजर आए। उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी सोच स्पष्ट करते हुए कहा कि बल्लभगढ़ में 37 वर्षों के बाद मंत्री पद मिला है। इस अवसर का लाभ उठाते हुए फरीदाबाद तथा बल्लभगढ़ को स्वच्छ और सुंदर बनाना है। उन्होंने कहा कि बल्लभगढ़ राजा नाहर सिंह की ऐतिहासिक नगरी है, जिन्हें अंग्रेजों ने धोखे से बुलाकर फांसी दी थी। यह ऐतिहासिक नगर जयपुर की तर्ज पर बसा हुआ है, इसे सुंदर बनाना है। उन्होंने चेतावनी देने के साथ शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने के लिए अधिकारियों का धन्यवाद भी किया और कहा कि मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में विकास के बहुत काम हुए जिनकी वजह से प्रदेश में पुन: सरकार बनी है। उन्होंने अधिकारियों को विश्वास में लेते हुए कहा कि आप लोगों के भरोसे ही मैं यह जिम्मेदारी (मंत्री पद) लेकर आया हूं। उन्होंने कहा मंत्री, विधायक तथा अधिकारी सभी साथ मिलकर काम करेंगे और फरीदाबाद जिला तथा बल्लभगढ़ शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। मूलचंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में जीत के अंतर में वे दूसरे स्थान पर रहे हैं। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में करवाए गए विकास कार्यों की वजह से ही उन्हें लोगों ने लगभग 42 हजार मतों से चुनाव में जिताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ईमानदारी से काम करने तथा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की जो मुहिम शुरू की थी, उसे अब इस दूसरे कार्यकाल में जारी रखते हुए प्रदेश को विकास पथ पर आगे ले जाना है। पहले कार्यकाल में भ्रष्टाचार में काफी कमी आई और अब मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल का विजन है कि भ्रष्टाचार को खत्म करके नए हरियाणा का निर्माण करना है। हम सबको मुख्यमंत्री के उस विजन को पूरा करने में सहयोग देना है। साथ ही विश्वास दिलाया कि विकास कार्यों के लिए धनराशि की कमी नहीं रहेगी तथा मंत्री और विधायकों का भी पूरा सहयोग मिलेगा।

स्वच्छता में इंदौर का मुकाबला करें : नरेंद्र गुप्ता

फोटो: राजेश पुंजानी

फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि फरीदाबाद में लगे सभी अधिकारी डायनेमिक हैं और मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में जो काम हुए उसकी बदौलत पार्टी को जीत मिली। उन्होंने कहा कि अब तक मुख्यमंत्री सभी विधायकों के साथ दो बार बैठक कर चुके हैं और वे पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ हरियाणा प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने इंदौर का उदाहरण देते हुए अधिकारियों से कहा कि फरीदाबाद जिला को डस्ट फ्री बनाने में योगदान दें। इस पांच साल में स्वच्छता में इंदौर से ऊपर नहीं, तो कम से कम उसके बराबर जरूर पहुंच पाएं, यह हम सभी की कोशिश रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सेक्टर 15 में उन्होंने लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और स्वयं अपने घर का रैंप तुड़वा कर एक किनारे से दूसरे किनारे तक सड़क को क्लीयर करवाया। इसके बाद लोगों में अपने-अपने रैंप तोड़ने की होड़ लग गई।

सीएम, मंत्री कराएंगे तिगांव का विकास: राजेश नागर

तिगांव के विधायक राजेश नागर ने कहा कि अब तक तिगांव से विपक्ष का ही विधायक चुनकर आता रहा है। पहली बार सत्ता पक्ष का विधायक चुना गया है। इसलिए उनके विधानसभा क्षेत्र में भी मंत्री मूलचंद शर्मा तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में और ज्यादा विकास होगा। इससे पहले मूलचंद शर्मा को दिल्ली-फरीदाबाद बॉर्डर से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल नगाड़ों के साथ, जोश व उत्साह से बल्लभगढ़ लाया गया। रास्ते में कई स्थानों पर उनका भाजपा कार्यकर्ताओं तथा लोगों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उनके पक्ष में जोश के साथ नारे लगाते हुए लोगों का हुजूम आगे बढ़ता रहा। उन्हें पूर्व महापौर देवेंद्र भड़ाना, भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा और उपायुक्त अतुल कुमार ने बधाई दी है।

कृष्णपाल गुर्जर ने दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित पांच दिवसीय नि:शुल्क दिव्यांग कल्याण शिविर के दूसरे दिन शनिवार को मुख्यातिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, पूर्व विधायक पं. टेकचंद शर्मा एवं पूर्व चेयरमैन अजय गौड़ ने दिव्यांगों को अपने हाथों से सहायक उपकरण वितरित किए।

अतिथियों ने आयोजक संस्थाओं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, जिला रेडक्रास सोसायटी एवं जिला समाज कल्याण विभाग तथा लार्सन एंड टूब्रो ग्रुप के सहयोग से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये संस्थाएं समाज के गरीब तबके के लिए इस तरह के उपयोगी शिविर लगाकर बहुत ही भलाई का कार्य कर रही हैं तथा अन्य संस्थाओं को इनसे प्रेरणा लेकर आगे आना चाहिए। मीडिया प्रभारी श्याम कांकानी ने बताया कि दूसरे तक शिविर में कुल 470 रजिस्ट्रेशन हुए और 19 नवंबर तक चलने वाले इस पांच दिवसीय शिविर में 1200 लोगों के पंजीकरण व उपकरण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष तरुण मिमाणी, रितेश सोमानी, नवनीत सोमाणी, गौरव बाहेती, अंकित सोमानी, सुमित झंवर, अजय राठी, विकास राठी, मनीष राठी, रमेश भूतड़ा, अशोक राठी, हितेश पेड़ीवाल, विपिन मल, आनंद बागड़ी, अजय लखोटिया व देवकी नंदन मंत्री ने सभी जरूरतमंदों का रजिस्ट्रेशन और सहायक उपकरण वितरण का कार्य संभाला। महिला मंडल की टीम से रेखा राठी, सरिता गट्टानी, आशु झंवर, नीतू भूतड़ा, सुलोचना मालपानी और शकुंतला बागड़ी ने खानपान की जिम्मेदारी संभाल रखी है।

प्रदूषण के खिलाफ एक दर्जन संस्थाओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट ने औद्योगिक नगरी फरीदाबाद को प्रदूषण और गंदगी मुक्त करने के लिए बीके चौक पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शहर की लगभग एक दर्जन से अधिक संस्थाओं ने भाग लिया।

प्रदर्शन में जिला टैक्स बार एसोसिएशन, शरद फाउंडेशन, युवा ब्राह्मण संगठन, महाराजा अग्रसेन विवाह समिति, मानव जनहित एकता परिषद, यूथ सोसायटी, अखिल भारत हिन्दू महासभा, अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा, श्री हर्ष मानव सेवा ट्रस्ट, श्री हरिमानव सेवा ट्रस्ट, श्री बलराम मानव सेवा ट्रस्ट, मानव सेवा दल, जयहिन्द सेवा दल, गढ़वाल सभा, सेक्टर 52 आरडब्ल्यूए ने प्रदूषण से हो रहे नुकसान और सरकार द्वारा सुस्त व लापरवाही पूर्ण रवैया अपनाने पर रोष प्रकट किया। संस्थाओं के स्वयंसेवियों ने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों के तहत एनसीआर में 15 साल पुराने डीजल चलित वाहन आटो, ट्रेक्टर, ट्रकों, बसों को सड़कों से हटाया जाए, लेकिन फरीदाबाद पुलिस इन आदेशों की पालना करने में पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। गुरुग्राम पुलिस ने इन आदेशों की सख्ती से पालना की है।

इसके बाद वहां के अधिकतर यात्री वाहन फरीदाबाद में चल रहे है, जिससे प्रदूषण में काफी इजाफा हो रहा है। इसलिए स्मार्ट सिटी फरीदाबाद को ग्रहण लग गया है। सभी संगठनों का एक साथ एक ही मुद्दे पर सामाजिक हित में ही बैनर के नीचे रोष प्रकट करना अपने आप में तारीफ के काबिल है। सभी संस्थाओं द्वारा निर्णय लिया गया है कि अगर अब भी न चेती, तो ऐसे प्रदर्शन बार-बार किए जाएगें।

प्रदर्शन करने वालों में नवदीप सेवा समिति ट्रस्ट के प्रधान यशपाल शर्मा, संदीप सेठी, मुकेश कौशिक, पंकज पाराशर, हेमलता शर्मा आदि मौजूद रहे।

नवजन मोर्चा समिति ने दो बुजुर्गों को परिजनों से मिलाया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दोनों वृद्ध बिहार से रास्ता भटककर आ गए थे फरीदाबाद

वृद्धों की सेवा करने वाली संस्था नवजन मोर्चा के ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम ने दो बुजुर्गों को उनके परिजनों से मिलाया। दोनों वृद्ध बिहार के रहने वाले हैं और किसी तरह रास्ता भटककर फरीदाबाद आ गए थे।

इनमें से एक वृद्ध का नाम मुगध मंडल पांडे और दूसरे ताहिर हैं। मुगध मंडल पांडे के परिजनों को किसी तरह पता चला कि वह ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में हैं, जिन्हें ढूंढते हुए वे आश्रम पहुंचे, जहां वह सही सलामत मिले। परिजनों ने दूसरे वृद्ध ताहिर को भी पहचान लिया और बताया कि वह हमारे गांव से कुछ ही दूरी पर रहते हैं और वे उन्हें ले जाकर उनके परिजनों के पास छोड़ देंगे। दोनों बुजुर्गों की सही तरह से देखभाल करने के लिए परिजनों ने संस्था के संचालक किशन लाल बजाज का धन्यवाद किया, जिनकी बदौलत वे अपने बिछुड़े परिजनों से मिल पाए।

राहुल गांधी को अक्ल आने की उम्र गुजर गई : कृष्णपाल गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि लोग कहते हैं कि कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को भगवान सद्बुद्धि दे। किंतु राहुल को बुद्धि कौन देगा। जैसे उम्र बढ़ने की एक सीमा होती है। वैसे ही बुद्धि बढ़ने की सीमा भी होती है। राहुल गांधी की उम्र 45-50 तो हो गई है। अब बुद्धि आने की उम्मीद नहीं।

कृष्णपाल गुर्जर सेक्टर 12 स्थित जिला मुख्यालय पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। भाजपा ने यहां कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और उनकी पार्टी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित लड़ाकू विमान राफेल की डील में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में बार- बार 'चौकीदार चोर है' कहने और सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका खारिज होने पर देश की जनता से माफी नहीं मांगने पर जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में धरना दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री गुर्जर ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी द्वारा राफेल विमान सौदे में नरेन्द्र मोदी को 'चौकीदार चोर है' कहने का जबाब देश की जनता ने पहले ही दे दिया था और अब सर्वोच्च न्यायलय में पुनर्विचार याचिका का भी खारिज हो जाना इस बात का प्रमाण है कि राहुल गांधी इस तरह का बर्ताव करके विदेशी ताकतों को फायदा पहुंचा रहे थे। उन्होंने ऐसा करके देश की जनता का अपमान ही नहीं किया, देश की गरिमा को भी धूमिल किया है। इसलिए हम मांग करते हैं कि उन्हें यदि जरा भी शर्म है, तो बिना बिलंब के तुरंत देश की जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगे। धरने में मेयर सुमन बाला, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, पूर्व चेयरमैन अजय गौड़, हुकुम सिंह भाटी, नीरा तोमर, मीना पांडे, वजीर सिंह डागर, मूलचन्द मित्तल, अनिल प्रताप सिंह, अनिल नागर, अमित मिश्रा, अनीता शर्मा, बीरसिंह नैन आदि सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

डॉ. बीना मोदी ने संभाला मोदी एंटरप्राइजेज के चेयरपर्सन का पद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केके मोदी के अचानक निधन के बाद गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड और इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड दोनों कंपनियों के बोर्ड ने सर्वसम्मति से डॉ. बीना मोदी के नाम पर रेजॉल्यूशन पास किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड का प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर और इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चेयरपर्सन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर चुना गया है। डॉ. बीना मोदी ने मोदी एंटरप्राइजेज के नए चेयरपर्सन के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली है।

डॉ. बीना मोदी इससे पहले गॉड फ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड की बोर्ड सदस्य रही हैं और कंपनी की सीएसआर कमेटी का भी हिस्सा रही हैं। सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं व्यक्तिगत उत्साह ने सीएसआर कार्यक्रमों को समूह के मूल्यों के अनुरूप आगे बढ़ाने में मदद की। पद संभालने के बाद डॉ. बीना मोदी ने कहा कि इस जिम्मेदारी को पाकर मैं सम्मानित अनुभव कर रही हूं और मेरा सतत प्रयास रहेगा कि अपने पति के सपनों को जीवित रखूं। केके ने अपने पिता राय बहादुर गुजरमल मोदी की विरासत को आगे बढ़ाया और मेरा मानना है कि अब यह हम सब की जिम्मेदारी व कर्तव्य है कि उनके लक्ष्य, दर्शन एवं मूल्यों को अपने विकास एवं सफलता के मार्ग के पथ प्रदर्शक की तरह मानते हुए आगे बढ़ें। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके अद्वितीय लक्ष्य बहुत जटिल हैं, लेकिन परिवार के सदस्य और समूह की कंपनियों के प्रबंधन उन लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एक सफल उद्यमी के तौर पर डॉ. बीना मोदी ने स्वयं कई सफल कारोबार स्थापित किए हैं। उनका बीना फैशंस एक ग्लोबल उद्यम है और साथ ही ईगो स्पेशियलिटी रेस्टोरेंट चेन, दसांज सलून और बीकन ट्रैवल्स भी उनके कुछ प्रतिष्ठित उद्यम हैं। उनके कारोबार 1.5 अरब डॉलर के मोदी एंटरप्राइजेज की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ. बीना मोदी को वुमन इकोनॉमिक फोरम द्वारा च्वुमन ऑफ द डेकेड इन बिजनेस एंड लीडरशिप 2018 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और साथ ही 2019 का प्रतिष्ठित अचीवर्स अवार्ड भी मिला है।

ऑटो-कार भिड़ंत में पांच लोग घायल

बल्लभगढ़। सेक्टर आठ स्थित हनुमान मंदिर रोड पर शनिवार को ऑटो और कार के बीच भिड़ंत हो गई। इस हादसे में ऑटो और कार ड्राइवर सहित कुल पांच लोग घायल हो गए। घायलों को अलग-अलग अस्पताल में दाखिल कराया गया है। इस मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। सेक्टर सात थाना पुलिस के अनुसार शनिवार को सेक्टर तीन की ओर से एक ऑटो सवारी लेकर फरीदाबाद की ओर जा रहा था। जब वह हनुमान मंदिर के पास पहुंचा, तो सामने से आ रही कार से उसकी भिड़ंत हो गई। टक्कर होने के साथ ही ऑटो पलट गया, जिसमें ड्राइवर सहित चार लोग मौजूद थे। रोड से गुजर रहे लोगों ने ऑटो में दबे लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। वहीं कार चालक भी इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। रोड से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना देते हुए घायलों को अलग-अलग अस्पताल में पहुंचा दिया।

भारतीयों में बढ़ रहा है डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डॉक्टर के क्लीनिक जाकर इलाज करने का तरीका बहुत जल्द पुराना होने को है, क्योंकि आज के वयस्क डॉक्टर से ऑनलाइन चैट या कॉल पर बात करना बेहतर समझते हैं। ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवाओं की मदद से घर बैठे ही लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श कर के अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज मिल जाता है। 2015 में महीने के केवल 100 परामर्शों से की गई शुरुआत की गिनती आज महीने के दो लाख परामर्श हो चुकी है। अब लोगों के पास 5000 विशेषज्ञ डॉक्टरों में से चुनने का विकल्प भी मौजूद है।

डॉक्सएप के सीईओ सतीश कनन कहते हैं कि शुरुआत से ही हम लाखों लोगों तक सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। हमें बेहद गर्व और खुशी है कि हम एक करोड़ लोगों तक ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा पहुंचा सके। आजकल के युवा स्वस्थ रहने के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन व्यस्त जीवनशैली के कारण वे डॉक्टर के पास जाने में असमर्थ रहते हैं। इसलिए उन्हें डॉक्टर से ऑनलाइन बात करना ही सही और सरल लगता है।

डॉक्सएप के डाटा के अनुसार, ज्यादातर लोग यौन रोग, बदन दर्द, मनोरोग, त्वचा रोग, संक्रमण और वजन प्रबंधन के लिए डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श करते हैं। डॉक्सएप ले लगभग 82 फीसदी उपयोगकर्ता 20-30 की उम्र के हैं। ज्यादातर लोग यौन और मानसिक रोग के लिए डॉक्टर से डॉक्सएप पर बात करते हैं। 30 से कम उम्र के पुरुष जो डॉक्सऐप इस्तेमाल करते हैं, उनमें से 62 फीसदी यौन संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए डॉक्सएप को चुनते हैं। दूसरी तरफ 30 से कम उम्र की महिलाएं 30 से ज़्यादा उम्र की महिलाओं के मुकाबले एक महिला रोग विशेषज्ञ से पांच गुना ज़दा परामर्श ले रही हैं, क्योंकि डॉक्सएप अपने उपयोगकर्ताओं की जानकारी गुप्त रखता है, इस कारण महिलाओं के मुकाबले तीन गुना पुरुष अपनी मानसिक समस्याओं के लिए डॉक्सऐप की मदद ले रहे हैं।

20 मेडिकल विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की मौजूदगी के साथ, हाल ही में डॉक्सऐप ने अपना सालाना हैल्थ केयर सब्सक्रिप्शन डॉक्सएप गोल्ड को लॉन्च किया है। डॉक्सऐप गोल्ड के सभी मेंबर्स और उनके पूरे परिवार को मिलते हैं। सभी विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ अनगिनत ऑनलाइन परामर्श और साथ ही दवाईयों पर 30 फीसदी तक की छूट और मुफ्त होम डिलीवरी देश के किसी भी कोने में। लैब टैस्ट पर भी मिलती है। 60 फीसदी तक की छूट और मुफ्त सैंपल पिक-अप।

न्यूवोको सीमेंट में पानी की लागत 25 प्रतिशत घटी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

निर्माण सामग्री कंपनी न्यूवोको विस्टास कॉर्प. ने अपने सबसे नवीन और पर्यावरण के अनुकूल सीमेंट संस्करण में से एक कांक्रीटो ग्रीन लांच किया। यह हाई परफॉर्मेंस सीमेंट अन्य सीमेंट प्रकार की तुलना में 25 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करता है, जिससे उन क्षेत्रों में भी भवन निर्माण सामग्री उद्योग के लिए रास्ते खुले हैं, जहां पानी की कमी है। कांक्रीटो ग्रीन को राजस्थान में लॉन्च किया गया था और अब इस उत्पाद को देश के अन्य बाजारों में उतारा जाएगा। मुंबई में न्यूवोको के कंस्ट्रक्शन डेवलपमेंट एंड इनोवेशन सेंटर (सीडीआईसी) में विकसित, कांक्रीटो ग्रीन को लम्बी अवधि में पर्यावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

अनुसंधान के अनुसार, भारत के 54 प्रतिशत क्षेत्र उच्च से उच्च जल तनाव का सामना कर रहे हैं। अकेले राजस्थान राज्य के आठ जिलों में वर्ष 2018 में वर्षा की कमी थी। इसलिए कांक्रीटो ग्रीन जैसा उत्पाद सिकुड़ती जल तालिका के संरक्षण के लिए अनुकूल है। कांक्रीटो ग्रीन कम पानी की मात्रा के साथ भी कम संकुचन और बेहतर कार्यशीलता प्रदान करता है, जिससे पानी के प्रवेश और क्लोराइड हमले से उच्च प्रतिरोधक क्षमता के साथ ताकत और स्थायित्व प्रदान करता है।

कांक्रीटो ग्रीन 50 किग्रा बॉक्स फोल्ड बैग में उपलब्ध है, जो बेहतर टैंपर-प्रूफ और नमी-प्रूफ पैकेजिंग है, जो सीमेंट की गुणवत्ता और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। चीफ स्ट्रेटजी एंड मार्केटिंग ऑफिसर मधुमिता बासु ने कहा कि कांक्रीटो ग्रीन के साथ न्यूवोको निर्माण उद्योग के लिए हरियाली और स्मार्ट समाधान प्रदान करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है।

राजस्थान देश के सबसे कम वर्षा वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां पीने योग्य पानी की पहुंच भी काफी मुश्किल है। ऐसे में एक ऐसा उत्पाद पेश करना, जिसके लिए न केवल कम पानी की आवश्यकता हो, बल्कि जो अंतिम संरचना की मजबूती भी बढ़ाता है, यह रेगिस्तान राज्य में कांक्रीटो ग्रीन लांच करने के लिए हमारी प्रेरणा बना।

अर्द्धनग्न युवती ने भागकर आबरू बचाई

फरीदाबाद। एक एमएनसी कंपनी में कार्यरत युवती के साथ दरिंदगी होने वाली थी, लेकिन उसने भागकर इज्जत बचाई। इससे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। घटनाक्रम के मुताबिक यह युवती गुरुग्राम जाने के लिए कार में सवार थी। रास्ते में ड्राइवर की नीयत खराब हो गई। उसने बंदूक की नोक पर युवती के कपड़े जबरन उतार दिए और दुष्कर्म की कोशिश करने लगा। युवती ने ड्राइवर को धक्का दिया और अपनी आबरू बचाने के लिए कार से निकलकर अर्द्धनग्न अवस्था में ही भागी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने युवती ने युवती के बताए हुलिये और सीसीटीवी की मदद से ड्राइवर की तलाश तेज कर दी है।

आर्थिक संकट और मुक्त व्यापार पर छात्रों ने की चर्चा

फरीदाबाद। सेक्टर 14 स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में तीन दिवसीय एमआर-मून कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग स्कूलों से 400 छात्र पहुंच और विभिन्न राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने अलग-अलग एजेंडा के साथ चर्चाओं में भाग लिया। इस बार एमआरएमयूएन-2019 में आर्थिक संकट के समाधान, उदारीकरण पर ध्यान देने के साथ मुक्त व्यापार को प्रोत्साहित करने और कई अन्य लोगों के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच के रूप में काम किया। डेलिगेट्स ने अपनी संबंधित समितियों के राजनीतिक प्रमुखों की भूमिका निभाई। कमेटियों ने अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम में मंडलायुक्त जी. अनुपमा ने बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। वह छात्रों को देखकर स्तब्ध रह गईं। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशंस से पूरे विश्व को सारी परिस्थितियों को एक डायलॉग के जरिये हल करने की सीख मिलती है। आज का यह मरमुन कार्यक्रम 'सहनशक्ति' का एक बेहतरीन संदेश देने में सफल रहा है।

नेताओं के लिए विधानसभा चुनावों के सबक

हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद जारी घटनाक्रम से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जनता के विश्वास को चोट पहुंच सकती है। ऐसे में नेताओं को अपने कृत्यों की समीक्षा करनी चाहिए।

जे एस राजपूत
(लेखक शिक्षा एवं सामाजिक एकजुटता हेतु कार्यरत हैं)

वर्तमान वैश्वीकृत दुनिया में नई पीढ़ी प्रगति और विकास की तलाश में है। भारत भी प्रगति करते हुए विकासशील देश से विकसित देश बनने का प्रयास कर रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हम गंभीरता से यह देखने पर ज्यादा समय नहीं दे रहे हैं कि संविधान के प्रमुख लोकतांत्रिक सिद्धान्तों व मानकों को लगातार चोट पहुंच रही है। महात्मा गांधी ने 1925 में कहा था कि 'सिद्धान्त विहीन राजनीति' पाप है। लेकिन क्या यह आज आम व्यवहार नहीं बन गया है?

8 नवंबर, 2019 को कुछ विचारशील लोगों ने महाराष्ट्र व हरियाणा विधानसभा चुनावों के बाद जारी राजनीतिक घटनाक्रम पर निराशा प्रकट की थी। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। इसके पहले भी इस समूह में घोर निराशा थी जहां किसी के समक्ष राजनीतिक या वैचारिक बाधा नहीं है। वे इस समस्या से अत्यधिक चिन्तित हैं तथा उस पर गंभीरता से ध्यान दे रहे हैं। वे सभी भारत से प्रेम करते हैं तथा उसके लोकतंत्र एवं नैतिक, आदर्शात्मक व आध्यात्मिक विरसात को महत्व देते हैं जिनके कारण आज भी भारत की पहचान सारी दुनिया में है। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि 288 सदस्यों वाली विधानसभा में केवल 56 सीटें पाने वाली कोई राजनीतिक पार्टी असाधारण घमंड के साथ सर्वोच्च पद पर दावा कैसे कर सकती है। हरियाणा की 'आया राम गया राम' संस्कृति से लोकतांत्रिक मूल्यों में क्षरण स्पष्ट है जो अनेक विरोधाभासी स्थितियों में आम बात हो गई है।

हमारे यहां ऐसे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री रहे हैं जो यह स्थिति कभी स्वीकार नहीं करते। वर्तमान संदर्भ में विधायकों को भीड़ की तरह बंधक बना कर होटलों में रखने की बड़ी-बड़ी खबरें एलेक्ट्रानिक व प्रिंट मीडिया की सुर्खियों में हैं। इस बात का शायद ही कोई उल्लेख हो कि इससे लोकतांत्रिक मूल्यों व मतदाताओं को कितनी चोट लगती है जो अपने नेताओं को चुनते समय उनसे उम्मीद करते हैं कि वे दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले अनेक लंबित मुद्दों पर समुचित कार्रवाई करेंगे। वे चाहे जिस दल से जुड़े हों, पर क्या महाराष्ट्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों का भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कोई दायित्व नहीं है जिनके बलिदानों व अदम्य भावना के कारण आज वे वेतन-भत्तों व सुविधायें तथा विशेषाधिकार पाने वाले पदों पर पहुंचे हैं? क्या लोगों ने उनको इसलिए चुना है कि वे सत्ता, पद तथा मलाईदार मंत्रालयों के लिए ऐसा अशोभनीय सामाजिक व्यवहार करें?

यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि एक भी विधायक ने होटलों में भीड़ की तरह ले जाने का विरोध नहीं किया, जिसका कारण उनको 'दूसरे पक्ष के शिकारियों से बचाना' बताया गया था। क्या हमारे नेता इतने कमजोर व संकटग्रस्त हैं? महाराष्ट्र केवल ऐसी घटनाओं का दुहराव है जो पिछले कुछ दशकों में अनेक राज्यों में होती रही है। आखिर निर्वाचित प्रतिनिधियों को इस प्रकार भीड़ में बदलने पर संसद क्यों ध्यान नहीं देती है? क्या नई सरकार गठित करने के बारे में कुछ प्राविधान कानून में अनिवार्य नहीं किए जाने चाहिए, जैसे चुनाव परिणाम आने के सात दिन के भीतर सरकार गठन अनिवार्य हो? परिणाम आने के तीन सप्ताह बाद भी हरियाणा में सरकार गठन न होने के पीछे कोई नैतिक, आदर्शात्मक या संवैधानिक औचित्य नहीं है। बीच के इस अंतराल में लोकतंत्र व निर्वाचित प्रतिनिधियों की विश्वसनीयता घटती है। शर्मनाक रूप से कुछ मंत्रालयों को 'मलाईदार' बताया जाता है। लोग अपने तरीके से इसकी व्याख्या करते हैं और वे विरले ही गलत होते हैं।

इस वर्ष 2 अक्टूबर को भारत ने गांधीजी की 150वीं जन्म जयंती मनाई। यह समय उनके जीवन, मूल्यों तथा उनके एक पंक्ति के अमर कथन को याद करने के लिए उचित है कि 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।' कुछ अपवादों को छोड़ कर यदि वर्तमान नेता इस एक पंक्ति के आधार पर अपना परीक्षण करें तो उनको अनुमान हो जाएगा कि उन्होंने गांधीजी के स्वराज के साथ क्या किया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'असली स्वराज कुछ लोगों द्वारा अधिकार प्राप्त करने से नहीं, बल्कि सबके द्वारा यह क्षमता प्राप्त करने से आएगा कि अधिकारों का दुरुपयोग होने पर उसका विरोध किया जाए। दूसरे शब्दों में, स्वराज जनता को यह शिक्षित करने से आएगा कि उनमें अधिकार को नियंत्रित व नियमित करने की क्षमता विकसित हो।'

19 मार्च, 1931 को गांधीजी ने यंग इंडिया में लिखा था, 'स्वराज एक पवित्र शब्द है। यह वैदिक शब्द है जिसका अर्थ सभी प्रकार की बाधाओं को न मानने के बजाय आत्मशासन एवं आत्मनियंत्रण है, जबकि स्वतंत्रता का आमतौर से यही अर्थ समझा जाता है।' गांधीजी स्वराज इसलिए चाहते थे कि 'हमारी सभ्यता की प्रतिभा को मजबूत बनाए रखा जाए।' गांधीजी द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा की विस्तृत व्याख्या की जरूरत नहीं है कि पंक्ति के अंतिम व्यक्ति व उसके कल्याण तथा उसका जीवन बेहतर बनाने के बारे में अपनी भूमिका व जिम्मेदारी के बारे में सोचें। महात्मा गांधी के लेखन की उसकी सरलता, संवेदनशीलता, हृदय से उपजने तथा जीवन के कठोर अनुभवों व यथार्थ पर आधारित होने के कारण सारी दुनिया में प्रशंसा की जाती है।

गांधीजी के सिद्धान्तों को समझने तथा उनको व्यवहार में उतारने के लिए आंतरिक शक्ति, दृढ़ता तथा दूसरों के प्रति संवेदना आवश्यक है। स्वराज या स्वतंत्रता एक गतिशील जीवन्त चीज है जिसे निरंतर व टिकाऊ व्यक्तिगत व राष्ट्रीय प्रयास से ही बनाए रखा जा सकता है। लोकतंत्र के कुछ आधारभूत मूल्यों व सिद्धान्तों पर जनता तथा इससे भी ज्यादा गंभीरता के साथ लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा अडिग रहने से ही स्वराज को बनाए रखा जा सकता है।

गांधीजी हमें बताते हैं कि इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा था, 'स्वराज केवल तभी बचाया जा सकता है जब बहुसंख्य देशभक्त व दृढ़प्रतिज्ञ लोग राष्ट्रहित को अन्य सभी बातों से ऊपर रखें जिनमें उनका व्यक्तिगत लाभ भी शामिल है। स्वराज का अर्थ अनेक लोगों द्वारा संचालित सरकार है। जहां बहुत से लोग अनैतिक या स्वार्थी हों, उनकी सरकार भी अराजकता के सिवा और कुछ नहीं दे सकती है।'

गांधीजी, स्वतंत्रता संग्राम के अन्य सभी प्रमुख नेताओं तथा जनता की उम्मीद थी कि 'यदि स्वराज का अर्थ हमें सभ्य बनाना तथा हमारी सभ्यता को शुद्ध व स्थिर बनाना नहीं है तो यह निरर्थक होगा। हमारी सभ्यता का मूल सभी मामलों में नैतिकता को सर्वोच्च स्थान देना है, चाहे वे व्यक्तिगत हों या सार्वजनिक।' जब स्वराज कहीं दूर दूर तक नहीं दिखाई देता था तो यह कथन एक चेतावनी तथा अनुल्लंघनीय तर्क की तरह था।

1922 में गांधीजी ने एक पत्र में लिखा था कि स्वराज हमारी जनता को उस समय तक प्रसन्नता नहीं दे सकेगा जब तक उन पर चार चीजों का बोझ बना रहेगा। इन चार में से चुनावों की कमियों का सर्वोच्च स्थान था। अन्य तीन में अन्याय, प्रशासन का बोझ तथा अमीरों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी शामिल हैं। क्या यह एक भविष्यवाणी थी?

हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद हुए घटनाक्रम को एक गंभीर चुनौती की तरह देखा जाना चाहिए। इससे हमारी चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास टूटता है जो सच्ची भावना से लोकतंत्र बनाए रखने के लिए जरूरी है। यदि सभी सत्तारूढ़ लोग ध्यान दें तो वर्तमान अंधकारमय राजनीतिक परिदृश्य में प्रकाश की किरण सामने आ सकती है। उनको गौर करना चाहिए कि दुनिया ने विभिन्न क्षेत्रों व रचनात्मकता में हमारी उपलब्धियों व योगदान को महत्व दिया है। इनमें प्राचीन काल से चंद्रयान तक अनेकानेक उपलब्धियां शामिल हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान, आईसीटी व अन्य क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों के प्रकाश में हमारे सांसदों और विधायकों को अपनी जिम्मेदारी अनुभव करनी चाहिए। इनमें युवा भारतीयों की उपलब्धियां भी शामिल हैं जिन्होंने सिलिकान वैली, नासा, कार्पोरेट घरानों व वैश्विक संस्थानों में अपनी उपस्थिति की ओर सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करने पर भारत की यह महानता लगभग सभी क्षेत्रों में दिखती है। प्रगति तथा समावेशी विकास के रास्ते पर नई ऊर्जा के साथ बढ़ने के लिए यह प्रेरणा आवश्यक है।

एक शाम लोगों से बातचीत इस बिंदु पर समाप्त हुई जब कहा गया कि अयोध्या फैसला कल आने जा रहा है और सुरक्षा के लिए सारे कदम उठाए जाने चाहिए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक होगा कि इसका कोई उल्लंघन न होने पाए। हालांकि, 2019 में यह भारत के लिए एक महान 9-11 की तरह रहा। लगातार देश को धोखा देने वालों के लिए यह गंभीर बेचैनी और पीड़ा का कारण बन गया क्योंकि उनको उम्मीद थी कि फैसला चाहे जो हो इससे देशव्यापी अशांति पैदा होगी। लेकिन इस दिन सारी दुनिया को एकजुट भारत की झलक मिली। इस भारत को स्वीकार्यता की अपनी प्राचीन संस्कृति पर गर्व है जिसमें सारी विविधतायें स्वीकार्य हैं और भारत ने हजारों वर्षों से 'एक साथ' रहना सीखा है। स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि कुछ पश्चिमी देशों को आज यह कौशल सीखने की आवश्यकता है। हमारे राजनेताओं को जनता के समक्ष निराशाजनक परिदृश्य नहीं रखना चाहिए। एक बार निर्वाचित होने के बाद उनकी जिम्मेदारी देश, उसकी जनता तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति है। यह परिघटना देश, उसके लोकतंत्र व संविधान की एक गौरवशाली उपलब्धि है।

जनता को अपने निर्वाचित युवा प्रतिनिधियों से बहुत उम्मीदें हैं जिनको अपना रास्ता स्वयं निर्धारित करना चाहिए। वे बहुत कुछ हमारे महान नेताओं, जैसे, स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंद घोष, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी व अन्य महान विभूतियों से सीख सकते हैं जो अपने जीवन में लगातार विकसित होते रहे तथा अपनी आत्मा के साथ उन्होंने शांति स्थापित की। जेआरडी टाटा ने एक बार कहा था, 'हमेशा उत्कृष्टता को एकमात्र लक्ष्य बनाएं क्योंकि ऐसा होने पर ही आप सर्वश्रेष्ठ बन सकते हैं।' गांधीजी ने अपने पूरे जीवन भर यही किया। यह सबके लिए जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। विडंबना है कि हम अपने चारों ओर देखते हैं, पर अपने भीतर कभी नहीं झांकते हैं। इसे समझने के लिए हमें जान डेवी के शब्द याद करने होंगे। उन्होंने कहा था, 'उत्कृष्टता प्राप्त करना अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि उत्कृष्टता, परिपक्वता व शुद्धता जीवन के उद्देश्य हैं। वह व्यक्ति बुरा होता है जो चाहे जितना अच्छा रहा हो, पर पतित होने लगता है और कम अच्छा हो जाता है। अच्छा व्यक्ति वह है जो अतीत में चाहे जितना नैतिक रूप से पतित रहा हो, बेहतर बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। यह अवधारणा किसी को भी अपने प्रति कठोर निर्णय लेने तथा दूसरों के प्रति मानवीय बनने को प्रेरित करती है।' सार्वजनिक जीवन में रहने वालों के लिए यह आगे बढ़ने का रास्ता हो सकता है।

वायु प्रदूषण समस्या का समाधान संभव

दिल्ली-एनसीआर में पराली जलने से पैदा वायु प्रदूषण पर शोर मचाने के बजाय हमें एकसाथ मिल कर बेहतर भविष्य के लिए नए व अनोखे समाधान विकसित करने होंगे। कच्चे माल की तरह फसल अवशेषों के प्रयोग पर बहुआयामी शोध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

विभा धवन
लेखिका टेरी की वरिष्ठ निदेशक हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से गठित पर्यावरण प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिकरण-ईपीसीए ने हाल में वायु प्रदूषण के अत्यधिक खतरनाक स्तरों तक पहुंचने के बाद दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सार्वजनिक स्वाथ्य आपातस्थिति की घोषणा कर दी। क्षेत्र में सभी निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाई गई, स्कूल व अनेक कार्यालय बंद किए गए तथा कर्मचारियों से घर से काम करने को कहा गया। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने निजी वाहनों के लिए सम-विषम योजना के माध्यम से सड़क पर वाहनों की संख्या घटाने का प्रयास किया ताकि वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी आए।

वायु प्रदूषण में खतरनाक वृद्धि से स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं। इसके कारण आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई, सिर दर्द, बार-बार जुकाम व फेफड़ों में संक्रमण तथा दीर्घकालीन समस्यायें जैसे दमा, कैंसर, इम्फाइसीमा, क्रानिक ब्रांकाइटिस व श्वसन तत्र की अन्य समस्यायें हो सकती हैं। क्या हम इन सबका दोष पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में धान के खेतों में पराली जलाने को दे सकते हैं? हालांकि, वर्तमान समयमें सारा ध्यान दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता व इसकी निगरानी पर है, हमें यह तथ्य नहीं अनदेखा करना चाहिए कि यहां क्या हो रहा है? क्या इसका कारण खेतों में पराली जलाना है? ऐसे में उन किसानों व उनके परिवारों के स्वास्थ्य का क्या होगा जो अपनी जमीन पर बायोमास जलाते हैं?

कुल मिला कर देखें तो पराली या कृषि से बचे पदार्थ जलाने के कारण प्रदूषण में केवल चार प्रतिशत की वृद्धि होती है और वह भी जाड़ा शुरू होने के पहले दो-तीन सप्ताहों में। इसके साथ ही हवा के एक खास दिशा में चलने से हर साल यह समस्या पैदा होती है। फसल काटने के बाद हर साल नवंबर की शुरुआत में धान के बचे हिस्सों या 'पराली' जला कर गेंहूं की खेती से पहले खेत खाली करने को तात्कालिक आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। केन्द्रीय भू-विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता मानीटर के अनुसार खेतों से उठने वाला धुंआ दिल्ली में 44 प्रतिशत प्रदूषण का जिम्मेदार है। पराली जलाने का मुख्य कारण यह है कि भारी मात्रा में सिलिकान उपस्थित होने के कारण यह जानवरों के चारे योग्य नहीं होती है। इसका घनत्व बहुत कम होता है, इसलिए इसका भंडारण कठिन है।

समस्या के अनेक संभावित समाधानों पर चर्चा हुई है, जिसमें उत्तरी राज्यों में धान की खेती सीमित करना भी शामिल है। वास्तव में इस समस्या का एक हिस्सा वह नीतिगत परिवर्तन है जिसके चलते जून तक धान की खेती की अनुमति दी गई है। घटते भूमिगत जल पर नियंत्रण के प्रयास में पंजाब सरकार ने 2003 में एक घोषणा कर खेतों में जून तक धान की खेती को बढ़ावा दिया था जब मानसून उत्तर भारत के मैदानों में पहुंचता है। इसके परिणामस्वरूप धान की कटाई गेंहूं की बुआई के ठीक पहले होती है। इस प्रकार किसानों को धान की फसल काटने तथा गेंहूं की बुआई करने के बीच दो सप्ताह से भी कम समय मिलता है। कृषि मशीनरी की सीमित उपलब्धि के कारण उनके लिए फसल काटने के बाद खेतों से पराली हटाने का समय नहीं मिलता है। इसके कारण बायोमास को बेलगाम तरीके से जलाया जाता है।

यदि किसानों के पास फसल काटने के बाद ज्यादा समय हो तो वे इसे खेतों में ही छोड़ देंगे। फसल के अवशेष जलाने से केवल वायु प्रदूषण नहीं होता, बल्कि यह मृदा की उर्वरता घटाने तथा उसमें माइक्रो-फ्लोरा नष्ट होने का कारण भी बनता है। पत्तियों पर कण जमने से उनकी प्रकाश संस्लेषण दर घटती है जिससे कार्बन डाईआक्साइड स्थिरीकरण व आक्सीजन निकलने में भी बाधा पड़ती है। इससे फसलों की वृद्धि व उत्पादन में भी बाधा आती है। इससे भावी फसल चक्र में उर्वरकों का प्रयोग बढ़ता है तथा पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है। किसान इन दुष्प्रभावों से परिचित हैं, लेकिन वैकल्पिक उपायों की कम उपलब्धता तथा उनकी अधिक लागत के कारण वे पराली जलाने का रास्ता अपनाते हैं। समय की आवश्यकता है कि किसानों को वित्तीय रूप से सस्ते विकल्प उपलब्ध कराए जांए। धान के अवशेष तेजी से उखाड़ने वाली कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जानी चाहिए। यह सरकारी सब्सिडी, कृषि ढांचे में निवेश तथा किसानों को कृषि मशीनें किराए पर देने के लिए नए उद्यमिता माडलों के माध्यम से किया जा सकता है जिससे रोजगार सृजन भी होगा। मशीनें किराए पर मिलने वाले परंपरागत केन्द्रों की क्षमता बढ़ा कर उनको स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार ढालना चाहिए। राज्य व केन्द्र सरकारों को इन पहलों को बढ़ावा देना चाहिए। सभी जानते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर साल के अधिकांश समय खराब रहता है। इसमें अन्य तत्वों के साथ वाहनों से निकलने वाला धुंआ, इमारतों के निर्माण व उनके तोड़ने से निकलने वाली धूल, कचरा व सूखी पत्तियां जलाने से पैदा धुंआ तथा औद्योगिक गतिविधियों से निकलने वाला उत्सर्जन शामिल है। प्रदूषण के इन स्रोतों से निपटने की प्रभावी रणनीति बनाना जरूरी है।

वायु प्रदूषण में खतरनाक वृद्धि से स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं। इसके कारण आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई, सिर दर्द, बार-बार जुकाम व फेफड़ों में संक्रमण तथा दीर्घकालीन समस्यायें जैसे दमा, कैंसर, इम्फाइसीमा, क्रानिक ब्रांकाइटिस व श्वसन तंत्र की अन्य समस्यायें हो सकती हैं। क्या हम इन सबका दोष पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में धान के खेतों में पराली जलाने को दे सकते हैं?

धान की खेती संबंधित कृषि व्यवहारों को भी बदलना उचित होगा। उत्तर भारत में धान की खेती पर रोक लगाने की बहस कई साल पुरानी है। पानी की कमी तथा भूमिगत जल स्तर में कमी आने के कारण अब इस पर गौर किया जाना चाहिए। अब स्थिति की गंभीरता समझने तथा सुविचारित कदम तेजी से उठाए जाने चाहिए। टिकाऊ खेती को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र चयन सिद्धान्त पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही किस्मों और तकनीकों के चयन में क्षेत्रीय विविधताओं पर वैज्ञानिक रूप से गौर किया जाना चाहिए। डाइरेक्ट सीडेड राइस-डीएसआर जैसी तकनीकों को लोकप्रिय बनाना उचित होगा। इसके साथ ही सब-स्वायल इरीगेशन जैसी तकनीकों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि पानी, उर्वरकों व खर-पतवार नाशकों का प्रयोग सीमित किया जा सके।

प्राकृतिक संसाधनों के आंकलन पर समुचित ध्यान नहीं दिया गया है। नई तकनीकों के लिए सब्सिडी देने पर विचार करते समय कृषि के लिए जल-मूल्य की गलत नीति तथा उर्वरक सब्सिडी पर भी सावधानी से गौर किया जाना चाहिए। इससे टिकाऊ कृषि का विकास होगा। किसी खास क्षेत्र में फसलों की योजना बनाते समय उनके टिकाऊपन पर भी ध्यान देना चाहिए।

कच्चे माल की तरह फसल अवशेषों के प्रयोग पर बहुआयामी शोध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कंपोस्टिंग व ईंधन के साथ ही संसाधन के रूप में कोयले पर निर्भर उद्योग ऊर्जा पैदा करने के लिए इनका उपयोग कर सकेंगे। खेतों से फसल काटने के बाद धान के पौधे उखाड़ने की समस्या से निपटने के समय बचाने वाले विकल्प होने चाहिए। इसके साथ ही फसल अवशेषों के वाणिज्यीकरण का विकास समस्या का संपूर्ण समाधान होगा। धान के फसल अवशेष विघटित करने में सक्षम माइक्रोब का चयन किसानों को कंपोस्ट बनाने के लिए प्रेरित करेगा जिससे बाद में बोई जाने वाली गेंहूं की फसल के लिए रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता में कमी आएगी। इसका प्रयोग आर्गेनिक फसलों के उत्पादन में आर्गेनिक उर्वरक के रूप में किया जा सकता है। इससे किसानों को ऐसे व्यवहारों की ओर जाने की प्रेरणा मिलेगी।

हमें अन्य धान उत्पादक देशों से इस बारे में सबक सीखने चाहिए। इसका एक बेहतर उदाहरण चीन में देखने को मिलता है, खेतों में जहां पराली का प्रयोग व पुन: प्रयोग अधिकतम सीमा तक किया जाता है। खेतों से निकलने के बाद पराली का प्रयोग बड़े पैमाने पर मशरूम उत्पादन में भी किया जाता है जो लगभग तीन मिलियन किलो है। मशरूम उगाने के बाद इसका प्रयोग मछलियों के चारे के रूप में प्रयोग होने वाले कीड़ों के पालन हेतु होता है।

इस प्रकार फसल का व्यर्थ अवशेष अन्य लाभदायक गतिविधियों में प्रयोग होता है। पराली का प्रयोग अनेक देशों ने पार्टिकिल बोर्ड बनाने में किया है। भारत में डेनमार्क के सहयोग से इस बारे में शोध किया जा रहा है। एक जिम्मेदार देश के नागरिकों के रूप में हमें सभी पक्षों, किसानों व आम जनता के बेहतर भविष्य के लिए पराली समस्या का टिकाऊ व अनोखा समाधान निकालना चाहिए।

क्विक न्यूज

महाराष्ट्र में रैगिंग को लेकर 16 डॉक्टरों पर मामला दर्ज

पालघर। यहां एक मेडिकल कॉलेज के 16 डॉक्टरो के खिलाफ एक छात्रा की कथित रूप से रैगिंग करने के लिए मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पालघर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र के पालघर जिले मे डॉ. एम एल ढवले मेमोरियल होम्योपैथिक संस्थान की 23 वर्षीय एक छात्रा ने आरोप लगाया कि गुरुवार को कॉलेज के एक कार्यक्रम की तैयारी के दौरान वरिष्ठ छात्रो के एक समूह ने उसकी रैगिंग की। पालघर पुलिस स्टेशन के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत कातकर ने कहा कि पुलिस ने 16 वरिष्ठ डॉक्टरो के खिलाफ रैगिंग रोकथाम नियमावली 1999 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि मामले मे अभी तक कोई गिरफ्तारी नही हुई है और मामले की जांच जारी है।

रायगढ़ में कारखाने में लगी आग में तीन की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले मे एक फर्म मे शुक्रवार शाम को आग लगने से तीन लोगो की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। घायलो मे तीन की हालत नाजुक है। शुक्रवार शाम को फर्म मे अग्नि उपकरण प्रदर्शन के दौरान यह आग लगी।

एक अधिकारी ने कहा कि यह घटना मनगांव मे अग्नि उपकरण बनाने वाली क्रिप्टो प्राइवेट लिमिटेड के फर्म मे उस समय हुई जब वहां कर्मचारियो की मौजूदगी मे अग्नि उपकरण का परीक्षण किया जा रहा था। अधिकारी ने कहा संभवतः यह प्रदर्शन कक्ष मे सिलेंडर मे विस्फोट के कारण हुआ है। घटना का सही सही कारण पता करने के लिए विस्तृत जांच चल रही है। आग नियंत्रण से बाहर हो गई और वहां मौजूद सभी 18 कर्मचारी घायल हो गए। सभी घायलो को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां तीन कर्मचारियो की मौत हो गई। उन्होने कहा कि तीन अन्य की हालत नाजुक है और उन्हे मुंबई के अस्पताल मे स्थानांतरित कर दिया गया है।

बिहार में बॉयलर विस्फोट में तीन लोगों की मौत

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले मे शनिवार को एक संयंत्र का बॉयलर फटने से तीन लोगो की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। सुगौली थाना के प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि बंगरा नगर पंचायत क्षेत्र मे एक एनजीओ के खाना पकाने के संयंत्र का बॉयलर उस वक्त फट गया, जब मजदूर स्कूलो मे आपूर्ति के लिए मध्याह्न भोजन तैयार कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि बॉयलर विस्फोट मे तीन मजदूरो की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। सुगौली के क्षेत्र अधिकारी (सीओ) ज्ञान प्रकाश ने बताया कि यह एनजीओ सुगौली प्रखंड के सरकारी स्कूलो मे मध्याह्न भोजन की आपूर्ति करता है। सीओ ने बताया कि पुलिस ने तीनो शव पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिए है। उन्होने बताया कि तीनो घायलो को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को पहले मोतिहारी ले जाया गया, फिर पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच), पटना भेजा गया।

अभियंता के आवास से एसीबी ने 2.44 करोड़ रुपए किए जब्त

जमशेदपुर। झारखंड के सेरीकेला-खरसावां जिले मे ग्रामीण विकास विभाग मे कार्यरत कनिष्ठ अभियंता के आवास से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 2.44 करोड़ रुपए नकद जब्त किए। यह जानकारी एसीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को दी। एसीबी के पुलिस उप अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि कनिष्ठ अभियंता सुरेश प्रसाद वर्मा को एक ठेकेदार से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद उसके आवास पर गुरुवार को छापेमारी की गई। अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार ने एसीबी मे शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद ब्यूरो के अधिकारियो ने इंजीनियर को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। अभियंता से पूछताछ के बाद एसीबी टीम ने आरोपी के घर मे तलाशी के बाद 2.44 करोड़ रुपए नकद, 100 ग्राम सोना और जमीन के दस्तावेज जब्त किए।

दिल का दौरा पड़ने से गोवा के डीजीपी प्रणब नंदा का निधन

पणजी। गोवा के पुलिस महानिदेशक प्रणब नंदा का बीती रात नई दिल्ली मे दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस महानिरीक्षक जसपाल सिंह ने नंदा की मौत की पुष्टि की। वह शुक्रवार को गोवा मे आधिकारिक समारोह मे भाग लेने के बाद दिल्ली के दौरे पर थे। उन्होने कहा, हमे उनके परिवार द्वारा उनके निधन की खबर मिली। दिल का दौरा पड़ने के कारण उनका निधन हो गया। यह स्तब्ध करने वाला था। नंदा 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी थे जिन्हे गृह मंत्रालय द्वारा इस साल 25 फरवरी को गोवा स्थानांतरित कर दिया गया था।भाजपा नेता और पूर्व सांसद नरेंद्र सवाइकर ने ट्वीट किया, गोवा पुलिस महानिदेशक श्री प्रणब नंदा (आईपीएस) के निधन की खबर से दुखी हूं।

गिरफ्तार विदेशियों के लिए हिरासत केंद्र बनाएगी ममता बनर्जी सरकार

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के एक मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार विभिन्न आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किए गए विदेशी नागरिकों को रखने के लिए जल्द ही दो हिरासत केंद्र बनाएगी और इन शिविरों का राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के साथ कतई कोई संबंध नहीं होगा।

राज्य कारागार मंत्री उज्ज्वल बिस्वास ने बताया कि ममता बनर्जी नीत राज्य सरकार ने न्यू टाउन इलाके में पहले ही एक भूखंड निर्धारित कर दिया है। बिस्वास ने कहा कि दूसरे हिरासत केंद्र के लिए उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव में जमीन की तलाश की प्रक्रिया चल रही है।

उन्होंने कहा कि किसी जमीन के चिह्नित किए जाने तक बनगांव में मौजूदा सरकारी इमारत को दूसरे शिविर में बदला जा सकता है ताकि विदेशी नागरिकों को अस्थाई रूप से वहां रखा सके। बिस्वास ने कहा, ए हिरासत शिविर उच्चतम न्यायालय के उन निर्देशों के तहत बनाए जा रहे हैं जिनके तहत विचाराधीन एवं दोषी विदेशी नागरिकों को स्थानीय कैदियों के साथ नहीं रखा जा सकता। मंत्री ने कहा, इसका एनआरसी से कोई संबंध नहीं है। कृपया इसे एनआरसी से नहीं जोड़िए। बिस्वास ने कहा, अभी तक अपराधिक गतिविधियों के लिए गिरफ्तार विदेशी नागरिकों को स्थानीय कैदियों के साथ रखा जाता था, लेकिन हमने पाया कि विभिन्न संस्कृतियां एवं भाषा होने के साथ समस्याएं पैदा होती हैं और हालात से निपटना काफी मुश्किल हो जाता है।

सूत्रों ने बताया कि राज्य की विभिन्न जेलों में स्थानीय कैदियों के साथ करीब 110 विदेशी नागरिक बंद हैं। दो हिरासत केंद्रों में करीब 200 कैदियों को रखा जाएगा। भाजपा पश्चिम बंगाल में भी एनआरसी के क्रियान्वयन की मांग कर रही है ताकि देश की आंतरिक सुरक्षा के मद्देनजर बांग्लादेशी मुसलमानों को बाहर निकाला जा सके। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राज्य में इस कदम की धुर विरोधी है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए कार्य योजना बनाई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डब्ल्यूबीपीसीबी) ने शहर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक कार्य योजना बनाई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। शहर के कई वायु निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता सूचकांक नवंबर के पहले सप्ताह में 200 और 350 (पीएम 2.5) के बीच रहा था, जो कि मध्यम और खराब की श्रेणी में आता है। चक्रवात बुलबुल से स्थिति में काफी हद तक सुधार हुआ और अगले कुछ दिनों तक शहर की हवा से प्रदूषक कण दूर रहे। डब्ल्यूबीपीसीबी के एक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि गर्मी और मानसून के दौरान पीएम 2.5 का स्तर निर्धारित मानकों के भीतर रहता है। सर्दियों के महीनों में विभिन्न कारकों की वजह से यह बढ़ जाता है। इसलिए इस स्थिति से निपटने के लिए वायु गुणवत्ता को लेकर कार्य योजना बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि 0 से 100 बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक संतोषजनक और ग्राह्य सीमा के भीतर माना जाता है। डब्ल्यूबीपीसीबी ने अपने बयान में कहा कि हाल के दिनों में सड़क की धूल के कारण वायु प्रदूषण में इजाफा हुआ है। बोर्ड ने कोलकाता नगर निगम को 10 जल छिड़काव वाहनों की खरीदारी के लिए 6 करोड़ रुपए प्रदान किए हैं, ताकि जल छिड़काव से धूल को दबाने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि दस सफाई वाहनों को भी केएमसी खरीदेगा, जो सड़कों से धूल को मशीनीकृत तरीके से साफ करेंगे।

नई दिल्ली में विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में पीजी उन्नीकृष्णन को फोटो पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार देते उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू। साथ में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जाड़ेकर

राजनीतिक दल, कारोबारी समूह अखबार शुरू कर अपने निहित हित को बढ़ावा दे रहे हैं: वेंकैया नायडू

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि राजनीतिक दल और कारोबारी समूह अपना अखबार शुरू कर अपने निहित हितों को बढ़ावा दे रहे हैं और पत्रकारिता के मूल्यों के साथ समझौता कर रहे हैं। राष्ट्रीय प्रेस दिवस और पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजे जाने के लिए भारतीय प्रेस परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को नायडू संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आजकल कारोबारी समूह और राजनीतिक दल अपने अखबार और चैनल भी शुरू कर रहे हैं। इनके जरिए वे अपने निहित हितों को बढ़ावा दे रहे हैं और पत्रकारिता के मूल्यों के साथ समझौता कर रहे हैं। नायडू ने जोर दिया कि अगर राजनीतिक दल अखबार चलाते हैं तो उन्हें स्पष्ट तौर पर इसका उल्लेख करना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से खबरों को सनसनीखेज बनाते समय सावधानी बरतने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि खबरों को सनसनीखेज बनाना आम बात हो गई है, सनसनीखेज समाचार का मतलब है निरर्थक समाचार। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि आज पेड न्यूज की तुलना में फेक न्यूज बड़ा संकट बन गया है। उन्होंने कहा, प्रेस के लिए यह दिन अपनी आजादी के साथ जिम्मेदारी को भी समझने का है। आज पेड न्यूज से ज्यादा फेक न्यूज का संकट है।

मुम्बई में राफेल मुद्दे पर राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता

सरकार का मंत्रालयों को आवंटित बजट का इस्तेमाल तेज करने पर जोर

● समीक्षा कर रहा वित्त मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

निर्मला सीतारमण

आर्थिक सुस्ती और राजस्व प्राप्ति कम रहने की आशंकाओं के बीच वित्त मंत्रालय का कहना है कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित बजट में कमी नहीं होने दी जाएगी और उसने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों से खर्च में तेजी लाने को कहा है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार शाम यहां संवाददाताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत में कहा, हमने इसकी समीक्षा की है। कई योजनाओं में धन का इस्तेमाल नहीं हुआ है। उन्होंने इस मामले में विशेषकर, किसान सम्मान निधि का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हम मंत्रालयों, विभागों से कह रहे हैं कि आवंटित बजट का इस्तेमाल करें। कई मंत्रालय और विभाग हैं जिन्होंने आवंटित बजट का कम इस्तेमाल किया है। कृषि मंत्रालय, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, पंचायती राज, जल शक्ति मंत्रालय सहित कई मंत्रालय हैं जिन्होंने चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पिछले साल के मुकाबले कम खर्च किया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पिछले साल सितंबर के 64 प्रतिशत के मुकाबले इस साल सितंबर तक आवंटित बजट का करीब 40 प्रतिशत ही खर्च किया है। सरकार ने पीएम किसान योजना के लिए चालू वित्त वर्ष में 75,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसके तहत किसानों को पूरे साल के दौरान 6,000 रुपए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार के अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने और सुस्ती दूर करने के उपायों का असर आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। सरकार द्वारा कंपनी कर में कटौती करने के बाद उद्योगों ने नए निवेश को लेकर योजना बनानी शुरू की है। रीयल एस्टेट क्षेत्र की चार कंपनियों ने सरकार से क्षेत्र के लिए घोषित 25 हजार करोड़ रुपए के वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) से उन्हें मदद दिए जाने का अनुरोध किया है।

मंत्रियों से योजनाबद्ध तरीके से दिलवाए जा रहे हैं उल्टे-सीधे बयान: कांग्रेस

नई दिल्ली। रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी के एक बयान को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार के मंत्रियों से योजनाबद्ध तरीके से बयान दिलवाए जा रहे हैं ताकि असल मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा, कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा भानुमती ने कुनबा जोड़ाउ ए कहावत मोदी सरकार, उनके मंत्रियों और उनके विश्लेषणों पर एकदम सटीक बैठती है। उन्होंने कहा, लगता है ए उल्टे-सीधे बयान केवल हकीकत और हालात से ध्यान भटकाने के लिए एक योजनागत तरीके से दिए जाते हैं या दिलवाए जाते हैं। " दरअसल, सुरेश अंगड़ी ने शुक्रवार को देश की अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए कहा, एयरपोर्ट और ट्रेन फुल हैं। लोग शादी कर रहे हैं। ए बातें देश की अर्थव्यवस्था के सही दिशा में होने का इशारा दे रही हैं।

मध्यप्रदेश में हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज

एजेंसी। ग्वालियर

मध्यप्रदेश पुलिस ने महात्मा गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए पर्चा बांटने तथा महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की तारीफ करने के आरोप में शनिवार को हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया। इससे पहले शुक्रवार को महासभा ने गोडसे की पुण्यतिथि मनाते हुए मांग की थी कि महात्मा गांधी की हत्या के मुकदमे के दौरान अदालत में दिए गए गोडसे के बयानों को मध्य प्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।

कोतवाली थाना प्रभारी विवेक अस्थाना ने बताया कि महासभा के कार्यकर्ताओं द्वारा गोडसे की बरसी मनाने से एक दिन पहले गुरुवार को शहर के दौलतगंज इलाके में आपत्तिजनक पर्चे बांटे गए। उन्होंने कहा कि रविन्द्र सिंह चौहान की शिकायत पर नरेश बाथम और महासभा के अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ भादंवि की धारा 153-ए (धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों या वर्गों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अस्थाना ने कहा कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बांटे गए पर्चे में महात्मा गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिससे गांधीवादी विचारधारा के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। ग्वालियर जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) राजा बाबू सिंह ने बताया कि जांच चल रही है। गोडसे की पुण्यतिथि मनाने के लिए शुक्रवार को महासभा के कार्यक्रम के वीडियो फुटेज की पुलिस जांच कर रही है। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा कि महासभा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस केस दर्ज होने के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

सत्ता से दूर भाजपा को दलबदलू विधायकों के पलटने का डर: मलिक

एजेंसी। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा इस बात से घबराई हुई है कि 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनावों से पहले जिन राजनेताओं ने उसका दामन थामा था वे अब उसका साथ छोड़ सकते हैं इसलिए उनके नेता दावा कर रहे हैं कि वे राज्य में अगली सरकार बनाने जा रहे हैं।

राकांपा के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल के उस बयान के एक दिन बाद दी जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही सरकार बनाएगी और उसके साथ निर्दलीय समेत 119 विधायकों का समर्थन हैं। मलिक ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस पर निशाना साधा। फड़णवीस ने अपनी हालिया टिप्पणी में कहा था कि गैर भाजपा सरकार छह महीने से ज्यादा नहीं चलेगी। मलिक ने इस पर कहा कि वह (फड़णवीस) एक हारी हुई सेना के सेनापति की तरह बोल रहे है जो अपने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसा कह रहा है। मलिक ने कहा, पूर्व मुख्य मंत्री एक हारे हुए सेनापति की तरह अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हम मानते हैं कि वे हार चुके हैं और उन्हें यह स्वीकार करना होगा। वो हार स्वीकार करने को राजी नहीं हैं, लेकिन समय लगता है। पाटिल की टिप्पणी पर मलिक ने पूछा कि महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष द्वारा जैसा दावा किया जा रहा है कि उनके पास आंकड़े हैं तो भाजपा ने पूर्व में ही सरकार बनाने का दावा क्यों पेश नहीं किया। मलिक ने कहा, कोई भी सरकार (महाराष्ट्र में) नहीं बना सकता जब तक 145 विधायकों का समर्थन न हो। उनके (भाजपा के) पास अपने विधायक नहीं है, उसने दूसरे दलों के नेताओं को अपने पाले में खींचा। वह 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और राकांपा के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के संदर्भ में यह बात कह रहे थे। मलिक ने कहा, उन्हें (भाजपा को) अब यह घबराहट है कि ये विधायक (दूसरे दलों से भाजपा में आए) पाला बदल सकते हैं। इसलिए, वे (भाजपा नेता) अपने कुनबे को एकजुट रखने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। महाराष्ट्र में मौजूदा राजनीतिक गतिरोध के बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नितिन गडकरी ने शुक्रवार को इस पूरे परिदृश्य को क्रिकेट से जोड़ते हुए कहा कि इन दोनों क्षेत्रों (क्रिकेट और राजनीति) में कुछ भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि जो मैच हारता हुआ दिखाई देता है वास्तव में वह जीत भी सकता है।

आज से कश्मीर में रेल सेवा हो सकती है बहाल

एजेंसी। श्रीनगर

कश्मीर घाटी में रेलवे की पूर्ण सेवाओं को पुनः शुरू करने से पहले शनिवार को श्रीनगर-बनिहाल रेल मार्ग पर सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। कश्मीर में रेल सुविधाएं सुरक्षा कारणों से तीन महीने से अधिक समय से निलंबित थी। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि रेल खंड पर व्यापक सुरक्षा जांच के बाद यह परीक्षण किए गए।उन्होंने कहा, श्रीनगर-बनिहाल मार्ग पर रेल सेवाएं रविवार को फिर से शुरू होंगी। सुरक्षा कारणों से निलंबित किए जाने के बाद इसे पहली बार जनता के लिए पूरी तरह बहाल किया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले की पांच अगस्त को घोषणा से पहले घाटी में रेल सेवाओं को तीन अगस्त से निलंबित कर दिया गया था। इस बीच कश्मीर में स्थिति सामान्य हो रही है और शनिवार से माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गईं।एक अधिकारी ने बताया कि कक्षा पांच से नौ तक की वार्षिक परीक्षा शनिवार से शुरू हुईं।परीक्षाएं सोमवार से शुरू होने वाली थीं लेकिन घाटी में भारी बर्फबारी के कारण पहले दो पेपर स्थगित कर दिए गए थे। घाटी के बाजार में दुकानदार सुबह जल्दी दुकान खोलते हैं और दोपहर में दुकान बंद कर सरकार के फैसले के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में शामिल हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि प्री-पेड मोबाइल फोन और सभी इंटरनेट सेवाएं अब भी निलंबित हैं।केंद्र सरकार के 5 अगस्त के फैसले के मद्देनजर तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला समेत कई नेता अब भी हिरासत में हैं।

भाजपा-शिवसेना गठबंधन टूटने से मुंबई मेयर के 22 नवंबर को होने वाले चुनाव पर पड़ सकता है असर

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठबंधन में टूट का असर 22 नवंबर को मुंबई मेयर के लिए होने वाले चुनाव पर भी पड़ सकता है।

बृहन्मुंबई नगर निगम के 2017 में हुए चुनावों में 227 सदस्ईय नगर निगम में शिवसेना के 84 पार्षद जीते थे, वहीं सहयोगी भाजपा के 82 पार्षदों ने जीत हासिल की थी। तब भाजपा ने शिवसेना को समर्थन दिया था और विश्वनाथ महादेश्वर को मेयर चुना गया। महादेश्वर का ढाई साल का कार्यकाल इस साल सितंबर में समाप्त हो गया लेकिन 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल नवंबर तक बढ़ा दिया गया। विधानसभा चुनाव के 24 अक्टूबर को आए परिणामों के बाद दोनों दलों के बीच दरार आ गई जहां शिवसेना मुख्यमंत्री पद को लेकर समान साझेदारी की मांग पर अड़ी हुई थी। शिवसेना के इस समय 94 पार्षद हैं जिनमें छह पार्षद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना से आए थे। भाजपा के 83, कांग्रेस के 28, राकांपा के आठ, समाजवादी पार्टी के छह, एमआईएम के दो तथा मनसे का एक पार्षद है। मेयर पद के चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवार उतारने की संभावनाओं के सवाल पर पार्टी की मुंबई इकाई के अध्यक्ष मंगल प्रभात लोढा ने कहा कि उसने अभी तक इस पर निर्णय नहीं किया है। सपा के रईस शेख ने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ बातचीत कर रही है और जल्द फैसला लिया जाएगा। आरटीआई अर्जियों के माध्यम से देश के सबसे धनवान नगर निगम में अनेक घोटाले उजागर करने वाले कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि इस समय भाजपा का रुख अहम होगा जहां राज्यस्तर पर कांग्रेस-राकांपा की शिवसेना के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, सबसे संभावित परिदृश्य में कांग्रेस और राकांपा विभिन्न समितियों में पद मांग सकते हैं, वहीं अगर भाजपा उम्मीदवार खड़ा करने का मन बनाती है तो उसे नेता प्रतिपक्ष का पद मिल सकता है। राज्य शहरी विकास विभाग ने एक लॉटरी में तय किया है कि अगला मेयर सामान्य श्रेणी से होगा।

सात अवैध छोटी बंदूकों के कारखाने का भंडाफोड़ चार गिरफ्तार

मुंगेर। बिहार के मुंगेर जिले में पुलिस ने छापेमारी के दौरान सात अवैध छोटी बंदूकों के कारखानों का भंडाफोड़ कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक गौरव मंगला ने बताया कि एक सूचना पर कार्वाई करते हुए शुक्रवार शाम को पुलिस दल ने मुफस्सिल पुलिस थाने के अंतर्गत जिले के हेरुदियारा इलाके में छापा मार कर बंदूकों के सात अवैध छोटे कारखानों का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने हथियार बनाने के विभिन्न उपकरणों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कारखानों से हथियार बनाने की सात बेस मशीनें, एक पिस्तौल, दो अर्धनिर्मित पिस्तौलें, 7.65 मिमी के दो कारतूस, पांच अर्ध निर्मित मैग्जीन और कई उपकरण बरामद किए।

नई दिल्ली के संसद भवन में शनिवार को सर्वदलीय बैठक के लिए जाते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्री प्रहलाद जोशी, मंत्री अर्जुन राममेघवाल, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी व अन्य नेतागण

फुलझड़ियाँ

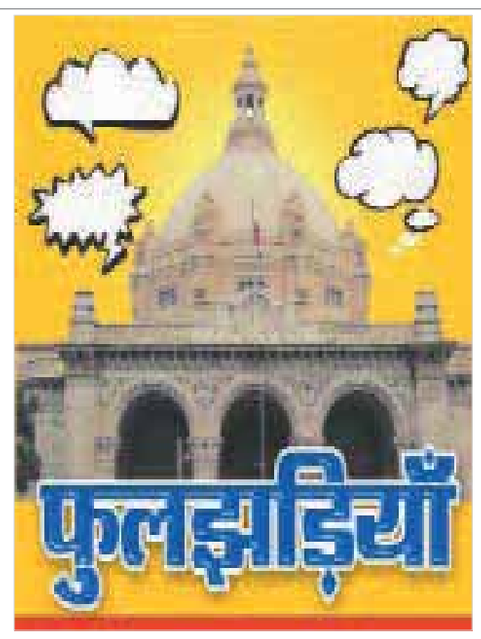

गुड़ खाय, गुलगुले से परहेज

भगवा सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले शिक्षाविद मंत्री पर उपरोक्त शीर्षक चरितार्थ होता दिखाई दे रहा है। गुरुजी एक तरफ चाहते हैं कि उनके और उनके विभाग के बारे में लंबी चौड़ी महिमा मंडन करने वाली खबरें छपें और दूसरी तरफ यह भी चाहते हैं कि उनके द्वारा ली गई बैठकों में कोई खबरनवीस भी न पहुँचे। तारीफ की बात यह है कि साहब की बैठकों और प्रतिभाग करने की जानकारी एक दिन पूर्व ही उनके सूचनाधिकारी द्वारा दे दी जाती है। सूचना व्यापक कवरेज के संदर्भ में शामिल होने के निहित होती है पर हकीकत यह है कि गलती से आप बैठक में पहुँच गये तो साहब असहज भी जाते हैं। अब साहब की यह असहजता जो भी मायने रखती है पर उनके मातहतों को उनकी असहजता समझते देर नहीं लगती है। जिसका असर यह रहता है कि आपको साहब के मातहत मान मनौव्वल कर जल्द चुकता कर देते हैं। अब साहब के इस भाव के मायने नहीं समझ आते हैं। आखिर जब यही करना है तो फिर व्यापक कवरेज की सूचना भेजने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। आप सीधे तौर पर जानकारी दे दें। जिसको जोलिखना होगा वह लिखेगा।

ये तेरी सादगी...

वैसे सीएम अगर विधायिका का मुखिया होता है तो मुख्यसचिव कार्यपालिका का। सरकार के निर्णय को नियमानुसार क्रियान्वित कराना मुख्यसचिव की जिम्मदारी होती है। कुल मिलाकर सरकार का दूसरा रूप मुख्य सचिव को माना जाता है। इतने बड़े पद पर आसीन व्यक्ति अगर किसी मंगलिक आयोजन में लाइन में खड़ा हो तो उसकी चर्चा होना स्वभाविक है। बेहद सरल और सौभ्य स्वभाव के राज्य के मुख्य सचिव ने पिछले दिनों अपने ही माहतहत अफसर के यहां कुछ ऐसी ही मिसाल पेश की। वह लाइन में लगे और मंच पर गये तथा ठीक उसी तरह वर-वधू को अपना आर्शीवाद दिया जिस तरह अन्य लोग दे रहे थे। मुख्य सचिव की यह मिसाल शादी में आए मेहमानों के बीच खासी चर्चा का विषय बनी रही। दरअसल पिछले दिनों एक अधिकारी की बेटी का समारोह था। जिसमें हजारों की संख्या में देश भर से लोग आए थे। लोगों की बड़ी संख्या के चलते मंच पर जाने के लिये वीआईपी मेहमानों की लाइन लगी थी। भीड़भाड़ की इस आपाधापी के बीच मुख्यसचिव भी अपनी पत्नी के साथ आ पहुंचे। वह बेहद सरलता दिखाते हुये लाइन में लगकर मंच पर पहुंचे और वर-वधू को अपना आर्शीवाद दिया।

हटा रास्ते का कांटा

उप्र की नौकरशाही में इस समय पीएफ घोटाले की ही चर्चा है। खासतौर पर घोटाले की आंच दिल्ली में तैनात यूपी काडर के एक अधिकारी तक क्या पहुंची की अधिकारियों में काना-फूंसी शुरु हो गई। एक साहब जिनके पास इस समय प्रदेश के सबसे बड़े प्रशासनिक मुखिया के पद की जिम्मेदारी है उन्होंने राहत की सांस ली है कि चलो रास्ते का कांटा साफ हुआ। वह इसलिए क्यों कि दिल्ली वाले साहब सूबे के प्रशासनिक मुखिया के पद पर कब्जा करने के लिए दिल्ली से बहुत जोर लगा रहे थे और यहां पर काम-काज देख रहे साहब बेचैन हो रहे थे कि न जाने कब हटना पड़ जाए। मगर अब थोड़ी राहत हुई है। चीफ साहब के अतिरिक्त और कई अधिकारी भी मन ही मन मुस्कुरा रहे हैं कि बहुत तेज चलते थे न अब धीमे चलना पड़ेगा।

ताली की मिठास

भगवा दरबार के बड़े महाराज को रिझाने के लिए हाल ही में एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम था मिठास वाले विभाग का लेकिन बड़ी संख्या में खेती से जुड़े लोगों को भी एकत्र किया गया था। मिठास वाले विभाग के मुखिया भी वहां मौजूद थे। उनका पूरा ध्यान इसी बात पर था कि कैसे बड़े महाराज के मन में मिठास घोली जाए। बड़े महाराज जब बोलने के लिए खड़े हुए तो मिठास वाले विभाग के मुखिया बच्चों की तरह ताली बजाने लगे। किसानी से जुड़े लोग कुछ समझ नहीं पा रहे थे कि मिठास वाले मुखिया द्वारा ताली क्यों पीटी जा रही है। तभी उन लोगों से भी इशारा किया गया कि वह भी ताली बजाएं। इस पर उन लोगों ने भी ताली बजानी शुरू कर दी। तब बड़े महाराज थोड़ा मुस्कराए। फिर क्या था। जैसे-जैसे बड़े महाराज का वक्तव्य आगे बढ़ता जा रहा था तालियों की आवाज बढ़ती जा रही थी। थोड़ी ही देर मे स्थिति ये बनी कि मिठास वाले मुखिया के हर इशारे पर किसानी से जुड़े लोग भी ताली बजाने लगे थे। बड़े महाराज के कुछ विशेष बात कहने पर जब किसानी से जुड़े लोग न समझकर शांत रहते तब भी मिठास वाले मुखिया ताली बजाने का इशारा करते और वैसे ताली बजनी शुरू हो जाती। बड़े महाराज का वक्तव्य जब समाप्त हुआ तब जाकर मुखिया ने राहत की सांस ली।

लेटर से उड़ी नींद

डिप्टी सीएम के लेटर ने एलडीए में हड़कंप मचा रखा है। बड़े साहब भी परेशान हैं, यह देखकर नीचे के अफसरों को सांप सा सूंघ गया है। बेचारे बड़े साहब के निर्देश पर इंजीनिरिंग के मुखिया आनन फानन में कुछ फर्मों को ब्लैक लिस्ट में डालकर अपनी गर्दन बचाने में जुटे हुए हैं। आलम यह है कि साहब ने अभी हुंकार भी नहीं भरी, केवल नजरें टेढ़ी करते ही एक दर्जन एजेंसियों पर प्रतिबंध लगा डाला। फिर क्या था, लोग भी चुटकी लेने से नहीं चूके। आधा दर्जन और फर्में भी लपेटे में आएंगी। बेचारे! इंजीनियरिंग के मुखिया किसी तरह अपने को जाल में फंसने से बचाने में लगे हुए हैं हालांकि यह केवल एक ही अधिकारी की हालत नहीं है बल्कि कई साहब अपनी गर्दन बचाने के लिए छटपटा रहे हैं। यही मसला उन इंजीनियरों का है, जो एलडीए में काफी चर्चित हैं। जिनकी चर्चा सत्ता के गलियारों में भी रहती है वे अपने को लुटा हुआ मान रहे हैं। अब ये बेचारे मरता क्या न करता वाली स्थित में है। एलडीए में अफसर काम कम अपने को बचाने की जुगत में लगे हुए हैं। हालांकि कुछ लोग प्रतिबंधित फर्मों को भी साहब को खुश करने का जरिए ही मान रहे हैं।

दगे कारतूस

देश की सबसे पुरानी पार्टी के उम्रदराज नेताओं ने पिछले दिनों 'खोदा पहाड़-निकली चुहिया' वाली कहावत को चरितार्थ किया। पार्टी संगठन में कोई तवज्जो न मिलने से नाराज चल रहे इन नेताओं ने पहले तो काफी माहौल तैयार किया जिससे ऐसा लगा कि अब वह बगावत का रास्ता इख्तियार करने वाले हैं और यह बगावत कोई विस्फोटक रूप धारण कर सकती है। एक पूर्व सांसद के घर इसको लेकर प्रस्तावित बैठक की खबर से पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के माथे पर भी चिंता की लकीरें खिंच गयीं। सबको इस बैठक का बेसब्री से इंतजार था। आखिरकार बैठक का दिन भी आ गया। गुजरे जमाने की दास्तान हो चुके कई पूर्व विधायक, पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री बैठक में जुटे। इनकी संख्या को देखकर लगा इस बार सब कुछ न कुछ कर गुजरेंगे लेकिन जब बैठक के बारे में अधिकृत बयान जारी हुआ तो सब ठांय-ठांय फिस्स। वही शीर्ष नेतृत्व के परिवार का यशोगान, भगवा दल के निर्णयों की निंदा और पार्टी अध्यक्ष से समय लेकर उनके समक्ष अपनी बातें रखने का बैठक में निर्णय लिया गया। इन बुजुर्ग नेताओं के बारे में अब पार्टी के लोग ही कहने लगे हैं कि....सारे के सारे दगे कारतूस हैं।

छोटे उद्यमियों के लिए ओडीओपी खोलेगा विश्व बाजार: सिद्धार्थ

ग्रेटर नोएडा में लघु उद्योग के लिए 300 एकड़ जमीन देने पर सरकार कर रही विचार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य की पवैलियन का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के छोटे छोटे उद्यमियों की आमदनी बढ़ाने और उनके उत्पादों को विश्व बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है और ओडीओपी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

उन्होंने बताया कि वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के माध्यम से सरकार छोटे उद्यमियों को डिज़ाइन, पैकजिंग, मार्केटिंग, लोन उपलब्ध कराने की दिशा में मदद कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार दिल्ली में राज्य के हस्तशिल्पियों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने पर भी विचार कर रही है। दो सप्ताह तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में राज्य के पारम्परिक उद्यमियों के उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगा जिससे उनके उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग हो सकेगी। प्रदेश सरकार का प्रयास यही है कि राज्य के उत्पादों के लिए विश्व बाजार खोल दिया जाए। उन्होंने बताया कि इसके लिए राज्य सरकार ऑनलाइन कंपनियों से भी बात कर रही है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार सभी वर्गों के लोगों की सहायता कर रही है। इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है और इस मेले में लगाए गए स्टालों को देखकर पता चलता है कि प्रदेश के लोग कितने हुनरमंद हैं। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि प्रदेश निवेश के मामले में भी काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। लघु उद्योगों के लिए ग्रेटर नॉएडा में 300 एकड़ की जमीन देने के एक प्रपोजल पर विचार किया जा रहा है। इसमें लगभग 1500 करोड़ रूपये का निवेश होगा और साठ हज़ार लोगों को नौकरियां मिलेंगी। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बताया कि प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस के मामले में तेज़ी से काम कर रही है। प्रदेश में निवेश के लिए माकूल वातावरण तैयार करने के साथ ही राज्य सरकार ने निवेश के लिए निवेश मित्र पोर्टल लांच की है। इस पोर्टल के जरिए निवेशक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं और एक निश्चित अवधि के अंदर ही अधिकारियों को उनके निवेश को लेकर निर्णय लेना होगा।

भाजपा का कांग्रेस व राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन

● राफेल सौदे पर दिए गए बयानो पर जताया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी ने कांग्रेस द्वारा राफेल मामले पर गलत आरोप लगाए जाने के विरोध में हर जिले में प्रदर्शन किया और कांग्रेस अध्यक्ष से सार्वजनिक माफी मांगने को कहा है। बीजेपी कार्यालय से गांधी प्रतिमा तक विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी लखनऊ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष और विधायक सुरेश तिवारी की अगुवाई में कार्यकर्ता कांग्रेस का पर्दाफाश, राफेल सौदे में नही भ्रष्टाचार, राहुल गांधी जनता से माफी मांगे जैसे नारे लगा रहे थे। गांधी प्रतिमा पर पहुंचकर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन एसीएम प्रथम को सौंपा।

ज्ञापन में बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी द्वारा राफेल खरीद पर फैलाए गए झूठ और मनगढंत तथा मर्यादाहीन बयानों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता उनके बयानों की निन्दा एवं विरोध प्रदर्शन करते हुए सार्वजनिक माफी की मांग करते हैं जबकि राफेल मामले पर पुनर्विचार संबंधी दायर याचिकाओं को खारिज करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में इस मामले पर जांच की मांग को बेवजह तथा गैर जरूरी बताते हुए देशहित के मामलों में दिए गए बयानों के विषय में चेताया भी है। अब जब सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद राफेल पर एक बार फिर पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी व शुद्धितापूर्ण सिद्ध हुई है तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी को देश को गुमराह करने तथा मर्यादाहीन राजनीति करने के लिए सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी ने इसी प्रकार हर जिले में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।

यूपीपीसीएल का पीएफ घोटाला मामला

पूर्व एमडी समेत निदेशक वित्त व सचिव ट्रस्ट पर साजिश व भ्रष्टाचार की धारा की बढ़ोत्तरी

लखनऊ(वि.सं)। यूपीपीसीएल पीएफ घोटाला मामले में निरुद्ध पूर्व एमडी एपी मिश्रा, निदेशक वित्त सुधान्शु द्विवेदी व पावर इम्पलॉइज ट्रस्ट के पूर्व सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता के खिलाफ शनिवार को ईओडब्ल्यू ने आईपीसी की धारा 120 (बी) व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (2) में भी न्यायिक रिमांड हासिल किया। इससे पहले इन तीनों मुल्जिमों को आईपीसी की धारा 409, 420, 467, 468 व 471 में न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष अदालत में ईओडब्ल्यू का कहना था कि इस मामले की विवेचना के दौरान इन तीनों मुल्जिमों के खिलाफ साजिश व भ्रष्टाचार की इन धाराओं के तहत किया गया अपराध भी प्रकाश में आया है। लिहाजा इन्हें इन धाराओं में भी न्यायिक हिरासत में लिया जाए। विशेष जज संदीप गुप्ता ने ईओडब्ल्यू की इस कथन वाली अर्जी को मंजूर करते हुए तीनों मुल्जिमों को 29 नवंबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस दौरान यह तीनों मुल्जिम जेल से अदालत में हाजिर थे। शनिवार को ईओडब्ल्यू के इंसपेक्टर व इस मामले के विवेचक दिनेश कुमार की ओर से इस संदर्भ में एक अर्जी सीबीसीआईडी की विशेष अदालत में दाखिल की गई। इस अर्जी के जरिए इन तीनों मुल्जिमों पर आईपीसी की धारा 120 (बी) व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (2) की बढ़ोत्तरी की मांग की गई थी। सीबीसीआईडी की विशेष अदालत द्वारा ईओडब्ल्यू की इस अर्जी को सुनवाई के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष अदालत को संदर्भित कर दिया गया। इसके साथ ही जेल से रिमांड पेशी पर आए तीनों मुल्जिमों को भी इस अदालत में पेश किया गया। बीते तीन नवंबर को मुल्जिम प्रवीण कुमार गुप्ता व सुधान्शु द्विवेदी जबकि छह नवंबर को मुल्जिम एपी मिश्रा को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। साथ ही ईओडब्ल्यू ने इन तीनों मुल्जिमों का तीन-तीन दिन के लिए पुलिस कस्टडी रिमांड भी हासिल किया था। यूपीपीसीएल के इस पीएफ घोटाला मामले की एफआईआर वर्तमान सचिव ट्रस्ट आईएम कौशल ने थाना हजरतगंज में दर्ज कराई थी।

प्रदूषण फैला रहे वाहनों से वसूला 3.96 लाख रुपए का जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जहरीला धुंआ उगलकर शहर की आबो-हवा खराब करने वाले वाहनों के खिलाफ आरटीओ के प्रवर्तन दस्तों ने शनिवार को विशेष अभियान चलाया। एआरटीओ प्रवर्तन संजीव गुप्ता ने बताया कि डीएम के निर्देश पर शहर में प्रदूषण फैला रहे वाहनों के खिलाफ धरपकड़ अभियान चलाया गया।

इस दौरान मानक से ज्यादा जहरीला धुंआ उगल रहे 702 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनका चालान किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान डीजल टैम्पो की भी धरपकड़ की गई। लिहाजा कई डीजल टैम्पो सहित करीब 78 वाहनों को सीज कर उन्हें राजधानी के विभिन्न थानों में बंद कराया गया है। एआरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि प्रदूषण फैला रहे इन वाहनों के खिलाफ धरपकड़ अभियान मटियारी, शहीद पथ, पीजीआई, सीतापुर रोड, मड़ियांव सहित कई अन्य इलाकों में चलाया गया। अभियान के दौरान टीम ने तीन लाख 96 हजार रुपए की धनराशि बतौर जुर्माना वसूल की। धरपकड़ अभियान में कई ऐसे सार्वजनिक वाहनों का भी चालान किया गया, जिनका पंजीकरण तो राजधानी से सटे दूसरे जिलों में है, लेकिन उनका संचालन राजधानी की सड़कों पर किया जा रहा है। ऐसे में डीजल से चलने वाले इन वाहनों के चलते शहर में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा खतरनाक मानक पर पहुंच रहा है।

जनजातियों के हर संघर्ष में साथ रहेगी सपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनजातियों के हितों के संरक्षण के लिए उनके हर संघर्ष में साथ रहेगी। श्री यादव ने कहा कि जनजातियों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। केन्द्र और राज्य में सत्तारूढ़ सरकारों को उनके हित में जो कदम उठाने चाहिए नहीं उठाये जा रहे है। वन अधिनियम का सहारा लेकर नौकरशाही जनजातियों का बहुत उत्पीड़न करती है। अखिलेश यादव ने यह बात शनिवार को पार्टी मुख्यालय में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियों तथा प्रमुख नेताओं ने मुलाकात के दौरान कही। इस अवसर पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियों ने समाजवादी पार्टी के साथ पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि भाजपा-कांग्रेस के राजनीतिक विकल्प के रूप में समाजवादी पार्टी उभरेगी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हीरासिंह मरकाम के पुत्र तुलेश्वर सिंह मरकाम और भतीजे श्यामसिंह मरकाम सहित प्रदेश अध्यक्ष रामनाथ गोंड, प्रदेश महासचिव महेन्द्र कुमार ध्रुवे और मदन गोंड दिल्ली, रामनाथ गोंड, लोकबहादुर गोंड, घनश्याम गोंड, मुकेश गोंड तथा डॉ. बलराम गोंड ने अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस अवसर पर एमएलसी डॉ. राजपाल कश्यप भी उपस्थित थे। गोंड प्रतिनिधियों का कहना था कि जनजातियों को वन अधिनियम के कारण तमाम तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उनका कई स्तरों पर उत्पीड़न होता है। अखिलेश यादव ने कहा कि हक और सम्मान की सामाजिक न्याय की विचारधारा के लिए समाजवादी पार्टी प्रतिबद्ध है। हम जनसंख्या के आधार पर जनगणना की मांग इसीलिए उठाते हैं ताकि सही संख्या के अनुपात में लोगों को लाभ मिल सकें।

गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटाने के विरोध में मार्च निकाल कर प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व पुलिस मे नोंकझोंक, लाठीचार्ज

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की एसपीजी सुरक्षा हटाए जाने के विरोध में शनिवार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मार्च निकालकर प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंका। विधानभवन की ओर से जाने का प्रयास कर रहे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा और कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को युवा कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारी व कार्यकर्ता काफी संख्या में सात-माल एवेन्यू स्थित प्रदेश युवा कांग्रेस मुख्यालय पर एकत्र हुए। दोपहर डेढ़ बजे के करीब प्रदेश अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह 'दीपांकर जी', भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश के प्रभारी मनीष चौधरी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के विरोध में मार्च निकाला। इस विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन ने पूरी तैयारी कर रखी थी। लाल बहादुर शास्त्री मार्ग पर पुलिस ने बैरीकेटिंग लगाकर कार्यकर्ताओं को रोक दिया। कार्यकर्ताओं ने बैरीकेटिंग तोड़कर विधानभवन की ओर कूच करना चाहा।

डीजीपी ओपी सिंह ट्रांसफॉरमेशन लीडरशिप अवार्ड-2019 से सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन एवं ग्लोबल लखनऊ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में डीजीपी ओपी सिंह को ट्रांसफॉरमेशन लीडरशिप अवार्ड-2019 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डीजीपी ने नेतृत्व विकास पर अपने विचार साझा किए। शनिवार को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन एवं ग्लोबल लखनऊ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'प्रमोटिंग हैपिनेस थ्रो पब्लिक पॉलिसी' का आयोजन किया गया। मुख्य अतथि भूटान सरकार के मंत्री टीएस पॉवडेल के द्वारा डीजीपी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

पट्टे की अवधि समाप्त, जारी निर्माण हुआ सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऐशबाग क्षेत्र में एलडीए द्वारा पट्टा खत्म होने के बावजूद खुदाई करने पर सीलिंग की कार्रवाई की। विहित प्राधिकारी के आदेश पर पट्टे की शर्तो के विपरीत निर्माण कार्य करने पर कार्रवाई का आदेश दिया। जबकि एलडीए द्वारा पूर्व में किसी प्रकार का निर्माण न करने की चेतावनी भी दी थी, लेकिन पट्टा धारकों ने शर्तों का उलंघन कर टैंक तक खोद डाला था।

शनिवार को इंडस्ट्रियल योजना ऐशबाग में भूखंड संख्या 10 बी में बिना अनुमति के खुदाई करने पर एलडीए ने कड़ी कार्रवाई करते ही सील कर दिया। एलडीए ने ऐशबाग में दिए पट्टे की शर्तों का उलंघन करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की। विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास ने भूखंड पर कामर्शियल उपयोग दुसरे के द्वारा करने पर आपत्ति जताई थी। विहित प्राधिकारी ने 11 नवंबर को लेटर भेजकर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण भी मांगा था। यही नहीं एलडीए के लेटर भेजने के बाद भी पट्टा धारक ने कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद एलडीए के प्रवर्तन विभाग ने शनिवार को पट्ट के परिसर पर कार्रवाई की की।

आलम यह है कि पट्टे की 15 हजार वर्ग फिट जमीन पर दूसरे व्यक्ति राकेश यादव द्वारा मौरंग बालू का भंडारण कर व्यापार करते पाया गया, जिस पर एलडीए नें कड़ी आपत्ति जतायी थी। यही नहीं जमीन पर पट्ट की शर्तो के विपरीत टैंक की खुदाई और निर्माण भी कराया गया। इन सभी अवैध निर्माण को देखते हुए एलडीए ने विभाग की क्षति मानी, जिसके बाद कार्रवाई की गयी। वहीं, अधिकारी ने बताया कि पट्टे की अवधि समाप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य चल रहा था, जो गलत था।

बिजली कर्मचारियों का 48 घंटे का कार्य बहिष्कार कल से

पीएफ घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति 18 व 19 नवम्बर को 48 घण्टे के कार्य बहिष्कार के अपने फैसले पर अडिग है। संघर्ष समिति ने सभी ऊर्जा निगमों के तमाम बिजली कर्मचारियों एवं अभियन्ताओं से पूरी तरह एकजुट होकर 48 घंटे के कार्य बहिष्कार को सफल बनाने का अवाहन किया है। संघर्ष समिति की मांग है कि प्राविडेन्ट फंड के भुगतान की जिम्मेदारी उप्र सरकार ले और इस आशय का गजट नोटिफिकेशन जारी करे। संघर्ष समिति ने प्राविडेन्ट फंड घोटाले में चल रही जांच पर असंतोष व्यक्त करते हुए घोटाले के मुख्य आरोपी पूर्व चेयरमैन एवं अन्य जिम्मेदार आईएएस अधिकारियों पर एफआईआर कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। संघर्ष समिति ने संविदा कर्मचारियों के ईपीएफ की धनराशि ठेकेदारों द्वारा जमा न किए जाने पर रोष व्यक्त करते हुए मांग की है कि जिम्मेदार ठेकेदारों पर कड़ी कार्यवाही की जाये एवं संविदा कर्मियों की ईपीएफ धनराशि खाते में जमा की जाए। 18 एवं 19 नवम्बर को कार्य बहिष्कार अभियान के लखनऊ सहित प्रदेश के समस्त जनपदों एवं परियोजना मुख्यालयों पर विरोध सभाओं का दौर आज बारहवें दिन भी जारी रहा। अनपरा, ओबरा, पारीक्षा, हरदुआगंज, पनकी, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, प्रयागराज में बिजली कर्मचारियों एवं अभियन्ताओं ने बड़ी सभायें करके रोष व्यक्त किया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय पर कर्मचारियों एवं अभियन्ताओं ने बिजली कर्मचारियों से अवाहन किया है कि 17 नवम्बर को अवकाश के दिन भी विरोध सभाओं का क्रम जारी रखा जाए और 18 एवं 19 नवम्बर को शान्तिपूर्ण कार्य बहिष्कार कर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करे। संघर्ष समिति की बैठक में शैलेन्द्र दुबे, राजीव सिंह, सुहैल आबिद, राजपाल सिंह, शशिकान्त श्रीवास्तव, पवन कुमार श्रीवास्तव, एके श्रीवास्तव, अमिताभ सिन्हा ने संबोधित किया।

एक देश, एक चुनाव पर दलों के बीच सर्वसम्मति की जरूरत : सीईसी

एजेंसी। अहमदाबाद

मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने शनिवार को यहां कहा कि एक साथ लोकसभा-विधानसभा के चुनाव या एक देश, एक चुनाव बहुत जल्द नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि यह तब तक नहीं हो सकता, जब तक कि राजनीतिक दल साथ बैठ कर सर्वसम्मति पर नहीं पहुंच जाते हैं और कानून में जरूरी संशोधन नहीं लाया जाता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग इस मामले में बहुत कुछ नहीं कर सकता है, लेकिन वह ऐसी व्यवस्था को तरजीह देगा। अरोड़ा ने कहा, ...मैं महज इतना कह रहा हूं कि हमलोग सैद्धांतिक रूप से इस पर सहमत हैं, आदि। उन्होंने कहा कि हालांकि यह राजनीतिक दलों पर निर्भर करता है कि वे (इस विषय पर) एकसाथ बैठें और किसी आमराय पर पहुंचे, कानून में संशोधन करें ताकि चुनाव एकसाथ कराए जा सकें। यहां निरमा विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में अरोड़ा ने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता है तब तक सेमिनारों में बात करने के लिए यह एक अच्छा विषय है। लेकिन यह बहुत जल्द भी नहीं होने वाला है।

उन्होंने कहा कि एकसाथ चुनाव 1967 तक देश में हो रहे थे, उसके बाद कुछ राज्यों में विधानसभाओं के भंग होने और अन्य कारणों के चलते इस इस व्यवस्था में असंतुलन पैदा हुआ। सीईसी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है, इसके बावजूद भी कुछ लोग इसके उलट दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं आप सभी से जिम्मेदारीपूर्वक कहना चाहूंगा कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है। इसमें खराबी आ सकती है जैसा कि आपकी कार या दोपहिया

वाहनों में होता है लेकिन इनसे छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

अरोड़ा ने कहा कि प्रख्यात वैज्ञानिकों ने चुनाव आयोग के लिए ईवीएम और वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर काम किया है और इतना सारा काम करने के बाद वीवीपैट तथा ईवीएम को लेकर संदेह जताने पर उन्हें काफी नाखुशी तथा मायूसी होती है। उन्होंने कहा, जब हम इस संबंध में ईवीएम (से छेड़छाड़ इत्यादि) को लेकर बातचीत करते हैं तो हमलोग थोड़े अतार्किक हो जाते हैं। ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हो सकने पर सीईसी ने अपना पक्ष रखने के लिए वर्ष 2014 के बाद से हुए कई चुनावों का उदाहरण दिया। विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए अरोड़ा ने कहा कि जब मतदान की बारी आती है तो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग समाज के समृद्ध वर्ग की तुलना में अधिक सक्रियता दिखाते हैं। उन्होंने कहा, मतदाता जागरूकता के लिए ऐसे लोगों (समृद्ध लोगों) को नुक्कड़ नाटक नहीं दिखाया जा सकता है। उनके लिए जागरूकता निश्चित रूप से उनके भीतर से आनी चाहिए।

उन्होंने पूर्व चुनाव आयुक्त टी एन शेषण के युवाओं एवं आकांक्षी भारतीयों के साथ विशेष संबंध की याद में सेंटर फॉर डेवलपमेंट एट इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी ऐंड इलेक्शन मैनेजमेंट में चुनाव अध्ययन पर एक चेयर स्थापित करने की घोषणा की। शेषण का 10 नवंबर को निधन हो गया। वह 1990 और 1996 के बीच सीईसी थे।

किसी को भी लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए: धनखड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी को भी लक्ष्मण रेखा नहीं लांघनी चाहिए। राज्यपाल और ममता बनर्जी सरकार के बीच वाकयुद्ध चलता रहता है। धनखड़ ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि राज्य के राज्यपाल के रूप में यह आवश्यक है कि मैं उन नियमों का पालन करूं जो भारतीय संविधान में वर्णित है जैसे, - मुझे क्या करना है और क्या नहीं करना है। उन्होंने कहा, किसी से भी लक्ष्मण रेखा लांघने की उम्मदी नहीं की जाती है। धनखड़ जुलाई के अंत में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बने थे, तब से उनके और राज्य सरकार के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर वाकयुद्ध चल रहा है। ताजा विवाद राज्य सरकार द्वारा धनखड़ को हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने से इंकार किए जाने से उत्पन्न हुआ है। धनखड़ को मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद शुक्रवार को शहर लौटना था।

भाजपा ने तीन उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की

● झारखंड में आजसू से तल्खी बढ़ी

एजेंसी। रांची

भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को झारखंड विधानसभा चुनावों के लिए तीन उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी जिसमें उसने जुगसलाई, जगन्नाथपुर एवं तमाड़ से उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

भाजपा ने अपनी चैथी सूची में जुगसलाई सीट से मोतीराम बाउड़ी को मैदान में उतारा है जहां से राज्य के जलसंसाधन मंत्री और आजसू के विधायक रामचंद्र सहिस चुनाव मैदान में हैं। ज्ञातव्य है कि दो दिनों पूर्व ही आजसू ने राज्य के भाजपा के कोटे के खेल एवं संस्कृति मंत्री अमर कुमार बाउड़ी के खिलाफ चंदनक्यारी से अपना उम्मीदवार उतार कर भाजपा को चुनौती दी थी जिसका जवाब आज भाजपा ने अपनी चौथी सूची से दिया। भाजपा ने जगन्नथपुर सीट से सुधीर सुंडी और तमाड़ से रीता देवी मुंडा को उम्मीदवार बनाया है। चौथी सूची के साथ भाजपा ने अब तक 81 विधानसभा सीटों में से 71 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। आज भी वरिष्ठ नेता सरयू राय का नाम इस सूची में नदारद रहा। चौथी सूची में भी राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेता और मंत्री सरयू राय का नाम नहीं शामिल किया गया है।

जिससे प्रतीत होता है कि सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने वाले राय को किनारा करने की कोशिशें अब भी जारी है। वर्तमान में आजसू का भाजपा के साथ गठबंधन टूटता नजर आ रहा है क्योंकि दोनों पार्टियां अपने-अपने रुख पर अड़ी हुई हैं और दोनों ने ही एक-दूसरे के शीर्ष नेताओं के खिलाफ अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ओम माथुर ने दोहराया है कि भाजपा ने आजसू के लिए नौ सीटें छोड़ रखी हैं और अब उन्हें तय करना है कि वह इस समझौते के लिए तैयार हैं कि नहीं? 2014 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आजसू को समझौते के तहत आठ सीटें दी थीं जिसमें से उसने पांच सीटें जीती थीं।

गृह मंत्री अमित शाह को नई दिल्ली में आदिवासी मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा द्वारा राष्ट्रीय आदिवासी महोत्सव-अनादि महोत्सव 2019 के उद्घाटन के दौरान किया गया सम्मानित

उच्च नस्ल की भैंसों की पैदावर के प्रोत्साहन के लिए भोपाल में बनेगा प्रयोगशाला

भोपाल। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत भोपाल में सेक्स सॉर्टेड सीमेन उत्पादन प्रयोगशाला की स्थापना की जाएगी। इससे देशी नस्ल की गिर, थारपारकर, साहीवाल और मुर्रा नस्ल की भैंस की पैदावार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा 90 प्रतिशत अच्छी नस्ल की बछिया पैदा होंगी। मध्यप्रदेश के पशुपालन, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास मंत्री लाखन सिंह यादव ने शनिवार को बताया कि प्रयोगशाला के लिए राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के भोपाल में भदभदा स्थित केन्द्रीय वीर्य संस्थान का चयन किया गया है। यादव ने बताया कि 47.50 करोड़ रूपए लागत की इस प्रयोगशाला परियोजना में 60 प्रतिशत राशि केन्द्र सरकार द्वारा और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा खर्च की जाएगी। मध्यप्रदेश पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम तथा सेक्सिंग टेक्नॉलोजी इंडिया के बीच इस बारे में अनुबंध हुआ है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख को प्रशासनिक उत्कृष्टता का मॉडल बनाने का संकल्प

एजेंसी। जम्मू

केंद्र शासित प्रदेशों-जम्मू कश्मीर और लद्दाख में सुशासन कार्यप्रणाली अपनाए जाने के विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के शनिवार को समापन होने के साथ दोनों क्षेत्रों को प्रशासनिक उत्कृष्टता के मॉडल के तौर पर विकसित करने का संकल्प लिया गया। इस सम्मेलन में केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख में पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी प्रशासन बनाने के लिए निरंतर प्रयासों का संकल्प लिया गया। इस दौरान 19 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। डिजिटल शासन और नागरिक केंद्रित शिकायत समाधान सहित सफल राष्ट्रीय शासन की बेहतर कवायदों को अपनाने के वास्ते सर्वसम्मति से सुशासन संकल्प लिया गया। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल जी सी मुर्मू, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के सचिव सी चंद्रमौली, जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में शुक्रवार को सम्मेलन का शुभारंभ किया। एक प्रवक्ता ने बताया कि दो दिनों तक चले प्रदर्शन में सघन विचार-विमर्श के बाद समापन सत्र के दौरान सम्मेलन में सर्वसम्मति से सुशासन संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में केंद्र और भागीदार राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू कश्मीर और लद्दाख ने संकल्प लिया कि तालमेल बनाते हुए कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में डिजीटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए नए केंद्रशासित प्रदेश को प्रशासनिक उत्कृष्टता के मॉडल के तौर पर विकसित करेंगे।

सड़क हादसे में बीएसएफ जवान की मौत, दस घायल

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के सदर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक निजी बस और सीमा सुरक्षा बल के ट्रक की भिडंत में एक जवान की मौत हो गई जबकि 8 जवानों सहित 10 लोग घायल हो गए। थानाधिकारी मूलाराम चौधरी ने बताया कि नवले की चक्की के पास अहमदाबाद से जैसलमेर के बीच चलने वाली निजी बस अनियंत्रित होकर बीएसएफ के ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस बेकाबू होकर पलट गई। उन्होंने बताया कि टक्कर से बीएसएफ ट्रक में सवार नौ जवान घायल हो गए। घायलों में से चार गंभीर घायलों को जोधपुर भेजा गया जहां उपचार के दौरान केरल निवासी ट्रक चालक विनोय इब्राहिम (45) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 10 घायलों में से दो लोग बस में सवार थे। मृतक जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए जोधपुर के राजकीय अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। फिलहाल इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। भाषा कुंज पृथ्वी प्रशांत

पेज एक का शेष

साइडी दिल्ली ...

सरकारी एजेंसियों के लिए यह अनिवार्य न होकर स्वैच्छिक है। पासवान ने बताया कि दिल्ली से लिए गए सभी नमूने फेल रहे जबकि मुंबई के सभी नमूने जांच में पूरी तरह पास हो गए। मुंबई में नल का पानी सबसे सुरक्षित और पीने के सर्वथा योग्य है। दिल्ली में उक्त 11 जगहों से जुटाए गए पानी के नमूने सभी 19 मानकों (रंग, गंध, गंदलापन, पीएच, टीडीएस, शुष्कता, अल्कैनिटी, अल्युमिनियम, मैगनीज, आयरन, कैल्सियम, नाइट्रेट, फिनोलिक कंपाउड्स, एनिऑनिक डिटर्जेंट, अमोनिया, क्लोराइड, सल्फाइड, कोलोफर्म एवं ई कोली) पर उत्तीर्ण नहीं हुए। राष्ट्रीय राजधानी में नल के पानी की आपूर्ति दिल्ली जल बोर्ड करता है। अधिकतर स्थानों पर पानी की पाइप सीवेज लाइन और नालों के साथ अथवा उसे पार करते हुए बिछाई गई हैं। इसके चलते पीने के पानी में सीवेज के गंदे पानी की मिलावट की संभावना बनी रहती है। अधिकारियों के अनुसार, पहले चरण में पानी के नमूनों की ऑरगैनोलेप्टिक व फिजिकल जांच, केमिकल टेस्ट, टॉक्सिक तत्व एवं बैक्टिरियोलॉजिकल जांच की गई। दूसरे चरण में इनके वीरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल टेस्ट किए गए ताकि इनके चलते गंभीर बीमारियों के खतरे का पता लगाया जा सके। 21 शहरों से लिए गए पानी के नमूनों की जांच का मकसद यह जानना था कि ये पेयजल के लिए भारतीय मानक (आईएस)-10500 :2012 के अनुकूल हैं या नहीं। मुंबई में बृहन्नमुंबई नगर निगम (बीएमसी) पानी की आपूर्ति करता है। यहां से लिए गए सभी 10 नमूने बीआईएस मानकों के अनुकूल और पीने के लिहाज से बिल्कुल शुद्ध पाए गए। कोलकाता के 9, चेन्नई के 10 नमूने क्रमशः गंध, कोलीफॉर्म, बेरियम, गंदलापन, शुष्कता, क्लोराइड, फ्लोराइड, अमोनिया, बोरॉन और कोलीफॉर्म के पैमाने पर फेल हो गए। हैदराबाद का पानी फिनोलिक तत्व, भुवनेश्वर का क्लोरोमाइन, शिमला का अल्युमिनियम जैसे एक-एक मानक पर जबकि चंडीगढ़ का पानी दो मानकों अल्युमिनियम व कोलीफॉर्म पर खरा नहीं उतरा। इसी प्रकार जयपुर, देहरादून, अमरावती के पानी के नमूने सात-सात मानकों पर , रांची का पानी 4 , रायपुर का तीन, पटना व भोपाल चार-चार मानकों पर फेल रहा। गुवाहाटी, गंधीनगर व बेंगलुरू का पानी पांच मानकों पर शुद्ध साबित नहीं हो सका जबकि तिरुअनंतपुरम का पानी तीन मानकों पर फेल रहा। पासवान ने बताया कि उन्होंने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर यह बताने को कहा है कि नल के पानी को पीने लायक बनाने के लिए केंद्र सरकार उनकी किस भांति मदद कर सकती है। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों व स्मार्ट शहरों को भी 15 जनवरी 2020 से परीक्षण व्यवस्था के दायरे में लाने की योजना बनाई है। यह जानकारी देते पासवान ने कहा कि पानी का परीक्षण आगे भी जारी रहेगा। पहले चरण में सभी राजधानियों, दूसरे चरण में स्मार्ट शहरों व तीसरे चरणमें जिला मुख्यालयों के पानी के नमूनों की जांच होगी जिसके 15 अगस्त 2020 तक पूरा होने का अनुमान है। इस बीच भारतीय मानक ब्यूरो ने 48 मानकों की अनुशंसा की है जिनमें रेडियोएक्टिव तत्व भी शामिल हैं। हालांकि मौजूदा अध्ययन में रेडियोएक्टिव तत्व परीक्षण नहीं किया गया था। मानकों की कसौटी पर पेयजल के फेल रहने को गंभीर समस्या करार देते पासवान ने कहा देश भर में नल के पानी को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरने को अनिवार्य बनाना ही इसका हल है। उनके मंत्रालय ने इस बाबत राज्य सरकारों को पत्र लिखा है। चूंकि गुणवत्ता मानकों का अनुपालन अनिवार्य नहीं है इसलिए दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती परंतु एक बार अनिवार्य होने पर दोषी बच नहीं सकेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह हर घर तक साफ पानी पहुंचाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अभियान की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि केंद्र सरकार 2024 तक हर घर में साफ पानी मुहैया करा देगी।

तेज हवाओं ...

वायु गुणवत्ता में और सुधार होगा। दिल्ली समेत पड़ोसी शहरों गाजियाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में खतरनाक स्तर पर पहुंचे प्रदूषण के मद्देनजर स्कूल बंद कर दिए गए थे। सरकारी वायु निगरानी एजेंसी सफर के मुताबिक, तेज हवाओं के साथ प्रदूषणकारी तत्व भी साफ हो रहे हैं। शुक्रवार की रात बूंदा बांदी होने से वायु प्रदूषण में सुधार विलंबित हो सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली में तेज हवाओं के अगले दो दिन तक जारी रहने की उम्मीद है। पराली जलाने की घटनाएं कम हुई हैं और यदि ये अधिक है तो भी इसे बहाने वाली हवाओं की दिशा अनुकूल (उत्तर) नहीं है और इसकी गति भी अधिक (42 किलोमीटर प्रतिघंटा) है। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने की भूमिका रविवार को दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहने का पूर्वानुमान है। सोमवार को एक्यूआई खराब श्रेणी में रहने और 20 नवंबर के बाद प्रदूषण बढ़ने की आशंका है क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ से वायु की गति कम होगी। मुताबिक, तेज हवाओं के साथ प्रदूषणकारी तत्व भी साफ हो रहे हैं। शुक्रवार की रात बूंदा बांदी होने से वायु प्रदूषण में सुधार विलंबित हो सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दिल्ली में तेज हवाओं के अगले दो दिन तक जारी रहने की उम्मीद है। पराली जलाने की घटनाएं कम हुई हैं और यदि ये अधिक है तो भी इसे बहाने वाली हवाओं की दिशा अनुकूल (उत्तर) नहीं है और इसकी गति भी अधिक (42 किलोमीटर प्रतिघंटा) है। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने की भूमिका रविवार को दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहने का पूर्वानुमान है। सोमवार को एक्यूआई खराब श्रेणी में रहने और 20 नवंबर के बाद प्रदूषण बढ़ने की आशंका है क्योंकि एक और पश्चिमी विक्षोभ से वायु की गति कम होगी।

सबरीमाला मंदिर ...

सरकार भी इस विषय पर सावधानी बरत रही है। देवस्वओम मंत्री कडकम्पल्ली सुरेंद्रन ने स्पष्ट कर दिया है कि सबरीमाला कार्यकर्ताओं के अपनी सक्रियता दिखाने का स्थान नहीं है और प्रचार पाने के लिए मंदिर आने वाली महिलाओं को सरकार प्रोत्साहित नहीं करेगी। वहीं, 10 से 50 आयुवर्ग की जो महिला सबरीमाला मंदिर में दर्शन करना चाहती हैं, वे अदालत का आदेश लेकर आएं। राज्य में मंदिरों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार देवस्वओम बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की है। पिछले साल अगस्त में आई भीषण बाढ़ की वजह से भारी नुकसान हुआ था और श्रद्धालुओं के लिए स्थापित सुविधाएं नष्ट हो गई थी। बोर्ड इस वर्ष सबरीमाला तीर्थ यात्रा के तीन प्रमुख अधार स्थल नीलक्कल, पम्पा और सन्निधानम में पहले ही विश्राम स्थल का निर्माण कर चुका है। इसके अलावा चिकित्सा, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की गई है। तीर्थ यात्रा के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर के आसपास 10,000 पुलिस कर्मी चरणबद्ध तरीके से तैनात रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सबरीमाला मंदिर पेरियार बाघ संरक्षण क्षेत्र में है और इसके कपाट श्रद्धालुओं के लिए केवल मंडलपूजा, मकरविलक्कू और विशू उत्सव के लिए खोले जाते हैं। मंदिर प्रत्येक मलयालम महीने के शुरुआती पांच दिन के लिए भी खुलेगा। इस सत्र में मंदिर 27 दिसंबर तक मंडलपूजा के लिए खुलेगा और फिर तीन दिन के लिए मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। मंदिर के कपाट दोबारा 30 दिसंबर को मकरविलक्कू के लिए खुलेंगे और मंदिर 20 जनवरी को बंद होगा। भगवान अयप्पा का यह मंदिर समुद्र तल से करीब 4000 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। वाहन से केवल पम्पा तक जाया सकता है और श्रद्धालुओं को जंगल के बीच से पैदल ही मंदिर तक जाना होता है।

घाटे-कर्ज में ...

अमीरों में थे। पर आज उनकी कंपनी को बकाए को चुकाने के लिए अपनी संपत्तियों की बिक्री करनी पड़ रही है। कंपनी को एक साल पहले इसी तिमाही में 1,141 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। आरकॉम की कुल देनदारियों में 23,327 करोड़ रुपए का लाइसेंस शुल्क और 4,987 करोड़ रुपए का स्पेक्ट्रम प्रयोग शुल्क शामिल है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि मणिकंतन वीके इस्तीफे तथा डी विश्वनाथ की कार्यकारी निदेशक और मुख्य वित्त अधिकारी के पद पर नियुक्ति को ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के समक्ष मंजूरी के लिए रखा जाएगा। सीओसी की मंजूरी के बाद शेयर बाजारों को और खुलासा किया जाएगा। बड़े भाई मुकेश अंबानी के साथ संपत्ति के बंटवारे के बाद 2005 में आरकॉम अनिल अंबानी के हिस्से आई थी। स्वीडन की दूरसंचार उपकरण कंपनी एरिक्सन के आवेदन के बाद कंपनी फिलहाल दिवाला प्रक्रिया में है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने कंपनी का नियंत्रण दिवाला समाधान पेशेवर को सौंप दिया है। सूत्रों का अनुमान है कि आरकॉम समूह का कुल संरक्षित कर्ज करीब 33,000 करोड़ रुपए है। ऋणदाताओं ने आरकॉम से 49,000 करोड़ रुपए का दावा किया है। आरकॉम ने अपनी संपत्तियों को बिक्री के लिए रखा हैं। इसमें 122 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम भी है जिसका मूल्य दिवाला प्रक्रिया शुरू होने से पहले करीब 14,000 करोड़ रुपए था। इसी तरह कंपनी के टावर कारोबार का मूल्य करीब 7,000 करोड़ रुपए, आप्टिकल फाइबर नेटवर्क का 3,000 करोड़ और डेटा केंद्रों का मूल्य करीब 4,000 करोड़ रुपए है। आरकॉम की संपत्तियों की बिक्री का काम देख रही ऋणदाताओं की समिति इनके लिए बोलियां 24 नवंबर को खोलेगी।

शिवसेना विपक्ष...

मोदी सरकार में शिवसेना कोटे से इकलौते मंत्री अरविद सामंत ने गत सोमवार को अपना इस्तीफा दे दिया था। बाद में उनके मंत्रालय (भारी उद्योग) की अतिरिक्त जिम्मेदारी सूचना प्रसारण व पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर को सौंप दी गई। शिवसेना सांसद ने मौजूदा राजग नेतृत्व पर तंज कसते हुए कहा कि पुराने व मौजूदा राजग में जमीन आसमान का अंतर है। आज राजग का संयोजक कौन है? लालकृष्ण आडवाणी जो इसके संस्थापकों में से एक रहे हैं या तो इसे छोड़ चुके हैं या फिर निष्क्रिय हो गए हैं। राउत ने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा की मंशा महाराष्ट्र में खरीद-फरोख्त में लिप्त होने की है। इस सवाल पर कि क्या सरकार गठन के मुद्दे पर दिल्ली में भी चर्चा होगी- जवाब मिला कि शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के बीच न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) पर आम सहमति बन चुकी है, दिल्ली में इस पर चर्चा की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि सूत्रों ने कहा कि राकांपा प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की सोमवार को दिल्ली में बैठक हो सकती है जिसमें सीएमपी और शिवसेना के साथ गठबंधन बनाने के अन्य तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिए जाने के आसार हैं।

कृषि संकट..

शिंदे ने कहा कि मुलाकात टाल दी गई क्योंकि तीनों पार्टियों के नेता और विधायक अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में मौसम जनित स्थिति का आकलन करने में और चुनाव खर्च का ब्यौरा चुनाव आयोग को सौंपने में व्यस्त हैं। राज्यपाल के साथ बैठक के कार्यक्रम से इन अटकलों को बल मिला था कि तीनों दल (साथ मिल कर) सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं। लेकिन शिवसेना और कांग्रेस का कहना रहा है कि मुलाकात कृषि संकट पर चर्चा करने तक सीमित है। शिंदे ने एक बयान में कहा, तीनों पार्टियों का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को राज्यपाल से मिलने वाला था।लेकिन तीनों दलों के प्रमुख नेता और विधायक मौसम जनित स्थिति का आकलन करने और अपने-अपने क्षेत्रों में नुकसान का आकलन सुनिश्चित करने में व्यस्त हैं।

सीएम योगी ...

सौंप दिया जाएगा। ऑडियो में मंत्री को कहते सुना जा सकता है कि फर्जी मामले दर्ज किए गए हैं, खत्म कीजिए यह सब, ऊपर बैठे लोग इस मामले के बारे में जानते हैं। वह सीओ से यह भी कहती सुनाई पड़ रही हैं कि मामले की जांच हो रही है और यह मुख्यमंत्री के संज्ञान में है। एक दिन आकर बैठ लीजिएगा, अगर यहां काम करना है तो। ऑडियो क्लिप वायरल होने के बाद विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी ने ट्वीट कर कहा है कि ये है भ्रष्टाचार को लेकर वो जीरो टालरेंस जिसकी दुहाई मुख्यमंत्री देते नहीं थकते।

कानून और जनता की अदालत में हार चुके हैं राहुल गांधी: त्रिवेदी

एजेंसी। जयपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने राफेल मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए शनिवार को यहां कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी जनता और कानून की अदालत में हार चुके हैं और उनसे अब माफी मांगने की अपेक्षा है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, आज का हमारा जो देशव्यापी कार्यक्रम था, उसमें राहुल गांधी से माफी मांगने की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने कहा कि बाल दिवस पर उच्चतम न्यायालय का राहुल गांधी के बारे में दिया गया निर्णय उनके बचकाने पन का भी एक प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी शायद ऐसे पहले नेता होंगे जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से माफी मांगी और उन्हें सर्वोच्च न्यायालय को दो बार गलत उद्धृत करने का एक प्रकार से दोषी पाया गया। राजस्थान सरकार पर निशाना साधते हुए त्रिवेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को जवाब देना चाहिए कि राज्य के बेरोजगार युवाओं को एक साल बाद भी बेरोजगारी भत्ता क्यों नहीं मिला।

महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के गठबंधन को लेकर त्रिवेदी ने कहा, बाला साहब ठाकरे जब कुर्सी पर बैठते तो उनके आसन पर शेर बने रहते थे... आज शिवसेना एक ऐसे पिंजरे में बंद हो रहा है जिसे दो- दो रिंग मास्टर अपने हिसाब से घुमाने का प्रयास करेंगे।

सरकार एमएसएमई क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने की नीति पर कर रही है काम: गडकरी

एजेंसी। नागपुर

सरकार एमएसएमई निर्यात बढ़ाने तथा आयात विकल्प के तौर पर स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन दिए जाने की दो नीतियों पर काम कर रही है। केंद्रीय एमएसएमई और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को लघु उद्योगों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक वृद्धि में एमएसएमई क्षेत्र का योगदान 29 प्रतिशत है जबकि 48 प्रतिशत निर्यात एमएसएमई क्षेत्र के जरिए किया जाता है। इसी तरह एमएसएमई क्षेत्र में 10-11 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार दो नीतियों पर काम कर रही है। पहली नीति निर्यात कारोबार से जुड़े उद्योगों के बारे में है, कैसे उन्हें समर्थन दिया जा सकता है ताकि निर्यात बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि चमड़ा उद्योग का कुल कारोबार 1,40,000 करोड़ रुपए का है। इसमें 80,000 से 90,000 करोड़ रुपए का कारोबार घरेलू स्तर पर ओर 45,000 से 50,000 करोड़ रुपए का कारोबार निर्यात से होता है।

गडकरी ने कहा, मैंने उनसे आधुनिकीकरण, अद्यतन, उत्पाद डिजाइन पर काम करने को कहा है। कैसे उत्पादन की लागत घटाई जाए और गुणवत्ता को सुधारा जा सके, ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी हिस्सेदारी बढ़ सके। हम निर्यात कारोबार को मजबूत करने की नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सरकार आयातित उत्पादों के बदले देश में ही उनका विकल्प तलाश कर उत्पादन बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। गडकरी ने कहा, अभी तक जिन उत्पादों का विशेष रूप से आयात किया जा रहा है, उनका देश में ही विनिर्माण होना चाहिए। हमारी इन दो नीतियों पर वाणिज्य मंत्रालय से बातचीत चल रही है और यह अंतिम चरण में है। गडकरी ने तीन महत्वपूर्ण कारकों... पूंजी लागत, बिजली और लॉजिस्टिक्स की लागत घटाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। नई नीति बनाते समय इन चीजों पर भी चर्चा हुई। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के रक्षा क्षेत्र में योगदान का भी उल्लेख किया। गडकरी ने रक्षा क्षेत्र की खरीद प्रक्रिया को लेकर चिंता जाहिर की और कहा कि कई साल तक फाइल अटकी रहती है और जब उत्पाद को अंतिम रूप दिया गया और निविदाएं जारी की जातीं हैं तब तक उत्पाद उपयोगी नहीं रह जाता है।

पहले टेस्ट में भारत की ताकत से टूटे बांग्लादेशी

- टीम इंडिया ने पारी के अंतर से जीता मैच
- दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई
- शमी ने दूसरी पारी में 4 व अश्विन ने 3 विकेट लिए

एजेंसी। इंदौर

जीत के बाद एक दूसरे को बधाई देते साथी खिलाड़ी

तेज गेंदबाजों के एक और दमदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने बांग्लादेश को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में शनिवार को यहां तीसरे दिन ही पारी और 130 रन के विशाल अंतर से हराकर दो मैचों की श्रृंखला में1-0 से बढ़त बनाई। भारत ने सुबह अपनी पहली पारी छह विकेट पर 493 रन पर समाप्त घोषित करके 343 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। पहली पारी में केवल 150 रन बनाने वाले बांग्लादेश के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी नहीं चल पाए और उसकी पूरी टीम तीसरे दिन तीसरे सत्र में 213 रन पर आउट हो गई। अब दोनों टीमें 22 नवंबर से कोलकाता में दूसरा टेस्ट मैच खेलेंगी जो गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अंतर्गत खेली जा रही है और इस जीत से भारत को 60 अंक मिले जिससे वह कुल 300 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। भारतीय जीत के नायक उसके तेज गेंदबाज और सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल रहे, जिन्हें उनकी 243 रन की शानदार पारी के लिए मैन आफ द मैच चुना गया। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी ने दूसरी पारी में भी कमाल दिखाया तथा 31 रन देकर चार विकेट लिए। उनके साथी तेज गेंदबाजों उमेश यादव (51 रन देकर दो) और इशांत शर्मा (31 रन देकर एक) ने उनका अच्छा साथ दिया। आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (42 रन देकर तीन) ने भी अपना योगदान दिया। भारत की बांग्लादेश पर यह दस मैचों में आठवीं जीत है। विराट कोहली की अगुवाई में भारत ने दसवीं बार पारी के अंतर से जीत दर्ज की जो भारतीय रिकार्ड है। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने नौ मैच पारी के अंतर से जीते थे। बांग्लादेश की तरफ से दूसरी पारी में केवल अनुभवी मुशफिकुर रहीम ही कुछ संघर्ष कर पाए। उन्होंने शुरू में जीवनदान मिलने के बाद 150 गेंदों का सामना करके 64 रन बनाए। मुशफिकुर ने लिट्टन दास (35) के साथ छठे विकेट 63 रन और मेहदी हसन मिराज (38) के साथ सातवें विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी की। बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत भी बेहद खराब रही। उमेश ने बेहतरीन आउटस्विंगर (बाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए इनस्विंगर) पर इमरुल काएस (छह) को बोल्ड किया। काएस शुरू से ही संघर्ष करते हुए नजर आए और उमेश ने जल्द ही उनका लेग स्टंप भी उखाड़ दिया। युवा शादमन इस्लाम (छह) को इशांत ने अपनी तेजी और मूवमेंट से लगातार परेशान किया और उनकी एक गेंद ने जल्द ही इस बल्लेबाज के मिडिल स्टंप से गिल्ली हवा में उड़ा दी। बांग्लादेश की उम्मीद कप्तान मोमिनुल हक (सात) पर टिकी थी लेकिन वह शुरू से परेशानी में दिखे। उमेश की आफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर उनके खिलाफ पगबाधा के लिए डीआरएस लिया गया जिसमें फैसला मोमिनुल के पक्ष में गया। शमी की कोण लेती गेंद पर वह साफ पगबाधा आउट थे हालांकि कोहली को डीआरएस लेना पड़ा और इस बार उन्हें सफलता मिली।

स्कोरबोर्ड

बांग्लादेश पहली पारी : 150 रन ,भारत पहली पारी : छह विकेट पर 493 रन समाप्त घोषित ,बांग्लादेश दूसरी पारी : शादमान इस्लाम बो इशांत 06, इमरुल काएस बो उमेश 06,मोमिनुल हक पगबाधा बो शमी , मोहम्मद मिथुन का अग्रवाल बो शमी 18, मुशफिकुर रहीम का पुजारा बो अश्विन 64, महमुदुल्लाह का रोहित बो शमी 15,लिट्टन दास का एवं बो अश्विन 35, मेहदी हसन मिराज बो उमेश 38, ताइजुल इस्लाम का साहा बो शमी 06,अबु जाएद नाबाद 04, इबादत हुसैन का उमेश बो अश्विन 01, **अतिरिक्त** 13, **कुल** (69.2 ओवर मे, सभी आउट) 213, **विकेट पतन** :1-10, 2-16, 3-37, 4-44, 5-72, 6-135, 7-194, 8-208, 9-208, **गेंदबाजी** : इशांत 11-3-31-1, उमेश 14-1-51-2, शमी 16-7-31-4, जडेजा 14-2-47-0, अश्विन 14.2-6-42-3

अमेरिकी ओलंपियन चेरोबोन पुणे हाफ मैराथन की दूत बनीं

पुणे। अमेरिका की ओलंपियन जैनेट चेरोबोन-बावकोम को 2019 बजाज अलायंज पुणे हाफ मैराथन का दूत नियुक्त किया गया। पुणे मैराथन के दूसरे चरण में 20 हजार पंजीकरण का लक्ष्य है। लंदन ओलंपिक 2012 में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाली जैनेट 25 किमी और 10 मील में देश के लिए रिकार्ड बना चुकी हैं। उन्होंने पुणे मैराथन से जुड़ने के बारे में कहा, मैं बजाज अलायंज पुणे हाफ मैराथन का हिस्सा बनकर खुश हूं।

शाटगन निशानेबाजी में होंगी बाजवा, मेराज पर नजरें

नई दिल्ली। हाल में ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले एशियाई चैम्पियनशिप पदकधारी अंगद बाजवा और मेराज अहमद खान रविवार से शुरू होने वाली 63वीं राष्ट्रीय शाटगन निशानेबाजी चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन से फिर सुर्खिंया हासिल करना चाहेंगे। बाजवा और मेराज ने पिछले हफ्ते दोहा में एशियाई चैम्पियनशिप की पुरूष स्कीट स्पर्धा में क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीतकर ओलंपिक कोटे हासिल किए थे। इन दोनों के अलावा कई शीर्ष निशानेबाज जैसे केनान चेनाई, श्रेयसी सिंह और मानवजीत सिंह संधू के दो सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने की उम्मीद है। महिला ट्रैप क्वालीफिकेशन से डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में प्रतियोगिताओं की शुरूआत होगी। महिला ट्रैप वर्ग में सीनियर और जूनियर वर्ग में 71 प्रविष्टियां आई हैं। क्वालीफिकेशन मैच सुबह नौ बजे शुरू होंगे। महिला ट्रैप फाइनल सोमवार को दोपहर दो बजे जबकि जूनियर महिला फाइनल दोपहर तीन बजे होगा।

अंडर-19 टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा एआईएफएफ

नई दिल्ली। एएफसी चैम्पियनशिप क्वालीफायर में भारत की अंडर-19 फुटबाल टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय महासंघ ने शनिवार को फ्लाएड पिंटो की कोचिंग वाली टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करने का फैसला किया। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने समीक्षा बैठक के लिए पिंटो से राष्ट्रीय टीम के निदेशक अभिषेक यादव, तकनीकी निदेशक इसाक दोरू और सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक से मिलने को कहा। भारत को हाल में समाप्त हुए एएफसी अंडर-19 चैम्पियनशिप क्वालीफायर में उज्बेकिस्तान से 0-2, गत चैम्पियन सऊदी अबर से 0-4 और अफगानिस्तान से 0-3 से हार का मुंह देखना पड़ा था। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने पीटीआई से कहा, हम अंडर-19 टीम के प्रदर्शन के बारे में काफी चिंतित हैं और मैंने पिंटो से अभिषेक, इसाक दोरू और इगोर स्टिमक से विस्तृत समीक्षा के लिए मिलने को कहा कि एएफसी चैम्पियनशिप क्वालीफायर प्रदर्शन में क्या गलत हुआ।

अब हमारे पास तेज गेंदबाजों का शानदार संयोजन: कोहली

एजेंसी। इंदौर

- किसी भी पिच पर और किसी भी टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ तीन दिन के अंदर पारी के अंतर से टेस्ट मैच जीतने के बाद कहा कि हमारे पास तेज गेंदबाजों का स्वप्निल संयोजन है जो किसी भी पिच पर और किसी भी टीम की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकता है। मैच में भारतीय तेज गेंदबाजों के दबदबे का अंदजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इशांत शर्मा, उमेश यादव और मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने बांग्लादेश के 14 विकेट चटकाए जबकि स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविन्द्र जड़ेजा ने मिलकर पांच विकेट निकाले। भारतीय तेज गेंदबाजों के बारे में कोहली ने कहा कि टीम अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना भी शानदार प्रदर्शन कर रही है जो इस समय चोटिल हैं। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कोहली ने कहा, ए खिलाड़ी (तेज गेंदबाज) शानदार लय में है। जब वे गेंदबाजी करते हैं तो लगता है कि हर पिच अच्छी पिच है। जसप्रीत अभी टीम में नहीं है जब वह वापसी करेंगे तब विरोधी टीम को और मुश्किल होगी। वे हर स्पैल में विकेट निकाल सकते हैं। स्लिप के क्षेत्ररक्षकों को हमेशा तैयार रहना होता हैं क्योंकि उन्हें पता है कि गेंद किसी भी ओवर में उनके पास आ सकती है। यह किसी भी कप्तान के लिए एक स्वप्निल संयोजन है। किसी भी टीम के लिए मजबूत गेंदबाज होना सबसे महत्वपूर्ण है। मैच के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने कहा, पता नहीं क्या कहना चाहिए, यह एक और शानदार प्रदर्शन है। हमारे बल्लेबाज काफी पेशेवर है। हम पांच बल्लेबाजों के साथ उतरे जिसमें से एक खिलाड़ी ने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी की। हम आगामी विदेशी दौरों पर ऐसा ही प्रदर्शन करना चाहते हैं। भारतीय टीम के मौजूदा प्रदर्शन की तुलना 2000 के शुरुआती दशक में आस्ट्रेलिया के प्रदर्शन से की जा रही है। कोहली ने कहा कि संख्या और रिकार्ड सिर्फ देखने के लिए होते हैं। वह किताबों में रहेगा, हम उस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हम आगे आने वाले खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए मानकों को बनाए रखना चाहते हैं। इस प्रक्रिया में हम भारतीय क्रिकेट के मानक को ऊंचा उठा रहे हैं। हम एक टीम के रूप में संख्या के बारे में परवाह नहीं करते हैं। सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल की शानदार पारी के बारे में पूछे जाने पर कोहली ने कहा, जब एक युवा टेस्ट में बल्लेबाजी के लिए आता है तो मुझे पता है कि बड़े शतकों को बनाने में कितना समय लगता है क्योंकि मुझे पता है कि मुझे शतक बनाने में कितना समय लगा था इसलिए मुझे पता है कि बड़ा स्कोर बनाने का क्या महत्व है। भारतीय टीम श्रृंखला का दूसरा मुकाबला दिन रात्रि प्रारुप में खेलेगी। यह पहली बार है जब टीम गुलाबी गेंद से खेलेगी और कोहली ने कहा टीम इसे लेकर काफी उत्सुक है। गुलाबी गेंद से खेलना काफी रोचक होने वाला है। इसमें बल्लेबाजों को चुनौती मिलेगी। पुरानी गेंद ज्यादा स्विंग नहीं करती इसलिए गेंदबाजों के लिए भी यह मुश्किल स्थिति होगी। हम भारत में गुलाबी गेंद से खेलने वाली पहली टीम बनने पर काफी उत्साहित हैं।

सौ गेंद का प्रारूप भी टी20 जैसी क्रांति ला सकता है : युवराज

एजेंसी। अबुधाबी

पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह को लगता है कि इंग्लैंड का 100 गेंद क्रिकेट का नया प्रारूप टी20 प्रारूप की तरह ही क्रांति ला सकता है। टी20 की सफलता से कई अन्य तरह के प्रारूप शुरू हुए जिसमें टी10 भी शामिल है। दो बार के विश्व कप विजेता से जब इस बाबत पूछा गया तो उन्होंने कहा कि द हंड्रेड काफी रोमांचक संभावना दिखती है। युवराज ने कहा, 100 गेंद का नया प्रारूप रोमांचक हो सकता है। यह टी20 की तरह की क्रांति हो सकती है। द हंड्रेड 2020 में शुरू हो रहा है और इंग्लैंड में पारंपरिक काउंटी क्रिकेट से हटकर इस नए टूर्नामेंट को शुरू किया जाएगा। इसमें टीमें 100 गेंद तक बल्लेबाजी करेंगी जिसमें 10 गेंद के बाद छोर बदले जाएंगे जबकि प्रत्एक गेंदबाज लगातार पांच या 10 गेंद फेंक सकता है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मैसर्स कंठ इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्रा. लि. से निम्नलिखित मूल कागजात कही गुम हो गया है, भूमि का पट्टा दिनांक 10.08.1982 कब्जा पत्र दिनांक 22.07.1982 पंजीकृत वसियत दिनांक 22.04.1991 विक्रय विलेख दिनांक 23.03.1996 म्युटेशन पत्र दिनांक 20.01.2007 जो सम्पत्ति संख्या 5/119 से. 2, ब्लॉक-5, राजेन्द्र नगर, गाजियाबाद से सम्बंधित है। जिसके लिए एन.सी.आर. दिनांक 16/11/2019 को दर्ज करा दी गई।

उक्त सम्पति से सम्बधित किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा है तो वह व्यक्ति सम्बधित दस्तावेज के साथ सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अन्दर दावा कर सकता है उसके उपरान्त मेरे मुवक्किल पर किसी प्रकार का दावा वाध्यकारी नही होगा।

सी.के. झा (अधिवक्ता)
कार्यालयः यूवी-36ए, अंतरिक्ष बिल्डिंग, 22, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली.
मोबाईल : 9811295674

गिरनार स्पिनटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड

(पूर्वतः अमित स्पिनिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध)
पंजी. कार्यालय : ई-43/1, ओखला औद्योगिक क्षेत्र फेज-2, नई दिल्ली-110020
कारखाना पता : गेट नंबर 47 एवं 48, सांगावडे ग्राम, कोल्हापुर-हुपारी रोड, ताल. कारवीर, जिला कोल्हापुर-416202
30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

(रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30-09-2019 अलेखापरीक्षित	अर्द्ध वर्ष समाप्त 30-09-2019 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 30-09-2018 अलेखापरीक्षित
1.	प्रचालनों से आय	974.72	1,336.24	-
2.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (असाधारण मदों से पहले तथा बाद में)	(222.57)	(556.52)	(102.54)
3.	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि), कर पश्चात (अपवाद तथा असाधारण मदों के बाद)	(222.57)	(556.52)	(102.54)
4.	अवधि हेतु कुल समावेशी आय ख्कर सम्मिलित नहीं,	(222.57)	(556.52)	(102.54)
5.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 5/- प्रत्येक)	2,058.48	2,058.48	2,058.48
6.	मूल एवं तनुकृत ईपीएस, असाधारण मदों से पहले तथा बाद में	(0.54)	(1.35)	(0.25)

नोट : उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। उक्त परिणामों का पूर्ण प्रारूप बीएसई की वेबसाइट www.bseindia.com तथा एनएसई की वेबसाइट www.nseindia.com पर और कम्पनी की वेबसाइट www.amitspinningindustries.com पर भी उपलब्ध है।

वास्ते गिरनार स्पिनटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता./- जितेन्द्र कुमार चोपड़ा, प्रबंध निदेशक
हस्ता./- दीपक चौधरी, अध्यक्ष
स्थान : कोल्हापुर
तिथि : 16-11-2019

AXIS BANK

खुदरा आस्ति केन्द्र, फरीदाबाद : ऐक्सिस बैंक लि.,एससीओ-8, हुडाशॉपिंग सेंटर, सेक्टर-16, फरीदाबाद, हरियाणा-121002, कार्पोरेट कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, ब्लॉक-बी,बॉम्बे डाइंग मिल्स कम्पाउंड, पांडुरंग बुधकर मार्ग, वर्ली मुंबई-400025, पंजीकृत कार्यालय : "त्रिशूल", तृतीय तल, समर्थेश्वर मंदिर के सामने, लॉ गार्डन, एलिसब्रिज, अहमदाबाद-380006, आंचलिक कार्यालय : ऐक्सिस हाउस, सेक्टर-128, नोएडा एक्सप्रेवे, जेपी ग्रीन्स विशटाउन, नोएडा (उ.प्र.)-201301,

सरफासी ऐक्ट 2002 के तहत कब्जा सूचना

जबकि,
अधोहस्ताक्षरी ने, ऐक्सिस बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना जारी की थी, जिसमें निम्नलिखित कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/बंधकदाता(ओं) से सूचना में वर्णित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार/सह-कर्जदार/बंधकदाता उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, अतः एतद्द्वारा कर्जदारों)/सह-कर्जदारों)/बंधकदाताओं) तथा जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदारों)/सह-कर्जदारों)/बंधकदाताओं) को विशेष रूप से तथा जन साधारण को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति के संबंध में कोई संव्यवहार नहीं करें तथा सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार ऐक्सिस बैंक की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान करने के बाद ही किया जा सकता है।

कर्जदार/सह-कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का वर्णन	1. मांग सूचना की तिथि 2. कब्जा की तिथि 3. मांग सूचना में बकाया राशि (रू.)
1. श्री अक्षय बत्रा पुत्र युद्धवीर बत्रा निवासी अपार्ट. नं. 203, टॉवर सी-1, सेक्टर-30, यूनिवर्ल्ड सिटी अपार्टमेंट्स, गुड़गांव, हरियाणा-122002 अन्य पता : श्री अक्षय बत्रा पुत्र युद्धवीर बत्रा, शिवम फूड प्रा. लि., बी-91, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, नई दिल्ली-110020 अन्य पता : श्री अक्षय बत्रा पुत्र युद्धवीर बत्रा, निवासी मकान नंबर 9855, सेक्टर-सी-9, वसंत कुंज, दिल्ली-110062 2. श्री युद्धवीर बत्रा पुत्र श्री धर्मवीर बत्रा निवासी मकान सं. 9855, सेक्टर-9, वसंत कुंज, दिल्ली-110062 अन्य पता : श्री युद्धवीर बत्रा पुत्र श्री धर्मवीर बत्रा निवासी अपार्ट. नं. 203, टॉवर सी-1, सेक्टर-30, यूनिवर्ल्ड सिटी अपार्टमेन्ट्स, गुड़गांव, हरियाणा-122002 अन्य पता : श्री युद्धवीर बत्रा पुत्र धर्मवीर बत्रा निवासी लैट सं. 605ए, टॉवर सं. 6, सेंट्रल पार्क-II, गुड़गांव, हरियाणा-122001	अचल आस्ति ग्राम ग्वाल पहाड़ी, तहसील सोहना, जिला-गुड़गांव, हरियाणा-122001 में स्थित वैली व्यू एस्टेट में अवस्थित ग्रुप हाउसिंग टॉवर नं. 1 (गोल्ड लीफ क्रेसेंट) में प्रथम तल पर लैट संख्या 105, कार पार्किंग स्पेस नंबर ओपी-35 सहित।	1. 17-10-2018 2. 14-11-2019 3. रु. 77,21,241/-

एतद्द्वारा उपरि-वर्णित कर्जदारों)/गारंटरों)/बंधकदाताओं) को राशि का भुगतान 30 दिन के भीतर करने की सूचना दी जाती है, अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने पर, बंधक सम्पत्ति की बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के तहत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।

तिथि : 16-11-2019
स्थान : दिल्ली
हस्ता/-
प्राधिकृत अधिकारी,
ऐक्सिस बैंक लि.

THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058
Phone : 011-25611041, 25611042, 25611043, 25611044
E-mail: leagal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com Website : www.kangrabank.com

PUBLIC NOTICE FOR SALE

In terms of **The Securitisation and Reconstruction of the Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002,** and Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, and in exercise of the powers conferred under Section 13(2) & 13(4) thereof, the Bank has taken over the possession of the under mentioned property.
The Bank intends to sell the property DETAILED HEREUNDER on "AS IS WHERE IS BASIS" **THROUGH "SALE BY INVITING TENDERS"*,** as per brief particulars given hereunder: **Name of Borrower, Mortgagor & Branch** Sh. Anar Singh S/o. Sh.Hori Lal, R/o. D-754/7, Khasra No.3/19, Nathupura, Delhi-110084. **Also at:** Sh.Anar Singh S/o. Sh. Hori Lal, R/o. D-664, Nathupura, Delhi-110084. **(Borrower)** Smt. Asha W/o. Sh. Anar Singh, R/o. D-754/7, Khasra No.3/19, Nathu Pura, Delhi-110084. **(Mortgagor) (Sant Nagar Burari Branch) Amount Recoverable:** ₹ 9,54,151/- together with further interest, penal interest and other charges as are applicable in the Loan account from time to time, from 31.01.2019 till the date of payment. **Description of Property:** Entire Buil-up property with roof Rights upto sky rights, area measuring 41 sq.yds., i.e. 34.2801 Sq. Mtrs. Constructed Ground floor, situated in the abadi of Extended lal Dora of Village Nathupur, Burari, Delhi-110084, Which is bounded as EAST: Other's Property, WEST: Other's Property, NORTH: Road 15ft. wide, SOUTH: Other's Plot. **Reserve Price:** Rupees Twenty One Lakhs Only (₹21,00,000/-) **Earnest Money Deposit:** 10% of the Reserve price i.e. Rupees Two Lakhs Ten Thousand Only) ₹ 2,10,000/-

- *The above mentioned property(s) shall be sold on "as is where is basis" and **"as is what is basis" and "as is wherever is basis", except, all the costs and expenses relating to pending electricity, water and house tax bills regarding the above mentioned properties from the date of its possession by the Bank till the same are being sold by the Bank, shall be borne by the Bank, the afore mentioned cost and expenses before the date of possession shall be borne by the concerned borrower(s)/ mortgagor(s).**
- The aforesaid property(s) **shall not be sold below the Reserve Price** as mentioned above.
- The successful bidder/tenderer **shall deposit 25% of the amount of sale price,** adjusting the Earnest Money Deposit paid already, immediately after the acceptance of Bid/Tender to the Authorised Officer in respect of the sale, **failing which the earnest money deposit given/paid already shall be forfeited, and in default of such deposit, the aforesaid property(s) shall forthwith be sold again.**
- **The balance 75% of the sale price shall be payable on or before 15th day of confirmation of the sale by the Bank** or such extended period as may be agreed upon in writing between the parties. **In case of failure** to deposit this balance amount within **the prescribed period, the amount deposited shall be forfeited, and the aforesaid property(s) shall be resold and the defaulting purchaser shall forfeit all claims towards the aforesaid property(s) or to any part of the sum for which it may be subsequently sold.**
- The provisions of Private Treaty as provided in Law may be resorted to in case of need or if warranted so.
- The Authorised Officer is not bound to accept the highest offer or any or all offers and reserves the right to accept or reject any or all the tenders/bids/offers without assigning any reasons thereof.
- The **successful purchaser would bear the Professional charges/fee payable,** such as drafting, documentations, stamp duty, registration fee and any other incidental expenses thereto, **as applicable as per Law.**
- **The above named borrowers/mortgagors attention is also invited to provision of Sub-Section (8) of Section 13 of the SARFAESI Act, in respect of time available, to redeem the above mentioned property.**
- **This publication is also 30 day's notice to the above named borrower/mortgagor/ surety.**

Bid/Tenders alongwith Bank Draft/Pay order of the Earnest Money Deposit amount as mentioned in this Sale Notice, are invited in sealed covers by the undersigned from the intending buyer(s) for purchase of the above mentioned property(s), at the Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi-110058. **The last date for submission of the bid/tenders is 30.12.2019 which shall be opened on 31.12.2019 at 4.00 P.M. at the Office of the AGM/Authorised Officer of the Bank i.e. at Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi-110058.**
The intending buyers/purchasers may inspect the property(s) **on 05.12.2019 between 11.00 a.m. to 3.00.p.m.,** Bank Draft/Pay Order for EMD should be in favour of "The Kangra Co-operative Bank Ltd., account Sh. Anar Singh S/o Sh.Hori Lal, SB/3/394, Membership No. 56244.
The other terms and conditions of the sale can be obtained from the AGM/Authorised Officer or the Manager (Legal) of the Bank, from Head Office at C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.

RAMESH CHAND KASANA
AGM/AUTHORISED OFFICER
THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
HEAD OFFICE AT C-29, COMMUNITY CENTRE, PANKHA ROAD, JANAKPURI, NEW DELHI-110058.
PHONE NO. 8920040076, 9013568402.
DELHI.
DATED: 15.11.2019

कार्यालय ग्राम पंचायत सुसामत खुर्द, विकास खण्ड - सासनी, जनपद-हाथरस

पत्रांक मीमो/ग्राम पंचायत/वित्तआयोग मद/टेन्डर/2019-20 दिनांकः- 15.11.2019

अति अल्पकालीन निविदा

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि चतुर्थ राज्य वित्त/14 वॉ वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु मुहर बन्द निविदायें दिनांक 21/11/19 को दिन के 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन सॉय 3.30 बजे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय अद्योहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक का राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल, समय एवं वैधता में कोई परिवर्तन नही होगा निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी। निविदा की शर्त निम्नवत निर्धारित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत सुसामत खुर्द से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 21.11.19 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र के साथ-2 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ0डी0आर0 नगद अद्योहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी, जमा करनी होगी।
3. निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नही होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. निविदा दरों की वैधता तीन माह अधिकतम होगी। इसके लिये निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडीशियल स्टाम्प पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करने हुये 10 प्रतिशत जमानत धनराशि नगद जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी।
6. बिलो के भुगतान में नियमानुसार आयकर वैट एव रॉयल्टी आदि की कटौती की जायेगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिये।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौंसिल में पंजीकृत हो निविदा देने से प्रतिबंधित होगें।

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामग्री) रू0 में	धरोहर धनराशि रू0 में	निविदा प्रपत्र का मूल (रू0 में)	कार्य की अवधि (माह में)
1.	सुसामत खुर्द में प्राथमिक विद्यालय के सामने इन्टर लॉक व नाली निर्माण	250146=00	5002=00	250+GST	6 माह
2	काली सड़क से दुर्गपाल के घर तक इन्टर लॉक व नाली निर्माण	461927=00	9238=00	"	6 माह
3	देशराज के घर से प्रकाश की ट्यूवेल तक नाली निर्माण	114745=00	2295=00	"	6 माह
4	कान्ती के घर से पप्पू के घर तक इन्टर लॉक व नाली निर्माण	156763=00	3150=00	"	6 माह

प्रधान
ग्राम पंचायत सुसामत खुर्द
वि0ख0 सासनी (हाथरस)

सचिव
ग्राम पंचायत सुसामत खुर्द
वि0ख0 सासनी (हाथरस)

श्रीकांत हांगकांग ओपन से बाहर

● ली की जीत

एजेंसी। हांगकांग

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत शनिवार को यहां सेमीफाइनल में स्थानीय प्रबल दावेदार ली चेयुक यिऊसे सीधे गेम में हारकर 400,000 डालर इनामी राशि के हांगकांग ओपन से बाहर हो गए। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 9-21 23-25 से पराजय झेलनी पड़ी जिसमें उन्होंने दूसरे गेम में छह गेम प्वाइंट गंवाए। इंडिया ओपन सुपर 500 में अंतिम चार में जगह बनाने के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल मुकाबला था। वह उस टूर्नामेंट में उप विजेता रहे थे। श्रीकांत शुरूआती गेम में पहले ही पिछड़ गए जिसमें ली ने 6-। से बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने बराबरी करने की कोशिश की लेकिन वह अंतर को कम नहीं कर सके। दूसरे गेम में श्रीकांत ने 5-। की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन जल्द ही ली बराबरी पर पहुंच गए। दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे की बराबरी करने की कोशिश की, श्रीकांत इसमें आगे निकल गए लेकिन लय टूटने के कारण पिछड़ने लगे। श्रीकांत ने पिछले साल इंडिया ओपन में 23 वर्षीय ली को सीधे गेम में पराजित किया था और यह इन दोनों के कैरियर में आपस में पहली भिड़ंत थी। अब दोनों का जीत हार का रिकार्ड।-। से बराबर हो गया है। श्रीकांत के हारने से भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

रतु फोगाट में एमएमए पदार्पण में शानदार जीत दर्ज की

बीजिंग। भारतीय पहलवान रितु फोगाट ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स उएंड वन चैम्पियनशिप में शानदार पदार्पण करते हुए यहां दक्षिण कोरिया की नाम ही किम पर तकनीकी नाकआउट जीत हासिल की। रितु ने मुकाबले के शुरूआती सेकेंड में पटखनी देकर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद फिर उन्होंने एक और पटखनी दी। इसके कुछ देर बाद उन्होंने किम को मैट पर ही रखकर उन्हें कब्जे में रखा जिसके बाद रैफरी ने हस्तक्षेप कर मुकाबले को भारतीय पहलवान के नाम किया।

महिला हाकी राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 संभावित खिलाड़ी घोषित

नई दिल्ली। हाकी इंडिया ने शनिवार को सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 33 संभावित खिलाड़ी घोषित किए। यह शिविर न्यूजीलैंड दौरे से पहले भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलुरू स्थित केंद्र में 18 नवंबर से शुरू होगा। तोक्यो ओलंपिक 2020 में जगह सुरक्षित करने के बाद भारतीय टीम अब कोच सोर्ड मारिन की देखरेख में अपनी लय बरकरार रखने पर ध्यान देगी। रानी रामपाल की अगुवाई वाली टीम ने विश्व में 13वें नंबर के अमेरिका को कुल स्कोर में 6-5 से हराकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय टीम को अगले साल जनवरी - फरवरी में न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है।

रजत शर्मा ने डीडीसीए अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया

● सीईओ और सीएसी ने भी पद छोड़ा

एजेंसी। नई दिल्ली

वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा ने शनिवार को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। इसका कारण उन्होंने संस्था के बीच चल रही खींचतान और दबावों में पद पर बने रहने में असमर्थता बताई। शर्मा का लगभग 20 महीने का कार्यकाल उतार चढ़ाव से भरा रहा।

इस बीच उनके महासचिव विनोद तिहाड़ा से मतभेद सार्वजनिक तौर पर सामने आए। तिहाड़ा को संगठन में अच्छा समर्थन हासिल है। शर्मा ने बयान में कहा, यहां क्रिकेट प्रशासन हर समय खींचतान और दबावों से भरा होता है। मुझे लगता है कि यहां निहित स्वार्थ हमेशा क्रिकेट के हितों के खिलाफ सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि डीडीसीए में निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के सिद्धांतों के साथ चलना संभव नहीं है जिनसे कि मैं किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करूंगा। शर्मा के त्यागपत्र के कुछ घंटों बाद ही सीईओ रवि चोपड़ा ने भी इस्तीफा दे दिया। क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) के दो सदस्यों सुनील वाल्सन और यशपाल शर्मा ने भी अपना पद छोड़ दिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अतुल वासन की अगुवाई वाली चयनसमिति और कोच केपी भास्कर रणजी ट्राफी टीम के लिए बने रहते हैं या नहीं। शर्मा पूर्व वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली का समर्थन मिलने पर क्रिकेट प्रशासन से जुड़े थे। डीडीसीए के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि जेटली के निधन के बाद शर्मा कमजोर पड़ गए थे क्योंकि पूर्व वित्त मंत्री संस्था के विभिन्न गुटों को एकजुट रखने में अहम भूमिका निभाते थे। मुझे अपने प्रयास में कई तरह की बाधाओं, विरोध और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बस मुझे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीकों से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकना था। शर्मा ने कहा, इसलिए मैंने हटने का फैसला किया है और डीडीसीए अध्यक्ष पद से तत्काल प्रभाव से अपना त्यागपत्र शीर्ष परिषद को सौंप दिया है। शर्मा के त्यागपत्र के बाद तिहाड़ा का निलंबन समाप्त होने की संभावना है। इससे उनका एक दिसंबर में मुंबई में होने वाली बीसीसीआई एजीएम में डीडीसीए का प्रतिनिधि बनने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। तिहाड़ा ने कहा, रजत जी ने त्यागपत्र देकर सही फैसला किया। कल आठ निदेशकों ने अध्यक्ष की सभी शक्तियों को वापस लेने के पक्ष में हस्ताक्षर किए थे। अध्यक्ष बनने में मेरी दिलचस्पी नहीं है। महासचिव होने के कारण मेरे पास काफी काम होगा। हमें रजत जी का त्यागपत्र स्वीकार करने के लिए आपात बैठक बुलानी होगी जो कि समस्या नहीं है। इसके बाद हमें नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए आम सभा की बैठक के लिए तिथि नियत करनी होगी। तिहाड़ा ने शर्मा गुट से ही डीडीसीए का चुनाव जीता था लेकिन पहले महीने में ही उनके क्रिकेट और प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़े मसलों पर अध्यक्ष के साथ मतभेद पैदा हो गए। इसमें प्रोटोकाल का अनुसरण किए बिना भर्तियों पर नियंत्रण करने का आरोप भी शामिल है। तिहाड़ा को कार्यकारी समिति ने अनुशासनात्मक मामले में निलंबित कर दिया था जिसे उन्होंने अदालत में चुनौती दी थी।

THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058
Phone : 011-25611041, 25611042, 25611043, 25611044
E-mail: leagal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com Website : www.kangrabank.com

PUBLIC NOTICE FOR SALE

In terms of **The Securitisation and Reconstruction of the Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002, and Security Interest (Enforcement) Rules, 2002,** and in exercise of the powers conferred under Section 13(2) & 13(4) thereof, the Bank has taken over the possession of the under mentioned property.

The Bank intends to sell the property **DETAILED HEREUNDER** on **"AS IS WHERE IS BASIS" THROUGH "SALE BY INVITING TENDERS"***, as per brief particulars given hereunder: Sh. Jagbir Singh S/o. Sh. Jeet Ram, R/o. H.No.11/1125, Top Floor, Right Side, Govind Puri, New Delhi-110019. **Also at:** M/s. Samrat Car Rental, Shop No.38, Mini Market, DDA Flats,Kalkaji, New Delhi-110019. **(Borrower & Mortgagor) (Govindpuri Branch) Amount Recoverable:** ₹10,30,120/- together with further interest, penal interest and other charges as are applicable in the Loan account from time to time, from 30-06-2018 till the date of payment. **Description of Property:** Right side terrace rights of third floor (top floor), consisting of two bed rooms, drawing/dining, one kitchen, two toilet/bathrooms and balcony of built-up property no.1125, gali no.11, out of khasra no. 93, measuring 75 sq. yds. (62.7 sq. mtrs.) , out of total measuring 150 sq.yds., situated at Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019. **Reserve Price :** Rupees Twenty Lakhs Twenty Five Thousand Only (₹1 20,25,000/-) **Earnest Money Deposit:** 10% of the Reserve price i.e. Rupees Two Lakhs Two Thousand Five Hundred Only (₹ 2,02,500 /-)

- *The above mentioned property(s) shall be sold on **"as is where is basis" and "as is what is basis" and "as is wherever is basis", except, all the costs and expenses relating to pending electricity, water and house tax bills regarding the above mentioned properties from the date of its possession by the Bank till the same are being sold by the Bank, shall be borne by the Bank, the afore mentioned cost and expenses before the date of possession shall be borne by the concerned borrower(s)/ mortgagor(s).**
- The aforesaid property(s) **shall not be sold below the Reserve Price** as mentioned above.
- The successful bidder/tenderer **shall deposit 25% of the amount of sale price,** adjusting the Earnest Money Deposit paid already, immediately after the acceptance of Bid/Tender to the Authorised Officer in respect of the sale, **failing which the earnest money deposit given/paid already shall be forfeited, and in default of such deposit, the aforesaid property(s) shall forthwith be sold again.**
- **The balance 75% of the sale price shall be payable on or before 15th day of confirmation of the sale by the Bank** or such extended period as may be agreed upon in writing between the parties. In case of failure to deposit this balance amount within the prescribed period, **the amount deposited shall be forfeited, and the aforesaid property(s) shall be resold and the defaulting purchaser shall forfeit all claims towards the aforesaid property(s) or to any part of the sum for which it may be subsequently sold.**
- The provisions of Private Treaty as provided in Law may be resorted to in case of need or if warranted so.
- **The Authorised Officer is not bound to accept** the highest offer or any or all offers and reserves the right to accept or reject any or all the tenders/bids/offers **without assigning any reasons thereof.**
- The successful purchaser **would bear the Professional charges/fee payable,** such as drafting, documentations, stamp duty, registration fee and any other incidental expenses thereto, **as applicable as per Law.**
- **The above named borrowers/mortgagors attention is also invited to provision of Sub-Section (8) of Section 13 of the SARFAESI Act, in respect of time available, to redeem the above mentioned property.**
- **This publication is also 30 day's notice to the above named borrower/mortgagor/surety.**

Bid/Tenders alongwith Bank Draft/Pay order of the Earnest Money Deposit amount as mentioned in this Sale Notice, are invited in sealed covers by the undersigned from the intending buyer(s) for purchase of the above mentioned property(s), at the Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi-110058. **The last date for submission of the bid/tenders is 30-12-2019 which shall be opened on 31-12-2019 at 4.00 P.M. at the Office of the AGM/ Authorised Officer of the Bank i.e. at Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, JanakPuri, New Delhi-110058.**

The intending buyers/purchasers may inspect the property(s) on **02.12.2019 between 11.00 a.m. to 3.00.p.m.,** Bank Draft/Pay Order for EMD should be in favour of "The Kangra Co-operative Bank Ltd., account Sh. Jagbir Singh S/o Sh. Jeet Ram GP/15/67,Membership No. 39171.

The other terms and conditions of the sale can be obtained from the AGM/Authorised Officer or the Manager (Legal) of the Bank, from Head Office at C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.

RAMESH CHAND KASANA
AGM/AUTHORISED OFFICER
THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
HEAD OFFICE AT C-29, COMMUNITY CENTRE, PANKHA ROAD, JANAKPURI, NEW DELHI-110058.
PHONE NO. 8920040076, 9013568402.

DELHI.
DATED: 14.11.2019

जेवरेव की जीत से नडाल एटीपी फाइनल्स से बाहर

एजेंसी। लंदन

मौजूदा चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव की डेनिल मेदवेदेव पर जीत के कारण राफेल नडाल का एटीपी फाइनल्स का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया और स्पेन के इस खिलाड़ी को सत्र के आखिरी टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। विश्व में नंबर एक खिलाड़ी नडाल ने स्टेफेनोस सिटसिपास से पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करके 6-7 (4।7), 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की लेकिन सेमीफाइनल में उनकी जगह अगले मैच पर निर्भर थी। जेवरेव की मेदवेदेव पर 6-4, 7-6 (7-4) से जीत का मतलब है कि वह आंद्रे अगासी ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिटसिपास पहले ही इस ग्रुप से अंतिम चार में पहुंच गए थे। सिटसिपास इस ग्रुप से शीर्ष पर रहे और वह सेमीफाइनल में छह बार के चैंपियन रोजर फेडरर से भिड़ेंगे। जेवरेव का सामना ब्योर्न बोर्ग ग्रुप से शीर्ष पर रहे डोमिनिक थीम से होगा। फेडरर इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे थे।

विश्व में नंबर एक खिलाड़ी के रूप में सत्र का अंत करेंगे नडाल

लंदन। राफेल नडाल भले ही अपना पहला एटीपी फाइनल्स का खिताब नही जीत पाए लेकिन वह साल के अंत मे विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने रहेंगे। चोट से जूझने के बाद लंदन आने वाले स्पेनिश खिलाड़ी की शुरुआत अच्छी नही रही थी और उन्हे राउंड रोबिन आधार पर होने वाले टूर्नामेंट के पहले मैच मे मौजूदा चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव से सीधे सेटो मे हार का सामना करना पड़ा। नडाल ने इसके बाद हालांकि डेनिल मेदवेदेव और स्टेफ्नोस सिटसिपास को हराया लेकिन यह उनके सेमीफाइनल मे पहुंचने के लिए पर्याप्त नही था। दूसरे ग्रुप में नोवाक जोकोविच भी सेमीफाइनल मे नही पहुंच पाए जिससे नडाल का नंबर एक पर बने रहना तय हो गया। यह पांचवां अवसर होगा जबकि नडाल साल के आखिर मे नंबर एक बने रहेंगे। इस तरह से वह रोजर फेडरर और जोकोविच की बराबरी कर लेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत धनौरा विकास खण्ड–हापुड,

पत्रांक / मीमो / निविदा प्रकाशन / 2019–20 दिनांकः– 16.11.2019

–: अल्पकालीन निविदा :–

ग्राम पंचायत धनौरा विकास खण्ड हापुड में राज्य वित्त / चौहदंवा वित्त योजनान्तर्गत सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यो की निविदायें दिनांक 18 / 11 / 19 को सॉय 2 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 18 / 11 / 19 तक कार्यालय समय में सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा अधिकृत अधिकारियों द्वारा इच्छुक ठेकेदारों की उपस्थिति में दिनांक 19 / 11 / 19 की अपरान्ह 3 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं.	कार्य का नाम	अनुमानित	धरोहर	निविदा	कार्य
1	राजू से सुहम तक सी0–सी0 रोड़ निर्माण कार्य	56978 / –.	1140 / –	100 / –	2 माह
2	रघुराज से टुक्की शर्मा तक सी0–सी0 रोड निमार्ण कार्य	200733 / –	4010 / –	200 / –	2 माह
3	कालीचरण से तपेश तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	226449 / –	4520 / –	200 / –	2 माह
4	मन्दिर के पास चौक पर सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	248606 / –	5000 / –	300 / –	2 माह
5	राजू से विजय तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	175860 / –	3500 / –	200 / –	2माह
6	शीतल वाली गली में सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	133706 / –	2710 / –	100 / –	2 माह
7	सतीश से महेन्द्र तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	163664 / –	3270 / –	200 / –	2 माह
8	राजेन्द्र से विनोद तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	194673 / –	3890 / –	200 / –	2 माह
9	मुनीराज से ब्रहम तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	188718 / –	3800 / –	200 / –	2 माह
10	जसवीर से कुक्कन तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	338489 / –	6800 / –	300 / –	2 माह
11	शीतल से जसवीर तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	237842 / –	4800 / –	200 / –	2 माह
12	कुक्कू से विशाल तक सी0–सी0 रोड़ निमार्ण कार्य	179320 / –	3600 / –	200 / –	2 माह
13	मुकेश पाठक वाली गली में इंटरलाकिंग निर्माण कार्य	236408 / –	4700 / –	200 / –	2 माह

नियम व शर्तें:–

1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0 / एफ0डी0आर0 / पासबुक के रूप मे दी जा सकती है जो सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहाँ होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100 / – का नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाये।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत धनौरा

सचिव
ग्राम पंचायत धनौरा

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

सार्वजनिक सूचना
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110055

निम्नलिखित कर्जदार / रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अधीन निम्नवर्णित तिथि को एक सूचना उनके द्वारा बैंक को उपलब्ध कराए गए, उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, जो तथापि उनको सुपुर्द नहीं की जा सकी, अतः एतद्‌ारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा सूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार / सह–कर्जदार / गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति / प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि / सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	तरूण वशिष्ठ, वारू सेठ, फ्लैट सी–4, प्लॉट नंबर 166, शक्ति खंड–2, गाजियाबाद, इंदिरापुरम खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002071939	ए–ए–2, 1904, 19वां तल, गार्डेनिया गेटवे, प्लॉट नंबर 10, सेक्टर–75, नोएडा	12.10.2019 रू. 69,79,882 / –	30–06 –2019
2	वंदना खरे, दिवाकर खरे, 19 / 28, द्वितीय तल, निकट राजीव मेडिकोज, गीता भवन रोड, ज्योति पार्क, गुड़गांव खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002085539	यूनिट नंबर 1903, टावर I, 18वां तल, यूनिवर्सल ऑरा, सेक्टर–82, गुड़गांव	12–10–2019 रू. 27,04,101 / –	31–05 –2019
3	अर्चना नारंग, गौरी शंकर शर्मा, 201, अल फरदान बिल्डिंग मनखूल दुबई पीओ बॉक्स 12439 खाता सं. :– एलबीजीएचजैड00002427760	जी–1401, 14वां तल, टावर जी, टीजीबी नीलगगन, प्लॉट नंबर 3, जीएच–05, सिद्धार्थ विहार, एचएच–24, गाजियाबाद	12–10–2019 रू. 25,66,552 / –	31–05 –2019
4	ओमबीर, पूनम, 55 ग्राम साकीपुर जीबी नगर ग्रेटर नोएडा खाता सं. :– एलबीएनओडी00003150565	प्लॉट नंबर 60, ग्राम सेक्टर जीटा–1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	12–10–2019 रू. 15,34,001 / –	31–05 –2019
5	सीमा अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, 104, सिद्धार्थ अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 31, सेक्टर–56, गुड़गांव खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002364579	फ्लैट नंबर 0704–एच–एच / 0401, चतुर्थ तल, दि फर्नहिल, सेक्टर–91, गुड़गांव	12–10–2019 रू. 15,10,337 / _	31–05 –2019
6	विश्वेश्वर विकल, निर्मला, सी 39 एसएफ संजय एन्क्लेव, उत्तम नगर, डीके मोहन गार्डन, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00003073419	फ्लैट नंबर ए–1306, 13वां तल, अंतरिक्ष गोल्फलिंक्स, प्लॉट नंबर जीएच–15 ए, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा	12–10–2019 रू. 39,62,763.7 / –	30–06 –2019
7	राजन गुहा, जॉली गुहा, ए–36 / 19, डीएलएफ फेज–1, गुड़गांव, हरियाणा खाता सं. :– एलबीजीयूआर00001346468	फ्लैट नंबर 60 / 9 / 2, भू तल, वार्ड नंबर 94, टोजी नंबर 56, जेएल नंबर 41, खतियान नंबर 125, सीएस प्लॉट नंबर 978, जिला साउथ 24 परगना, हरि पदा, दत्ता लेन, पीएस जादवपुर, कोलकाता–700001	19–10–2019 रू. 15,05,843 / –	31–08 –2019
8	नीरज राठौर, हेमा राठौर, 214, न्यू आशियाना अपार्टमेंट, प्लॉट नंबर 10, सेक्टर–6, द्वारका, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00001370037	फ्लैट नंबर 502, 5वां तल, गौड़ हाइट्स, सेक्टर–4, वैशाल गाजियाबाद–201001, उत्तर प्रदेश	11–10–2019 रू. 22,41,116 / –	31–07 –2019
9	अनिल दीक्षित, सुधा दीक्षित, 1 / 1191बी, मोती राम रोड, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00001411680	फ्लैट नंबर जी 4, अपर ग्राउण्ड फ्लोर, प्लॉट नंबर सी–133, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन–।।, गाजियाबाद	10–10–2019 रू. 4,74,397.64 / –	31–03 –2019
10	राजेश सोनक, बृज सोनक, 71–डी, पाकेट–1, फेज–1, मयूर विहार, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00001992077	यूनिट नंबर आर018बी161502 / फ्लैट नंबर 1502, 15वां तल, टावर बी–16, सेक्टर–1, सुपरटेक ईको विलेज–1, प्लॉट नंबर 8, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश–201303	11–10–2019 रू. 13,62,009 / –	31–05 –2019
11	नरेश कुमार, पूनम, संजीव कुमार, 16 / 33, वसुंधरा, गाजियाबाद खाता सं. :– एलबीडीईएल00002080645	मकान नंबर 16 / 33, एमआईजी फ्लैट्स, भू तल, छत का अधिकार नहीं, सेक्टर–16, वसुंधरा, गाजियाबाद	10–10–2019 रू. 34,79,792 / –	30–06 –2019
12	नारायण रतनलाल चंडाक, ज्योत्सना नारायण चंडाक, 2डब्ल्यू–402, ऑरो टाउनशिप, ग्रेटर नोएडा, सेक्टर–चाई–1, ग्रेटर नोएडा खाता सं. :– एलबीडीईएल00002189901	टावर डी, फ्लैट नंबर 1404, 13वां तल, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 75,23,636 / –	31–07 –2019
13	जगतार सिंह, दीपा सिंह, फ्लैट नंबर 635, पाकेट–2, सेक्टर–19, द्वारका, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00002302503	फ्लैट नंबर 601, टावर ए, छठा तल, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 59,91,962 / –	31–07 –2019
14	हरेन्द्र सिंह राणा, ऋचा राणा, कार्ट ब्लांश सॉल्यूशन्स, फ्लैट नंबर 11 / 1, एमिला 4 वाटिका सिटी, सोहना रोड, गुड़गांव खाता सं. :– एलबीडीईएल00002354898	टावर 3, एसटीआर–3, 1002, स्टार कोर्ट अपार्टमेंट, जेपी ग्रीन, ग्रेटर नोएडा	10–10–2019 रू. 90,46,077 / –	31–07 –2019
15	राजविन्दर सिंह बेदी, अनु शर्मा, फ्लैट नंबर 10ए, सेंट्रल पार्क–।।, सोहना रोड, सेक्टर–48, गुड़गांव खाता सं. :– एलबीडीईएल00002372261	फ्लैट नंबर डी 501, 5वां तल, शिन्टेल्स सेरेनिटी टावर डी, सेक्टर–109, गुड़गांव–122001	10–10–2019 रू. 1,20,90,514 / –	30–04 –2019
16	ललित कुमार, बिन्दु कौशिक, सी–607, एकता रेजिडेंसी मुंबई, गोवा हाईवे सेक्टर–6, खांडा कालोनी, पनवेल, मुंबई खाता सं. :– एलबीडीईएल00002374854	फ्लैट नंबर 1403, 13वां तल, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 86,71,855 / –	31–07 –2019
17	अंकुर चेतिया, ब्यूटी चेतिया, ए–01, प्रथम तल, सर्वोदय एन्क्लेव, दिल्ली खाता सं. :– एलबीडीईएल00002375756	टावर जी,, भू तल, फ्लैट नंबर 002, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 88,59,496 / –	31–07 –2019
18	मनमोहन वर्मा, मकान नंबर 197, सेक्टर–8, फरीदाबाद खाता सं. :– एलबीजीएचजैड000002368656	फ्लैट नंबर जीएफ 01, टावर टी–7, ओरियन गैलेक्सी, सेक्टर–68, गुड़गांव अथवा 01 जीएफ, टावर टी–7, स्पायर साउथ, बादशाहपुर, सोहना रोड, सेक्टर–68, हरियाणा–122001	10–10–2019 रू. 1,13,31,354 / –	31–07 –2019
19	रोहित बेरी, शशि कान्त, सान्द्रा रोड्रिग्स, एमएजी 214 / 108, जेएलटी दुबई खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002316318	जे–004, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 1,30,44,977 / –	31–07 –2019
20	अश्वनी जॉली, ईशान जॉली, 515सी सेंट्रल पार्क 2, सोहना रोड, गुड़गांव खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002342825	टावर टी–4, भू तल, फ्लैट नंबर जीएफ 03, ओरियन गैलेक्सी, सेक्टर–68, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 82,27,644 / –	31–07 –2019
21	श्रीनिवास प्रसाद पाठक, तनुश्री पाठक, मकान नंबर 81–398, बीएम / 183, प्लॉट नंबर 403, एफएल नंबर 501, ड्रीम्स अपार्टमेंट पैरामाउंट हिल्स टोलीचौकी, तेलंगाना, हैदराबाद खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002386628	एच –505, 5वां तल, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 1,04,12,479 / –	31–07 –2019
22	राजेश शर्मा, राखी शर्मा, 335, पाकेट 16, सेक्टर–3, द्वारका, दिल्ली खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002388147	फ्लैट नंबर 104, टावर डी, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 86,32,467 / –	31–07 –2019
23	विशांक चौधरी, वीर सिंह, एच नंबर टीएफ 69, वरदान अपार्टमेंट, अभय खंड–3, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201014खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002411226	टावर सी–2, चतुर्थ तल, फ्लैट नंबर 402, विक्ट्री एस, प्लॉट नंबर जीएच–02, सेक्टर–143, गौतमबुद्ध नबर, उत्तर प्रदेश	10–10–2019 रू. 62,57,504 / –	31–08 –2019
24	विनय मिश्रा, मिष्टु विनयकुमार मिश्रा, सेक्टर 11 पी 111, निकट मेट्रो हर्ट ऐंड रिसर्च सेंटर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश– 201301, नोएडा खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002829229	फ्लैट नंबर जीएफ 02, भू तल,, टावर टी–5, ओरियन गैलेक्सी, सेक्टर–68, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 85,47,612 / –	31–07 –2019
25	राजेश सैनी, श्वेता सैनी, 6 / 10, द्वितीय तल, लान्टाना स्ट्रीट, आइरिस ए वाटिका सिटी, सोहना रोड, सेक्टर–49, गुड़गांव, हरियाणा–122018 खाता सं. :– एलबीजीयूआर00002908583	टावर डी, फ्लैट नंबर 904, 9वां तल, कैपिटल गेटवे, सेक्टर–111, गुड़गांव	10–10–2019 रू. 84,59,678 / –	31–07 –2019
26	राजेश कुमार श्रीवास्तव, प्रियंका कुमारी, फ्लैट नंबर 1003, जीएच–7, टावर 1, ब्लॉक डी–1, क्रॉसिंग्स रिपब्लिक, एनएच–24, एबीईएस इंजी. गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201009 खाता सं. :– एलबीजीयूआर00003097197	फ्लैट नंबर ए–1908, अंतरिक्ष वैली, प्लॉट नंबर जीएच–15 / डी, सेक्टर–1, ग्रेटर नोएडा	10–10–2019 रू. 46,68,380 / –	31–06 –2019
27	नीरज वर्मा, सरिता वर्मा, डी–30 एमआईजी सेक्टर–82, नोएडा खाता सं. :– एलबीएनओडी00002067505	फ्लैट नंबर ए–2 / 1906, टावर ए, 19वां तल, गार्डेनिया गेटवे, ईको सिटी, प्लॉट नंबर 10, सेक्टर–75, नोएडा	10–10–2019 रू. 63,24,253 / –	30–04 –2019
28	अनूप कुमार सिंह, रीना सिंह, बी–84, लोहिया नगर, गाजियाबाद खाता सं. :– एलबीएनओडी00002080880	फ्लैट नंबर टीबी–2003, दि अरण्य, 20वां तल, जीएच–02, सेक्टर–119, नोएडा	10–10–2019 रू. 40,71,369 / –	30–04 –2019
29	अयाज उल हारून, नूरी मदार, ई–721, ई ब्लॉक, वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली खाता सं. :– एलबीएनओडी00002118507	फ्लैट नंबर ई–195, भू तल, ब्लॉक टाइप ई, पैरामाउंट गोल्फ फॉरेस्ट, प्लॉट नंबर बीजीएच–ए, साइट सी (हाउसिंग एक्सटेंशन), सेक्टर–जीटा के सामने, सूरजपूर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश	11–10–2019 रू. 22,78,515 / –	31–05 –2019
30	प्रभु नारायण मिश्रा, गौरी मिश्रा, ई–1, सूर्य विहार–।।, सेहतपुर, फरीदाबाद खाता सं. :– एलबीएनओडी00002182273	बी.–जीएफ–17, गार्डेनिया गेटवे, प्लॉट नंबर 10, सेक्टर–75, नोएडा	10–10–2019 रू. 45,20,722.08 / –	30–04 –2019
31	कुणाल मराठा, वंदना कौल, ओ–103, ग्रीन वैली अपार्टमेंट्स, प्लॉट नंबर 18, सेक्टर–22, द्वारका, दिल्ली खाता सं. :– एलबीएनओडी00002222351	फ्लैट नंबर बी–1501, 15वां तल, टावर टी–2, शुभकामना सिटी, प्लॉट नंबर जीएच–02ए, सेक्टर–01, नोएडा, उत्तर प्रदेश	11–10–2019 रू. 22,27,604 / –	31–08 –2017
32	शिव कुमार, प्रतिभा राजपूत, सी–33, सी ब्लॉक, वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली खाता सं. :– एलबीएनओडी00002364401	एलआईजी फ्लैट न

मानवाधिकार पर खतरा आतंकवाद से ज्यादा बड़ा नहीं

कश्मीरी संगठन ने अमेरिकी आयोग से कहा है कि राजनीतिक रूप से प्रेरित गवाहों से वह प्रभावित नहीं हो

एजेंसी। वॉशिंगटन

कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक अमेरिकी संगठन ने अमेरिका के एक आयोग से कहा है कि मानवाधिकार और नागरिक स्वतंत्रता को खतरा, आतंकवाद और कट्टरपंथ से ज्यादा बड़ा खतरा नहीं है। संगठन ने आयोग से कहा है कि राजनीतिक रूप से प्रेरित गवाहों से वह प्रभावित नहीं हो।

टॉम लैंटोस मानवाधिकार आयोग के समक्ष दर्ज कराए गए बयान में कश्मीरी ओवरसीज एसोसिएशन (केओए) ने नाखुशी जताई कि आयोग ने समुदाय के सदस्यों से मुलाकात नहीं की जो पिछले 30 वर्षों से अधिक समय से चुपचाप मानवाधिकार उत्पीड़न को सह रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रभुता वाले आयोग ने बृहस्पतिवार को जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों की स्थिति पर सुनवाई की।

केओए अध्यक्ष शकुन मुंशी और सचिव अमृता कौर की तरफ से सौंपे गए बयान में कहा गया, इससे संभावित विशेषज्ञ गवाह, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों और लोगों से ज्यादा विस्तृत जवाब मिलता और इससे आयोग की सुनवाई और अच्छे तरीके से हो पाती।प्रेस को शुक्रवार को जारी बयान में केओए ने आयोग के सह सदस्यों जेम्स मैकगवर्न और क्रिस्टोफर स्मिथ से आग्रह किया कि इस प्लेटफॉर्म को राजनीतिक रूप से प्रेरित गवाहों की जकड़ में नहीं होना चाहिए।

इसने कहा, आयोग को जम्मू-कश्मीर में भारत के समक्ष अलग तरह की सुरक्षा चुनौतियों को पहचानना चाहिए जो सीमा पार आतंकवाद के कारण उत्पन्न होती है और उसे खरी-खरी बातें करनी चाहिए। इसने कहा, हम आयोग से आग्रह करते हैं कि पाकिस्तान से आग्रह करे कि वह भारत में आतंकवाद को प्रायोजित करने की अपने देश की नीति को खत्म करे। बयान में कहा गया है कि यह धर्म से इतर जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के संरक्षण और सम्मान की पूर्वशर्त है।

केओए ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति सीमा पार आतंकवाद के कारण है। इसने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में अपने देश की नीति के तहत आतंकवादियों के समूह को उत्पन्न किया, उन्हें प्रशिक्षित किया और हथियारबंद किया। इसके कारण पिछले तीन दशकों में जम्मू-कश्मीर में 42 हजार से अधिक नागरिकों की मौत हुई।

असम में एनआरसी के जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है : यूएससीआईआरएफ

वाशिंगटन। अमेरिका में धार्मिक स्वतंत्रता के मामलों पर बनी एक संघीय संस्था यूएस कमिशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने आरोप लगाया है कि असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने और मुस्लिमों को राज्यविहीन करने का एक साधन है।

यूएससीआईआरएफ ने शुक्रवार को कहा कि असम के भारतीय नागरिकों को मान्यता प्रदान करने वाली एनआरसी की अंतिम सूची में 19 लाख निवासियों का नाम शामिल नहीं किया गया है। संस्था ने कहा कि कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने चिंता जाहिर की है कि असम के बंगाली मुस्लिम समुदाय को मताधिकार से वंचित करने, नि:संदेह रूप से नागरिकता के लिए धार्मिक आवश्यकता की स्थापना करने और बड़ी संख्या में मुस्लिमों को संभवत: राज्यविहीन करने के लिए एनआरसी एक लक्षित तंत्र के समान है। राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) एक पंजी है जिसमें सभी मूल भारतीय नागरिकों के नाम शामिल हैं। असम में इस पंजी को अद्यतन करने की प्रक्रिया 2013 में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद शुरू की गई। इसके तहत राज्य के करीब 3.3 करोड़ लोगों को यह साबित करना था कि 24 मार्च 1971 से पहले वे भारत के नागरिक थे।

कोलंबो, श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने के लिए कतार में खड़े लोग

श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए मतदान

● मुस्लिम मतदाताओं को ले जा रही बसों पर गोलीबारी

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका में राष्ट्रपति पद के लिए शनिवार को हो रहे चुनाव के लिए मतदान से कुछ घंटे पहले उत्तर पश्चिम श्रीलंका में अल्पसंख्यक मुस्लिम मतदाताओं को ले जा रही बसों के एक काफिले पर कुछ बंदूकधारियों ने गोलियां चलाईं।

यह चुनाव ईस्टर संडे बम विस्फोट के बाद सुरक्षा चुनौतियों और बढ़ते राजनीतिक ध्रुवीकरण से जूझ रहे श्रीलंका का भविष्य तय करेगा। इस चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार और आवासीय मंत्री सजीथ प्रेमदासा(52) और पूर्व रक्षा सचिव एवं विपक्ष के नेता गौतबाया राजपक्षे(70) के बीच कड़ा मुकाबला है। नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन से अनुरा कुमारा दिसानायके भी एक मजबूत उम्मीदवार हैं। स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे मतदान आरंभ हुआ जो शाम पांच बजे तक जारी रहेगा। एक करोड़ 59 लाख मतदाताओं के लिए देश भर में कुछ 12,845 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। रिकॉर्ड 35 उम्मीदवारों में से श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना के उत्तराधिकारी का चयन किया जाएगा।

वोट देकर बाहर निकलते सजीथ प्रेमदासा

मतदान करने के बाद गौतबाया राजपक्षे

वर्ष 2015 में राष्ट्रपति चुने गए सिरिसेना इस बार चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। कड़ी सुरक्षा के बावजूद कुछ बंदूकधारियों ने मुस्लिम मतदाताओं को ले जा रही बसों के एक काफिले पर गोलीबारी की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

हमलावरों ने सड़क पर टायर जलाए और 100 से अधिक वाहनों वाले एक काफिले पर हमला करने के लिए सड़क अवरुद्ध कर दिया था। कोलंबो के 240 किलोमीटर उत्तर में तांतरीमाले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बंदूकधारियों ने गोलियां चलाईं और पथराव भी किया। उन्होंने दो बसों पर निशाना साधा लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। पुलिस ने बताया कि तटीय शहर पट्टालम के मुसलमान मतदान के लिए मन्नार जिले में जा रहे थे। पुलिस बल ने घटनास्थल पर पहुंच कर काफिले को सुरक्षा के साथ मतदान केंद्रों तक पहुंचाया और मतदान संपन्न कराया। श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव में तमिल और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के मत इस करीबी मुकाबले में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अमेरिकी इतिहास में ऐसे दोहरे मापदंड कभी नहीं देखे: ट्रंप

● महाभियोग सुनवाई पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने खिलाफ चल रही महाभियोग की कार्यवाही के बारे में कहा कि उन्होंने अमेरिकी इतिहास में ऐसा दोहरा मापदंड पहले कभी नहीं देखा।

ट्रम्प के खिलाफ सार्वजनिक सुनवाई के दूसरे दिन यूक्रेन में अमेरिका की पूर्व राजदूत मैरी योवानोविच ने डेमोक्रेट के नियंत्रण वाली संसदीय समिति के समक्ष गवाही दी। हाउस परमानेंट सेलेक्ट कमेटी ऑन इंटेलिजेंस के डेमोक्रेटिक सांसदों द्वारा यूक्रेनियों के साथ ट्रम्प

की बातचीत के बारे में योवानोविच से सवाल-जवाब किए जाने के मद्देनजर ट्रम्प ने ट्वीट किया, हमारे देश के इतिहास में इस प्रकार का दोहरा मापदंड कभी नहीं देखा?

ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत मिलने से बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उनकी फोन पर पहली बार हुई बातचीत की जानकारी सुनवाई से पहले जारी की। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है।ट्रम्प ने उनके खिलाफ प्रतिनिधि सभा द्वारा शुरू की गई महाभियोग की कार्यवाही में डेमोक्रेटिक पार्टी पर रिपब्लिकन को नियत प्रक्रिया में भाग नहीं लेने देने का आरोप लगाया।

उन्होंने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा, हमारे देश के इतिहास में ऐसा अपमान कभी नहीं हुआ, जो अब हो रहा है। मुझे अपनी बात रखने का अधिकार है। मुझे भी अन्य लोगों की तरह अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन उन्होंने (डेमोक्रेट्स ने) रिपब्लिकन का (प्रश्न करने का) अधिकार छीन लिया है। ट्रम्प ने कहा, मैंने आज देखा कि बहुत प्रतिभाशाली कुछ लोग (रिपब्लिकन) सवाल पूछना चाहते थे, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं दी गई।

बोलीविया में राजनीतिक संकट गहराया, संघर्ष में पांच की मौत

एजेंसी। सकाबा (बोलीविया)

बोलीविया में मौजूदा राजनीतिक संकट उस समय और गहरा गया, जब सुरक्षा बलों ने देश के पूर्व राष्ट्रपति इवो मोरालेस के समर्थकों पर गोलीबारी की जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

इस घटना ने मोरालेस के इस्तीफे के बाद स्थिरता बहाल करने के अंतरिम सरकार के प्रयासों को मुश्किल में डाल दिया है।सकाबा में मेक्सिको हॉस्पिटल के निदेशक गुआदालबेर्टो लारा ने बताया कि कोचाबम्बा शहर के निकट सकाबा में हताहत होने वाले अधिकतर लोगों को गोलियां लगी हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने 30 साल के करियर में ऐसी भयानक हिंसा नहीं देखी। मोरालेस ने देश में बढ़ते राजनीतिक और सैन्य दबाव के चलते अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने मेक्सिको में शरण ले रखी है। उनके समर्थक उन्हें देश में वापस बुलाने की मांग कर रहे हैं। राजनीतिक संकट से गुजर रहे देश की कमान इस वक्त सांसद जीनिन अनेज के हाथ में है।

मोरालेस ने ट्वीट किया कि नरसंहार किया गया है। उन्होंने अंतरिम राष्ट्रपति जीनिन अनेज के नेतृत्व वाली देश की सरकार को तनाशाह करार दिया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट किया, अब वे सकाबा में हमारे भाइयों की हत्या कर रहे हैं। इससे पहले अनेज ने घोषणा की थी कि मोरालेस देश में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। साथ ही उन्होंने मोरालेस को समर्थन देने के लिए मेक्सिको सरकार की आलोचना की।

क्विक न्यूज

लंदन में नाटो सम्मेलन में शामिल होंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने लंदन में नाटो के 70वीं वर्षगांठ शिखर सम्मेलन में शामिल होने ब्रिटेन जाएंगे। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ट्रंप का यह दौरा ब्रिटेन के आम चुनावों के लिए होने वाले मतदान से कुछ दिन पहले होगा। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन 12 दिसम्बर को होने वाले चुनाव में फिर से सत्ता में आने का प्रयास कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने अपने बयान में कहा कि ट्रंप और अमेरिका की पहली महिला मेलानिया दो दिसम्बर से चार दिसम्बर के ब्रिटेन दौरे पर नाटो सम्मेलन और महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होंगे। ट्रंप ने हमेशा से नाटो की आलोचना की है।

दलाई लामा की सराहना को अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका के चार प्रभावशाली सांसदों ने कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें वैश्विक शांति और अहिंसा में योगदान के लिए तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की प्रशंसा की गई है। हाउस आफ रिप्रजेंटेटिव्ज में पेश इस प्रस्ताव से कुछ सप्ताह पहले धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी विशेष दूत सैमुअल डी ब्राउनबैक ने भारत के धर्मशाला की यात्रा की थी और दलाई लामा से मिलकर धार्मिक आजादी पर काम करने के तरीकों पर चर्चा की थी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता 83 वर्षीय दलाई लामा धर्मशाला में निर्वासन में रहते हैं। वह चीन के कब्जे से बचने के लिए 1959 में भारत आ गए थे। कांग्रेस के सदस्य टेड योहो ने सदन में प्रस्ताव रखा जिसमें उनके साथ माइकल मैकक्वॉल, क्रिस स्मिथ और जॉर्ज मैकगवर्न सह-प्रस्तावक हैं।

ट्विटर ने सामाजिक कल्याण संबंधी संदेशों को दी छूट

वाशिंगटन। ट्विटर ने कहा है कि राजनीतिक विज्ञापनों पर लगाए गए उसके प्रतिबंध से उन संदेशों को छूट मिलेगी जिनमें सामाजिक या पर्यावरणीय मामलों को उठाया गया होगा। ट्विटर ने 22 नवंबर से सभी पेड राजनीतिक संदेशों पर प्रतिबंध लगाए जाने के अपने कदम के बारे में जानकारी दी और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा जाहिर की गई चिंताओं को दूर किया। ट्विटर ने अपनी नई नीति में कहा, शिक्षित करने, जागरूकता फैलाने, लोगों से असैन्य मुहिमों में भाग लेने की अपील करने वाले, आर्थिक विकास, पर्यावरण सुरक्षा या सामाजिक समानता से जुड़े विज्ञापनों को अनुमति दी जाएगी। ट्विटर ने राजनीतिक विज्ञापनों को प्रतिबंध की घोषणा 30 अक्टूबर को की थी जिसका मकसद नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार को रोकना था।

इराक़ के बग़दाद में इराकी सुरक्षा बलों और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष के दौरान ग्रीन ज़ोन सरकारी क्षेत्रों में जाने वाले अल-सिनक पुल को बंद करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों द्वारा निर्धारित कुछ कंक्रीट की दीवारों और बाधाओं पर नियंत्रण किया।

बगदाद में प्रदर्शनकारियों के ठिकाने के पास बम विस्फोट में एक की मौत

बगदाद। बगदाद में शुक्रवार देर रात प्रदर्शनकारियों के ठिकाने के पास एक वाहन के नीचे रखे बम में विस्फोट के कारण कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने पत्रकारों से कहा कि विस्फोट तहरीर चौक के पास हुआ जहां पिछले तीन हफ्तों से सरकार बदलने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर रखा है।

मानव तस्करी के मामले में भारतीय दंपति दोषी सिद्ध

सिंगापुर। सिंगापुर के बोट क्वे में दो क्लब चलाने वाले एक भारतीय दंपति को तीन बांग्लादेशी महिलाओं को अवैध तरीके से यहां लाने के मामले में शुक्रवार को दोषी पाया गया।

खबर के मुताबिक भारतीय नागरिक प्रियंका भट्टाचार्य राजेश (29) और माल्कर सावलाराम अनंत (49) पर महिलाओं के उत्पीड़न का आरोप भी लगा था। इनमें से एक महिला को देह व्यापार में धकेला गया। दोषी दंपति को 19 दिसंबर को सजा सुनाई जाएगी। एक चैनल ने अदालती दस्तावेजों के हवाले से बताया कि इन महिलाओं को कंगन और किक क्लबों में डांसर के तौर पर नौकरी और 60,000 बांग्लादेशी टका (982 सिंगापुरी डॉलर) दिए जाने का वादा किया गया था। अभियोजन पक्ष ने बताया कि महिलाओं को यहां दमनकारी परिस्थितियों में रखा गया।

पायलट के आपात संदेश के बाद पाक हवाई यातायात नियंत्रक ने भारतीय विमान को बचाया

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान नागर विमानन प्राधिकरण के एक हवाई यातायात नियंत्रक ने एक भारतीय विमान के पायलट से आपात संदेश मिलने के बाद विमान को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाया। जयपुर से ओमान की राजधानी मस्कत जाने वाले विमान के पायलट ने खराब मौसम के कारण यह संदेश जारी किया था।

विमानन प्राधिकरण से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दक्षिणी सिंध प्रांत के चोर इलाके में विमान का असामान्य मौसमी स्थितियों से सामना हुआ।द न्यूज इंटरनेशनल की एक खबर के अनुसार विमान में 150 यात्री सवार थे। विमान बृहस्पतिवार को कराची क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भर रहा था तभी विमान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया और लगभग उसी वक्त वह 36,000 फुट की ऊंचाई से गिरकर 34,000 फुट की ऊंचाई पर आ गया।

नतीजतन पायलट ने आपात प्रोटोकॉल जारी किया और पास के स्टेशनों को खतरे की सूचना दी।

पाकिस्तान के हवाई यातायात नियंत्रक ने पायलट की चेतावनी पर तुरंत प्रतिक्रिया की और आसपास के क्षेत्र में विमान को शेष यात्रा के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घने हवाई यातायात के माध्यम से निर्देशित किया। इस साल भारत के साथ गतिरोध के मद्देनजर करीब पांच महीने के प्रतिबंध के बाद पाकिस्तान ने 16 जुलाई को अपने हवाई क्षेत्र भारत के लिए खोल दिए थे। बालाकोट हवाई कार्वाई के बाद पाकिस्तान ने 26 फरवरी को अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था।

अमेरिकी सीनेट ने सर्वसम्मति से सिखों पर प्रस्ताव पारित किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वें प्रकाशपर्व के अवसर पर इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के साथ ही अमेरिका में सिखों के योगदान को रेखांकित किया है। इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर टॉड यंग और मेरीलैंड से डोमोक्रेटिक सीनेटर बेन कार्डिन द्वारा पेश किए गए सिख धर्म पर अपनी तरह के पहले प्रस्ताव को गुरुवार को सिखों के पहले गुरु के 550वें प्रकाश पर्व पर पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया कि अमेरिका और दुनियाभर में सिख समानता, सेवा और ईश्वर के प्रति भक्ति के मूल्यों और आदर्शों के साथ रहते हैं, जिसकी शिक्षा सर्वप्रथम गुरु नानक ने दी थी। सीनेट के प्रस्ताव में चार प्रमुख सिखों का भी जिक्र था जिन्होंने अमेरिका के लिए योगदान दिया।

रूसी एस-400 की खरीद से पीछे नही हटेंगे: तुर्की

एजेंसी। अंकारा

तुर्की ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका की प्रतिबंध लगाने की धमकी के बावजूद वह रूस से एस-400 प्रक्षेपास्त्र रक्षा प्रणाली की खरीद से कदम पीछे नहीं हटाएगा।

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन के प्रवक्ता इब्राहिम कालिन ने सरकारी प्रसारक टीआरटी हाबर को दिए एक साक्षात्कार में कहा, कदम वापस खींचने का सवाल ही नहीं, तुर्की एस-400 को सक्रिय करेगा। तुर्की का रूस से सौदा और जुलाई में इस प्रणाली की आपूर्ति नाटो सहयोगियों तुर्की और अमेरिका के बीच तनाव का एक प्रमुख कारण है। अमेरिका ने पिछले महीने कहा कि अगर तुर्की ने एस-400 प्रणाली सक्रिय नहीं की तो उसे 2017 के कानून के तहत प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया जाएगा। सीएएटीएसए नाम का अमेरिकी कानून रूस से हथियारों की खरीद पर पाबंदी लगाने का अधिकार देता है। इस खरीद के परिणामस्वरूप तुर्की को एफ-35 युद्धक विमान कार्यक्रम से भी हटा दिया गया था।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बुधवार को हुई एर्दोआन की बातचीत के एजेंडे में भी यह मुद्दा शामिल था।

पेट्रोल कीमतों में वृद्धि के बाद ईरान में प्रदर्शन, एक की मौत

तेहरान। ईरान में पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ हुए प्रदर्शन के एक दिन बाद अर्धसरकारी समाचार एजेंसी ईएसएन ने शनिवार को बताया कि सीरजान शहर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। सीरजान के कार्यवाहक गवर्नर मोहम्मद महमूदाबादी ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोई मारा गया। उन्होंने कहा कि मौत के कारण और क्या उसे गोली मारी गई या नहीं? यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। प्रदर्शन के दौरान कई अन्य लोग घायल भी हुए हैं। महमूदाबादी ने कहा, सुरक्षा बलों को गोली मारने की अनुमति नहीं दी गई है और वे केवल चेतावनी के लिए गोली चला सकते हैं।

चीन ने हांगकांग में लोकतंत्र के लिए प्रदर्शन के बाद पहली बार सैनिक तैनात किए

बीजिंग

हांगकांग में पांच महीने पहले लोकतंत्र समर्थक अभूतपूर्व प्रदर्शन शुरू होने के बाद पहली बार चीन ने वहां अपने सैनिक तैनात किए हैं। बीजिंग ने शनिवार को यह कदम उठाया। इस पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश (हांगकांग) में ए प्रदर्शन एक प्रस्तावित प्रत्यर्पण कानून के विरोध में शुरू हुए थे।

हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक विश्व की सबसे बड़ी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की हांगकांग छावनी से सैनिकों को हांगकांग में अशांति शुरू होने के करीब पांच महीने बाद पहली बार तैनात किया गया है। दर्जनों चीनी सैनिकों ने सड़क पर से अवरोधकों को हटाने में मदद के लिए अपनी कोवलून छावनी से मार्च किया।

साल भर में यह पहला मौका है कि जब पीएलए की स्थानीय छावनी को जन सामुदायिक कार्य में लगाया जा रहा है। सैनिकों में ज्यादातर ने हरी टी-शर्ट और काली पैंट पहन रखी थी। उनके हाथों में लाल रंग की बालटी थी। वे रेनफ्रीयू रोड पर अवरोधकों को हटाने के लिए सुबह चार बजे अपनी छावनी से निकले थे। एक सैनिक ने बताया कि उनके कार्य का हांगकांग सरकार से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा गढ़े गए एक मुहावरे को उद्धृत करते हुए कहा, हमनें यह शुरू किया...हिंसा रोकना और अव्यवस्था खत्म करना हमारी जिम्मेदारी है।

सरकार समर्थकों ने निकाली रैली

हांगकांग। इस सप्ताह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के जबरदस्त प्रदर्शन के बाद शनिवार को सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली।

लोकतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन के दौरान इस सप्ताह कई जगहों पर तोड़फोड़ और नाकेबंदी के कारण अर्द्धस्वायत्त क्षेत्र में जन जीवन ठप पड़ गया और ट्रेन सेवाएं प्रभावित होने के साथ स्कूलों और दुकानों को भी बंद करना पड़ा। हालात को सही तरह से नहीं सभाल पाने के लिए आलोचना झेल रही पुलिस के समर्थन में शनिवार की सुबह करीब 500 लोगों के समूह ने हांगकांग सरकार के मुख्यालय के बाहर रैली निकाली। इस रैली में भाग लेने वाले अधिकतर लोग अधेड़ उम्र के और वरिष्ठ नागरिक थे।

चीनी राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और पोस्टर लिए हुए लोग पुलिस के समर्थन में नारे लगा रहे थे। पुलिस का मनोबल बढ़ाने के लिए वे उपद्रव रोकने के दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें भी लिए हुए थे। लोकतंत्र के समर्थन में इस सप्ताह हांगकांग में हजारों लोग रैलियों में हिस्सा लेने सड़कों पर उतरे। इन रैलियों में कई सरकारी कर्मचारी भी थे। हालांकि, हांगकांग सरकार ने अपने कर्मचारियों को चेताया कि प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए पकड़े जाने पर उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा।

इजराइल ने गाजा में हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

एजेंसी। गाजा सिटी

इजराइल ने हमास को निशाना बनाते हुए गाजा पर शनिवार को फिर हमला किया। इजराइली सेना ने कहा कि दो दिन पूर्व शुरू हुए संघर्ष विराम के बावजूद फलस्तीनी क्षेत्र से रॉकेट दागे गए थे।

सेना ने कहा कि पूर्व के अभियानों से इतर हमले में इस्लामी जिहाद को निशाना नहीं बनाया गया बल्कि इस बार निशाने पर हमास था जिसका वास्तव में गाजा पर नियंत्रण है। इजराइल और इस्लामी जिहाद के बीच बमबारी के बाद गुरुवार सुबह को संघर्षविराम लगाया गया था।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने गाजा में हमास के ठिकानों को निशाना बनाया है। सेना ने कहा, गाजा पट्टी से इजराइली क्षेत्र में दो रॉकेट दागे गए थे और वायु सुरक्षा द्वारा इन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया गया। उसके बाद सेना ने हमले शुरू किए। फलस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजराइली हमले में क्षेत्र के उत्तर में स्थित हमास के दो ठिकानों को निशाना बनाया गया था। सेना के एक बयान में कहा गया, लक्षित ठिकानों में हमास के आतंकी संगठन का एक सैन्य शिविर और हमास के नौसैनिक बल द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला एक सैन्य परिसर था। इजराइल ने मंगलवार को एक अभियान में इस्लामी जिहाद के एक सर्वोच्च कमांडर की हत्या की थी। यह संगठन गाजा पट्टी क्षेत्र में हमास के बाद दूसरे सबसे शक्तिशाली फलस्तीनी चरमपंथी समूह है। इस हमले के तत्काल बाद इस्लामी जिहाद द्वारा इजराइल में जवाबी रॉकेट हमले किए गए। इन हमलों की वजह से देश के दक्षिणी और मध्य क्षेत्र में लोगों को सुरक्षित ठिकानों में पनाह लेनी पड़ी।

इजराइली सेना ने कहा कि लड़ाई में उसके इलाके में करीब 450 रॉकेट दागे गए और वायु रक्षा ने उनमें से दर्जनों को आसमान में ही नष्ट कर दिया। इजराइली सेना ने कहा कि इसके जवाब में इजराइली वायुसेना ने भी हवाई हमले किए। दो दिनों तक चली हिंसा में 34 फलस्तीनी मारे गए थे जबकि इजराइल की तरफ किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। इसके बाद गुरुवार सुबह दोनों पक्षों में संघर्षविराम पर सहमति बनी थी।

पायनियर
रविवार, 17 नवंबर, 2019
एजेण्डा

अपने आसपास ऐसे लोगों का होना जरूरी है जो खुद से प्यार करते हैं व अपने प्रति सच्चे हैं, जिनके अपने शौक होते हैं और उनकी दुनिया हालीवुड के गिर्द नहीं घूमती है
– वानेसा हडजेंस

पराली का धुआं - एक प्रचंड समस्या

जो लोग राजधानी में रहते हैं, वे शहर में रहने की मुसीबतों से बखूबी वाकिफ हैं। घृणा आधारित अपराध, सड़कों पर मारपीट, गैंग रेप और अब जहरीली हवा, खासतौर पर सर्दियां आने पर, हमारे जीवन का सहज हिस्सा बन गए हैं। प्रस्तुत है शालिनी सक्सेना की रिपोर्ट

हर सियाह बादल में एक सिल्वर रेखा होती है। ऐसा लगता है कि पराली जलाने के कारण दिल्लीवासी और उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों को जहरीली हवा में सांस लेने से कुछ राहत मिल सकती है जब पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह फटकार मिलने के बाद कमर कस ली है कि वे दिल्ली समेत उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में मौजूद भयंकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में विफल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था: ''अधिकारियों को सजा देने का समय आ गया है।''

वे पंजाब के मुख्य सचिव थे जिन्होंने सर्वाधिक कोप का सामना किया। जस्टिस अरुण मिश्रा और दीपक मिश्रा की दो जजों की बेंच ने अतिरिक्त अदालती घंटों के दौरान चली सुनवाई में कहा ''क्या यह तरीका है? हम यहां से रोकेंगे। आप पंजाब के मुख्य सचिव किसलिए हैं? यह आपकी विफलता है।'' अदालत ने कहा, ''लोग मर रहे हैं। प्रदूषण का स्तर 1800 है। हवाई उड़ानों का रास्ता बदला गया है। आपको अपनी उपलब्धि पर गर्व होना चाहिए।''

सफर ने कहा, यह जोर देते हुए कि कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसानों को सरकार से सहयोग की आवश्यकता है, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारों को उन छोटे व निम्नस्तरीय किसानों को , जिन्होंने अपनी पराली नहीं जलाई थी, सात दिनों के भीतर सौ रूपए प्रति कुंटल की सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। पंजाब और हरियाणा में असरकारी पराली जलाना एक बढ़ते रुझान को दिखा रहा है और यह इस साल (3178) अपने चरम पर है जिसने अपनी भागीदारी में उल्लेखनीय 46 फीसदी की वृद्धि दर्शायी है।

चिंताजनक स्तरपर, सेटेलाइट डाटा ने दिखाया कि पंजाब में 28 अक्टूबर से लेकर 4 नवंबर के बीच, पराली जलाने के 8000 से अधिक मामले सामने आए हैं जिसमें से संगरूर में दर्ज मामले 1343 हैं। हरियाणा में, डाटा ने इस अवधि के दौरान 500 से अधिक पराली जलाने में मामले दर्शाए।

क्या हम आखिरकार 1960 दशक की हरित क्रांति की कीमत चुका रहे हैं? आंकड़ें इस बात के पर्याप्त प्रमाण है कि कैसे लगभग छह दशक देश को खाद्य अनाज संसाधनों में आत्मनिर्भर बनाने में लग गए कि आज दिल्ली इसकी कीमत चुका रही है।

अरविंद कुमार, जिनका मूल शोध संडे गार्जियन में प्रकाशित हुआ, ने इसका रहस्योद्घाटन किया कि क्यों दिल्ली हाल के वर्षों में ही धुएं से ढंकी थी जबकि पराली तो पंजाब के खेतों में लंबे समय से जलाई जा रही थी। वह बताते हैं कि हालांकि फसल परिवर्तन किसानों के लिए महत्वपूर्ण और जो पराली जलाने का प्रत्यक्ष कारण नहीं है।

हॉस्टन, टेक्सास में रह रहे श्री कुमार कहते हैं, '' सरकार द्वारा किसानों को धान के मौसम से पहले, अन्य फसलें उगाने को बाध्य करने के लिए, जल संरक्षण के साथ बहाने के रूप में फसल परिवर्तन का उपयोग किया गया है। इससे उन्हें चावल की खेती के बाद गेहूं बोने हेतु अपने खेतों की सफाई करने का बहुत कम समय मिलता है और उनके पास खेतों की सफाई हेतु खेतों को जलाने का सबसे आसान व सबसे सस्ता तरीका अपनाने के सिवा कोई चारा नहीं होता है।''

वह बताते हैं कि इसका पुख्ता प्रमाण है कि फसल जलाना धुआं होने का कारण है। बकौल कुमार, ''2006 से पहले, धुआं होता था लेकिन यह पंजाब में रह जाता था क्योंकि इसे तब जलाया जाता था जब हवाएं अपनी दिशा बदलती थीं। 2006 से पहले दिल्ली में यह समस्या इस पैमाने पर सामने नहीं होती थी। ''

जबसे 2007 की शुरुआत में धान की बुआई में देरी का चलन शुरू हुआ है, दिल्ली पर हमेशा धुंध छाई है। कुमार कहते हैं, '' 2015 से पहले भी हमें धुआं दिखने लगा था। 2007 में इसकी शुरुआत हुई थी जब सरकार ने किसानों को देरी से चावल बोने के लिए कहा था और 2009 में इसकी सघनता में इजाफा हुआ। तभी से हमें हर साल इस समस्या का सामना करना पड़ा है।''

भारतीय किसान यूनियन अध्यक्ष और अखिल भारतीय किसान समन्वय कमेटी अध्यक्ष, भूपिंदर सिंह मान के अनुसार, पराली जलाने से जुड़ा समूचा विवाद वित्तीय है।

साठ एकड़ की पारिवारिक खेती का काम संभालने वाले मान कहते हैं, ''हम जानते हैं कि किसानों के रूप में हमें तार्किक ढंग से सोचना चाहिए लेकिन हर किसी की तरह, वह भी आर्थिक नजरिए से सोचता है। यह एक मिसाल है। किसान केवल वही फसल उगाएगा जिसकी उसे अच्छी कीमत मिले। चाहे यह चावल हो या मक्का। पारंपरिक रूप में, पंजाब गेहूं उगाने वाला क्षेत्र है। हालांकि, धान की खेती को जबरदस्त बढ़ावा दिया गया है। किसान को समझाने की जरूरत नहीं होती है। उसे सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में गेहूं की तुलना में चावल का प्रति कुंटल बेहतर दाम मिलता है। इसे देखते हुए, वह गेहूं क्यों बोएगा? चूंकि अधिक से अधिक किसान धान उगाने लगे हैं, तो इसका अर्थ था कि फसल को ज्यादा पानी की जरूरत थी। पंजाब में गेहूं के खेतों की नहर के पानी के जरिए सिंचाई नहीं होती है। इन वर्षों में, भूजल स्तर नीचे गया है। हालांकि एक समय, व्यक्ति को तीस चालीस फुट पर पानी मिल सकता था, अब उसका स्तर नीचे गिरकर 250-300 फुट पर आ गया है जिससे उत्पादन लागत बढ़ गयी है।''

> *पराली जलाने से जुड़ा समूचा विवाद वित्तीय है। हम जानते हैं कि किसानों के रूप में हमें तार्किक ढंग से सोचना चाहिए लेकिन हर किसी की तरह, वह भी आर्थिक नजरिए से सोचता है। यह एक मिसाल है। किसान केवल वही फसल उगाएगा जिसकी उसे अच्छी कीमत मिले। चाहे यह चावल हो या मक्का। पारंपरिक रूप में, पंजाब गेहूं उगाने वाला क्षेत्र है। हालांकि, धान की खेती को जबरदस्त बढ़ावा दिया गया है। किसान को समझाने की जरूरत नहीं होती है। उसे सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य के रूप में गेहूं की तुलना में चावल का प्रति कुंटल बेहतर दाम मिलता है।*
>
> **— भूपिंदर सिंह मान ,**
> **अध्यक्ष,**
> **अखिल भारतीय किसान समन्वय कमेटी**

वह जोर देकर कहते हैं कि समस्या यहां से उत्पन्न होती है, और बताते हैं कि धान की खेती की ओर क्यों धकेला गया है जिसका कि अप्रैल के छह सप्ताहों के बाद काम शुरू किया जाता है। मान स्पष्ट करते हैं, '' इस स्थिति पर बुद्धिजीवी समुदाय का अपना नजरिया है। काफी चिंतन व मनन के बाद, वे 2009 में जल एवं अवभूमि संरक्षण अधिनियम लेकर आए। इसका अर्थ था कि धान जिसे अप्रैल में बोया जाता है, उसे अब जून में बोया जाता है, इसकी खेती की समयावधिक बदलकर सितंबर से अक्टूबर कर दी गयी। पारंपरिक रूप में, जब धान की सितंबर में खेती होती थी तो भूसा जलाने से धुआं पंजाब में छा जाता था। खेती को आगे बढ़ाने तथा सितंबर अंत में हवाओं में बदलाव से धुआं पड़ोसी राज्यों में फैल जाता है।''

श्री मान बताते हैं कि किसान को बिलकुल खुशी नहीं होती है यदि पराली जलाने की बात आती है क्योंकि उसे भी प्रदूषित हवा में सांस लेनी पड़ती है। दुर्भाग्यवश, उसके पास कोई चारा नहीं है। मान कहते हैं, ''पराली न जलाने की कीमत इतनी अधिक है कि कमजोर किसान इसे वहन नहीं कर सकते। पराली का निपटान करने वाली मशीन की लागत बहुत अधिक है। किसान के पास दो विकल्प होते हैं। पहला, वह इसे काट सकता है और इसे खेत में छोड़ सकता है ताकि यह एक स्वाभाविक खाद में बदल जाए। निसंदेह, इससे जमीन और फसल को लाभ होगा। लेकिन पराली को खाद में बदलने में दो से तीन साल लगते हैं। मान लीजिए किसान यह करना भी चाहे, तो खेत जोतने और पराली को मिट्टी में मिलाने के लिए ट्रेक्टर का खर्च बहुत ज्यादा है। उसे पराली को जलाना ही पड़ता है। जब सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करती है, तो यह उस लागत में नहीं जोड़ती है जो पराली न जलाने के एवज में लगती है। यदि किसान को यह लागत मिलती तो सरकार किसान को यह कह सकती है कि कि उसने पहले से पराली या अवशेष को न जलाने की कीमत का भुगतान किया है और अगर वह फिर भी पराली जला रहा है तो उसे अवमानना की सजा भुगतनी पड़ सकती है। ''

अब, किसान अप्रेल में धान बोना चाहता है तो उसे सुनिश्चित करना होगा कि मिट्टी में नमी रहे बजाय इसके कि धान बोने के लिए खेत की कुड़ाई कराए। पुरानी तकनीक का उपयोग करने का अर्थ होगा कि घासफूस की रोकथाम के लिए खाद का अत्यधिक उपयोग जो अच्छा नहीं है। खुद घासफूस निकालना एक विकल्प होता है। किसान के लिए इसमें लागत बहुत अधिक होती है। वह स्वच्छ हवा व ऐसी फसलें चाहते हैं जो खादमुक्त हों। इसमें लागत लगती है। और समस्या यह है कि कोई भी यह अतिरिक्त लागत नहीं वहन करना चाहता है।

वकील चरनपाल सिंह बागड़ी, जो सुप्रीम कोर्ट में चल रहे पराली मुकदमे की सुनवाई में किसानों का पक्ष रखने के लिए राजधानी में थे, बताते हैं कि किसान के पास पराली से निपटने की तकनीक नहीं होती है। बागड़ी का, जो स्वयं एक किसान हैं, कहना है ''हम चाहते हैं कि कोर्ट सरकार को पराली से निपटने व उसे न जलाने के लिए किसानों को धन देने का आदेश दे। उसके बाद किसान क्या करता है, यह उसकी समस्या है। पिछले सप्ताह, जब सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई की, तो उसे जमीनी सच्चाई का पता चला, उसने उन किसानों को मुआवजा देने का आदेश दिया जिन्होंने अभी तक पराली को नहीं जलाया है। किसान देश की रीढ़ हैं। उनसे पैसा लेने के बजाय, किसानों को पराली से निपटने के लिए धन दिया जाना चाहिए।''

कुमार बताते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान के अनुसार, धान के खेतों में पानी भूजल को रीचार्च करने में योगदान करता है और इसका बहुत कम हिस्सा वाष्पीकृत होता है। विचित्र ढंग से, युनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलेपमेंट (यूएसएआईडी) द्वारा, जो कि मोंसेंटो जैसे अमरीकी बहुराष्ट्रीय कारपोरेशनों के फ्रंट समूह जैसा आचरण करती है, फसल परिवर्तन के नाम पर धान उगाने से परे धकेला गया है। यह तथ्य कि भारत का खाद्य में आत्मनिर्भर होना उन संगठनों के लिए परेशानी का सबब बनता है जो विश्व खाद्य क्षमता हासिल करने के नाम पर जीएम फसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। उन लोगों से, जो मानते हैं कि मोंसेंटो और पराली जलाने के बीच कुछ संबंध है, कुमार का कहना है। वह बताते हैं, ''वो भाग जलाने की समयावधि में निहित है, जहां यूसेड और मोंसेंटो भूमिका निभाते हैं। इनकी जांच करने और यह तथ्य कि यह मोंसेंटो की फसल है, इस पर आधारित पंजाब व हरियाणा में बनाए गए कानून धान को प्रतिस्थापित करने के लिए थे, के पर्याप्त कारण है। जब मैंने 2017 में अपना आलेख लिखा था, तो नासा के गोबार्ड सेंटर के एक वैज्ञानिक, जो प्रदूषण पर काम करते हैं, ने ट्रवीट किया कि उन्हें मेरा लेख पढ़ने के बाद महसूस हुआ कि क्यों 2009 के बाद ही सेटेलाइटों ने नवंबर में ज्यादा आग की घटनाएं पहचानी हैं। बदलाव 2007 में शुरू हो गया था और इसे इस तथ्य से आसानी से पकड़ा जा सकता है कि पंजाब सरकार ने 2007 में किसानों को फसल परिवर्तन करने के लिए प्रोत्साहित किया था और 2008 में अधिसूचना का उपयोग कर, किसानों को चावल उगाने में विलंब करने के लिए बाध्य किया था।''

>> पेज 3

जो गलत हो गया उसमें मत उलझो। बल्कि सोचो कि अब आगे क्या करना है। उत्तर ढूंढ़ने की दिशा में कदम बढ़ाने पर अपनी ऊर्जा लगाएं।
- डेनिस वेटली

संतुलित मन के लिए हमेशा सजग रहें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

त्योहार का समय अब समाप्त है। उत्सव के दौरान देखे गए उपायों ने पवित्रता की भावना जागृत की होगी। जो बिना किसी प्रकार के पूर्वाग्रह के, एक स्वच्छ मन के साथ नयी शुरुआत करने का अवसर प्रदान करती है। अब यह समय है कि स्वयं जिम्मेदारी लें, खुले मन के साथ उपलब्ध विकल्पों पर विचार करें और सही मार्ग चुनें। फिर आप समस्त क्षमताओं के साथ, आसानी से भावी समय की चुनौतियों से निपटने में सक्षम हो सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें- मन स्वभाव से अस्थिर होता है और दोहरेपन की भावना से संचालित होता है। इसलिए मन अपने दम पर लंबे समय तक दिशा व क्रम की अपनी समझ बनाए नहीं रख सकता जब तक कि व्यक्ति इसे संतुलित बनाए रखने के प्रति सजग नहीं रहता। क्या व्यक्ति को सजगता की भावना खो देनी चाहिए, ताकि अवसर पाते ही, विचार बीजों के रूप में मौजूद स्वभाव प्रवृत्तियों को सक्रिय हो जाएं और जिसका स्वाभाविक खामियाजा व्यक्ति को भुगतना पड़े। क्योंकि आदतें मुश्किल से बदलती हैं। यहां, भगवतगीता समेत कठोपनिषद में उद्धृत ज्ञान के सारथी के रूपक को याद करना उचित है। अर्जुन एक रथ पर बैठे हैं, जिसे पांच घोड़े खींच रहे हैं, जिनकी लगाम सारथी के रूप में भगवान श्री कृष्ण के पास है। यहां, रथ व्यक्ति की सकल काया का प्रतीक है। अर्जुन उसमें मौजूद आत्मा का प्रतीक हैं जो व्यक्ति के बहुआयामी जीवन का सार रखती है। घोड़े अवधारणा के पांच इन्द्रीय अंगों को दर्शाते हैं। घोड़ों को खींचने वाली लगामं मन का प्रतीक हैं। कृष्ण बुद्धि (विशिष्ट बौद्धिक क्षमता)का प्रतिनिधित्व करते हैं। उचित मार्ग पर चलने वाले रथ के पास एक यात्रा है जिसपर उसे अपने सवार को अपेक्षित गंतव्य तक ले जाना है। यदि लगामों को ढीला छोड़ दें तो घोड़े मार्ग व आसपास मौजूद घास की ओर आकर्षित हो आजादी का आनंद लेने लगेंगे। इस प्रक्रिया में, रथ की चाल भटक जाएगी। घाय यहां जीवन की लालसाओं का प्रतीक है। याद रखें, मन अस्थिर होता है, यह अपने स्तर पर इन्द्रियों को नहीं साध सकता। हालांकि अगर बुद्धि के उपयोग द्वारा लगामों को नियंत्रित किया जाता है, जो घोड़े निगरानी में रहेंगे और रथ इन्हें इच्छित गंतव्य पर निर्बाध गति से पहुंचाने में सक्षम होगा।

संदेश सरल व स्पष्ट है लेकिन बुद्धि को हर समय सक्रिय अवस्था में बनाए रखने के लिए, जीवन में सही रास्ता चुनना कठिन हो जाएगा। वर्ना हमारी अदृश्य स्वभाव प्रवृत्तियां निरंतर हमारे लिए विध्वंसक भूमिका निभाती रहेंगी। जो हमारे लिए लाजिमी बना देता है कि हम नियमित आधार पर अपने भीतर झांकें, अंदर चल रहे विचारों को परखें, उन्हें पहचाने तथा नकारात्मक शैलियों को स्वीकार करें और शैक्षणिक जानकारियों के जरिए उन्हें हल करे। अक्सर हमारा अंतर्निहित अहंकार हमें तटस्थतापूर्वक अपनी कमजोरियों को पहचानने नहीं देता। यहां, ज्योतिष, अत्यंत सटीक स्तर पर, एक अत्यंत असरकारी उपचारक उपकरण का काम करता है। क्योंकि , ज्योतिष जन्म के समय गृहों के ऊर्जा मानचित्र की पड़ताल करता है, जो पूर्वजन्म से चले आ रहे, मन की प्रवृत्तियां निर्मित करने वाले कर्मों पर प्रतिक्रिया करता है।

यहां अपनी खुद की आत्ममोही प्रवृत्तियों के शिकार एक बुजुर्ग व्यक्ति का मामला उल्लेखनीय है। यह न केवल उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं बल्कि अक्सर उनके दुर्व्यवहार के कारण घरेलू शांति को भी भंग कर देती है। अगर कभी, कोई करीबी उन्हें स्वयं को सुधारने के लिए कहता है तो उनका अहंकार जग जाता है। वह इसे अपने अपमान के रूप में लेते हैं मानो बुजुर्ग व्यक्ति को सलाह देने लायक कोई नहीं है, इस बात का न महसूस करते हुए कि वे शुभचिंतक के रूप में उन्हीं के भले की बात करते हैं। आइए अब उनकी स्वभाव प्रवृत्तियों के ज्योतिष संकेतकों पर नजर डालते हैं।

कर्क लग्न को इसके स्वामी चन्द्रमा की मंगल के विपरीत अवस्था के साथ जोड़कर देखने से यह दर्शाता है कि वह गुस्सैल हैं, वे कभी भी किसी बात पर बिगड़ सकते हैं। वह गर्ममिजाज होंगे जो मामूली बात पर अपना आपा खो सकते हैं। लग्न राशि में यूरेनस के प्रति पतनशील भाव उन्हें अतिसंवेदनशील बनाता है, जो मामूली बातों को दिल पर ले लेता है। उनमें निराशावादी प्रवृत्तियां भी हैं। वीनस वरुण के विपक्ष में है और उसका मंगल के भी विपरीत अवस्था में होना उनकी आत्ममोह ग्रसित आदतें खुलकर उजागर करता है। सूर्य का अपने घोर शत्रु शनि के विपरीत अवस्था में होना उन्हें एक नकारात्मक सोच, इच्छाशक्ति की कमी तथा सत्य का खुलकर सामना न करना व छिद्रान्वेषी प्रवृत्ति रखने वाला दर्शाता है।

वह स्वभाव से खुद पर तरस खाने वाले तथा दूसरों पर दोष मढ़ने की आदत रखने वाले होंगे, भले ही गलती उनकी ही हो। बुध का शीशविहीन केतु के समन्वय में होना तथा शनि के विपरीत होना भी उन्हें एकांगी सोच का शिकार बताता है जो वास्तविक जानने के लिए परे देखने के लिए उत्सुक नहीं है। यह उनकी मूर्खतापूर्ण तार्किकता व निर्णय क्षमता की कुंजी भी लिए है। मंगल का वरुण के विपरीत अवस्था में संग्रस्त होना उन्हें, चीजों के अपेक्षित रूप में काम न करने पर, हीन भावना से पीड़ित होने का संदिग्ध भी बनाता है। और इसी का नतीजा सबके सामने है।

स्वयं से करें प्रेम

सरिता माथुर कहती हैं कि यदि हम स्वयं को जैसे हैं उसी रूप में स्वीकारते व प्यार करते हैं, तो हम स्वयं से जुड़े उन सभी पहलुओं को बदल सकते हैं जिनके साथ हम सहज नहीं हैं

निरंतर जद्दोजहद भरी इस दुनिया में, हम सचमुच सच्चाई- अपने अर्तमन- के साथ अपना संपर्क खो देते हैं। हमारे मन की शांति पूरी तरह गायब है क्योंकि हम भीड़, काम और आभासी दुनिया के बीच भटकते हैं। क्या हम कभी रूकेंगे? यह सचमुच एक बार बार उठता प्रश्न जिसका केवल एक उत्तर है- अभी। अभी नया दो अक्षरीय शब्द है। अब समय है कि अपने भीतर झांकें और वास्तविकता को उसी रूप में देखें, जैसी असलियत में वो है।

मूल आत्म: हमारा आंतरिक शांतिपूर्ण स्वभाव जहां दुनिया शांत व स्थिर है तथा स्थिरता सर्वोच्च स्थान रखती है। इस स्थिरता से सृष्टि की समझ आती है जिसे शांत मन से समझा जाता है।

एकांत का सुख पाने के लिए सिर्फ कुछ मिनट लगते हैं, शायद आपके समय के दस मिनट। आपको बस यह करना है कि सुबह जागें और कुछ मिनट बस सांस पर ध्यान देते हुए, धीमे धीमे सांस लें और छोड़ें। इससे आपके मस्तिष्क में विचार उमड़ने पर रोक लगेगी। ज्यादातर लोग बाग में या किसी दूसरे कमरे में नहीं जाना चाहते। उन्हें सुबह उठने में आलस महसूस होता है और इससे पहले कि वे इसे जानें, वे हाथ बढ़ाते हैं, और अपने हाथों में, अपनी दुनिया - सेलफोन- पाते हैं। यह अपने हाथ की हथेली में दुनिया लिए हुए ककून पीढ़ी है।

नतीजा फेसबुक, मैसेंजर, व्हाट्सएप, और सिर्फ समय की बर्बादी होती है। सेलफोन पर उन छोटे से टेपबोर्ड पर - बस उस छोटे से क्लिक के साथ घंटों बिताए जा सकते हैं। यह अन्य लोगों के विचार, खयाल व भावनाएं हैं। आभासी दुनिया कभी भी पूर्णतया वास्तविक नहीं है। यहां, लोग अपनी भावनाओं को छिपाने में तथा खुद को वैसा चित्रित करने में सक्षम हैं जैसा वे चाहते हैं कि लोग उन्हें वैसा देखें। वे चाहते हैं कि लोग, जिन्हें वे जानते हैं, उनके प्रोफाइल को पसंद करें। यह रोमांचक होता है यदि वे लोग, जिन्हें वे नहीं जानते, उनकी तस्वीर को या उनकी पोस्ट की गयी सामग्री को पसंद करते हैं। मित्र निवेदन भेजा जाता है और एक आभासी मित्र बन गया। धीरे धीरे, यह हमें अकेला महसूस करा सकता है क्योंकि हम लगातार वैधता तलाश रहे हैं। अपने सेलफोन व इसकी अनगिनत संभावनाओं से एक दिन की दूरी उन्हें पागल बना देगी। खुद के लिए समय निकालें।

खुशी आंतरिक शक्ति पा रही है जो हमें सक्षम बनाती है कि हम शांतिपूर्वक खुद के साथ अपना जीवन बिताएं। एकांत अपने खुद के विचारों व भावनाओं तक पहुंच बनाना है। दुनिया भी बदलना शुरू हो जाएगी जैसे ही हम अपने मन की घाटी में शांति व सुकून पाते हैं। शुरुआत में यह कठिन है लेकिन यदि आप निरंतर प्रयास करते हैं तो आप अपनी खुद की सोहबत का आनंद लेने लगेंगे।

निरंतर व्यस्त रहने की अपनी कोशिश में, हम भूल गए हैं कि हमारी मूल इच्छाएं क्या हैं। पहला काम यह करें कि सुबह अपने सेलफोन में खुद से दूर रखें। मन की शांत अवस्था से पहले समर्पणकारी लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं। खुद के साथ समय बिताना सचमुच लाभकारी है। आप खुद को समझने व जानने लगेंगे। फिर धीरे धीरे आप पूर्वानुमान के जरिए प्रचुरता के बीज बो सकते हैं। अनेक लोग ध्यान नाम शब्द से चिर्तित हो जाते हैं। सचमुच, यह भयावह है क्योंकि मन विचारों की भीड़ के साथ निरंतर संवादरत रहता है। जैसे ही आप मौजूदा दिन की जागरुकता में रहते हैं, आप अपनी खुद की सोहबत का आनंद लेंगे।

अकेले होना अभिशाप नहीं है। यह जीवन की एक अनिवार्यता है। यह हालात को आपके जीवन में खींचने तथा अपना भाग्य में बदलने में आपकी सहायता करती है। खुद के साथ समय बिताने से आपको एकांत का सुख पाने में सहायता मिलती है। लोगों के साथ हमारा संवाद सुधरता है क्योंकि हम स्वयं में तथा अपनी योग्यताओं में नया आत्मविश्वास मिला होता है। हम अपने विचारों व कार्यों की वैधता नहीं चाहते हैं। खुशी पूर्णतया हमारे हाथ में होती है। हम खुशी व शांति हैं। जो हमारा सच्चा स्वभाव है।

स्वयं के साथ समय निकालना व उसका आनंद लेना हमें शांत रहने का अवसर प्रदान करता है, हमेशा स्वयं के प्रति सहज। यह हमें उन लोगों के साथ कीमती समय बिताने में सक्षम बनाता है जो हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं और जो हमारी तरह समान रुचियां साझा करते हैं। यह गपशप व प्रत्यक्ष संवाद तथा वार्ताओं के जरिए व्यक्त होता है जो हमें प्रसन्न व प्रेरित रखते हैं। इसलिए प्रेमपूर्ण जीवन तथा अच्छे कीमती रिश्तों को अनुभव करने के लिए, हमें स्वयं से प्रेम करने तथा अपनी खुद की सोहबत का आनंद लेने की जरूरत है। फिर हमें महसूस होता है कि एकांत अकेलापन महसूस करना नहीं है। हालांकि, यह अपने आसपास की दुनिया के साथ शांति व सदभाव बनाए रखते हुए अपनी खुद की सोहबत का आनंद लेना है। हमेशा की तरह, शुरुआती बिन्दू है आंतरिक दुनिया।

- लेखक वन्स अगेन लव: रीकनेक्टिंग विद द हार्ट की लेखिका हैं।

जीवन से हमें प्रेम करना चाहिए

अजित कुमार बिश्नोई कहते हैं कि प्रेम वो कारक है जो अन्य की तुलना में कुछ लोगों को हमारा अधिक प्रिय बना देता है और जीवन में आनंद लेकर आता है

हम, नन्हीं आत्माओं, के पास चुनाव की सुविधा नहीं होती है कि हम किन आत्माओं के साथ रह सकते हैं। कोई कह सकता है कि हम अपने जीवनसाथी चुनते हैं। क्या यह सचमुच सत्य है? क्या दो लोग फैसला नहीं करते हैं? जबकि यह सिर्फ एक व्यक्ति का फैसला होता है, आज के दौर में नहीं। एक और उदाहरण कम विवादास्पद है। जब हमारे बच्चे होते हैं, तो क्या हम तय करते हैं कि किन आत्माओं को हमारे पास आना चाहिए। सच्चाई यह है कि हम ऐसा नहीं करते और कर भी नहीं सकते। व्यक्ति कामना कर सकता है कि ऐसा व्यक्ति वापस लौट आए, जो हाल ही में परिवार में वापस लौटने के लिए गुजर गया हो लेकिन सृष्टि विधान हमें ऐसा विकल्प नहीं प्रदान करता है। हमें जो भी मिलता है, उसे स्वीकारना पड़ता है। अत्यंत दुर्लभ मामलों में, कुछ आत्माएं दुबारा एक साथ लौटी हैं।

जो कि एक अपवाद होगा, आदर्शतया हमें क्या करना चाहिए? हमें उन व्यक्तियों या आत्माओं से प्रेम करना चाहिए, जिनके साथ हम यहां लाए गए हैं। इसी की आवश्यकता है। अगर हम गौर से देखें तो हमें महसूस होगा कि यह प्रेम है जिसकी हम तलाश कर रहे हैं, विशेष आत्मा की नहीं। क्या होता है जब दो व्यक्ति प्रेमवश विवाह करते हैं और प्रेम की आपूर्ति सूख जाती है? वही दोनों व्यक्ति तलाक लेने के लिए व्यग्र हो जाते हैं। इसीलिए, यह विशेष आत्मा नहीं है जो जोड़ती है, लेकिन प्रेम है जो आत्मा प्रदान करती है। प्रेम ऐसा कारक है जो उस व्यक्ति को प्रिय बना देता है, जिसके साथ हम समय बिताना चाहेंगे, क्योंकि हम सभी बेहतर जीने के लिए प्रेम की जरूरत है।

एक और उदाहरण देता हूं, एक बुजुर्ग दंपत्ति अपने बेटे के परिवार के साथ रहते हैं। बुजुर्ग पुरुष की मौत हो जाती है। अपने पति से अत्यंत प्रेम करने वाली उनकी पत्नी विक्षिप्त हो जाती हैं, लेकिन धीरे धीरे शेष परिवार से मिलने वाले उन्हें शांत करता है। उनका प्रेम जल्द उनके खालीपन की भरपाई कर देता है। हां, बुजुर्ग व्यक्ति का स्थान दूसरा नहीं ले सकता लेकिन बुजुर्ग महिला जो सर्वाधिक चाहती हैं, वो है प्रेम ताकि एक अर्थपूर्ण जीवन जी सके, जो उन्हें अभी भी मिल रहा है। प्रेम का अक्सर नवीनीकरण करना आवश्यक है, वर्ना यह विलुप्त हो जाता है। प्रेम को व्यक्ति करना जरूरी है, इसे असरकारी बनाने के लिए खामोश नहीं किया जा

सकता। केवल ईश्वर ही हमारी सोच तक पहुंच सकता है। हम खामोश रहकर यह गलती करते हैं।

बल्कि हमें मुखर होना चाहिए। यदि आप सचमुच किसी से प्रेम करते हैं तो उसका इजहार करें। विधान इसे पसंद करता है। यदि व्यक्ति, जिसे प्रेम हुआ है, को उचित प्रतिउत्तर नहीं मिलता है, तो विधान उस व्यक्ति के लिए, जिसे प्रेम हुआ है, किसी अन्य के जरिए प्रेम का प्रबंध करता है। जैसे ही इस प्रकार की सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, इसे नष्ट नहीं किया जा सकता। प्रेम किसी मित्र, कर्मचारी या सहायता तक के जरिए पुन: अपना रास्ता ढूंढ़ लेता है। इसीलिए, अपने प्रेम को किसी एक व्यक्ति तक सीमित न करें, जैसा कि अधिकांश लोग करना चाहते हैं, लेकिन अनेक से प्रेम करते हैं, आप कभी भी पछताएंगे नहीं। और आप उस व्यक्ति को खोने से डरेंगे नहीं जिसके साथ आपने खुद को बांध लिया है, आपके लिए हमेशा अन्य लोग होंगे।

एक और काम है जो आप कर सकते हैं और आपका जीवन हमेशा प्रेम से भरा रहेगा, मसलन ईश्वर यानी असीम- से प्रेम करें। वह जैसे प्रेम कर सकता है वैसा कोई और नहीं कर सकता, हम बहुत सीमित हैं, वह असीम है। ईश्वर के बारे में एक और बात है, जो उसे हम सभी से अलग करती है, कि यह उसका प्रेम है जिसे हम हमेशा गिन सकते हैं क्योंकि वह हमेशा हमारे साथ रह सकता है, यदि हम ऐसा चयन करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने का मेरा अनुभव उल्लेखनीय रहा है। उसने मुझे हर वो चीज बख्शी है जो मैंने मांगी। वर्तमान में मैं सुख व शांति मांग रहा हूं और उसमें मुझे कुछ सफलता मिलनी शुरू हो गयी है। प्रेम के विभिन्न घटक होते हैं, मैं उनमें से कुछ का उल्लेख करूंगा। ये हैं: प्रेम, प्रशंसा, सहयोग आदि की अपनी भावनाएं व्यक्त करना। इसके अलावा, वो व्यक्ति जो प्रेम में, धैर्यपूर्वक सुनने, कोई सेवा प्रदान करने, अनेक रूपों में सहायता करने, कभी कभी ठोस सलाहें देने के रूप में दूसरे व्यक्ति की ओर उचित ध्यान देता है, वह अपने कार्यों से भरोसेमंद बन जाता है और आम तौर पर उस व्यक्ति की, उसके उसी रूप में, स्वीकार्यता को व्यक्त करता है। समझदार व्यक्ति ऐसा बहुत बार करते हैं और अपने आसपास रहने वाले लोगों, सबसे महत्वपूर्ण रूप में, ईश्वर, से प्रेम करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

प्रतिउत्तर में, उन्हें दूसरों से व ईश्वर से प्रेम मिलता है, जिसके लिए आत्मा बहुत बेचैन रहती है। प्रेम को व्यक्ति केन्द्रित होने की आवश्यकता नहीं है। आम तौर पर, ऐसा नहीं हो सकता क्योंकि यही वो तरीका है जिसमें सृष्टि विधान काम करता है, सिवाय ईश्वर के मामले में। शेष जगत के लिए हमें आत्माओं से संतुष्ट होना पड़ेगा जो कर्मफल सिद्धांत के कारण हमारे साथ आती हैं।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

स्वस्थ व आनंदकारी जीवन जीने के फैसले के साथ सप्ताह आरंभ करने की सलाह है। यह अपनी दिनचर्या को नियमित करके व अपनी इन्द्रियों को साध करके संभव है। योग, व्यायाम व पौष्टिक आहार आपके लिए महत्वपूर्ण होगा। आपका करियर इस सप्ताह अच्छा संकेतक दिखाता है और आप अप्रत्याशित आर्थिक उपलब्धि अनुभव करेंगे। बदलाव सकारात्मक है, बिजनेस आगे बढ़ेगा, नौकरीशुदा की पदोन्नति हो सकती है।

शुभ अंक: 39 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** बुधवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

स्वास्थ्य मामले में यह सप्ताह अच्छा है। आप अपार ऊर्जा व रचनात्मकता अनुभव करेंगे। स्त्री प्रभाव, या तो आपकी मां या पत्नी, आपकी स्वास्थ्य आवश्यकताएं पूरी करने में सहायता करेगा तथा शारीरिक व मानसिक स्तरों के बीच संतुलन बनाए रखने में प्रेरणादायी कारक बनेगा। आप अपने करियर में सुस्त हो सकते हैं क्योंकि आप प्रतिद्वंद्वियों व प्रतियोगियों की ठोस जांच के दायरे में हैं। आप बंधन में महसूस करेंगे।

शुभ अंक: 18 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

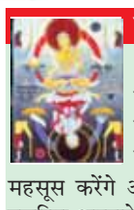

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए, आपको पंचतत्वों से सकारात्मक ऊर्जा लेने की जरूरत है। आप अत्यंत प्रेरित महसूस करेंगे और जीवन में आपको संतुलित नजरिया अपनाने की जरूरत है। अपनी इच्छाओं पर काबू पाएं और अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। कार्यस्थल पर, आप जुझारू और मेहनती हैं। आप नयी योग्यताएं, व तकनीकें सीखना चाहते हैं। आपक समर्पण व एकाग्रता आपके हित में काम करेंगे।

शुभ अंक: 21 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह यह जरूरी है कि आप अपनी सेहत का खयाल रखें। डाक्टर के पास जाना जरूरी है। उचित चिकित्सा सलाह व उपचार समय की आवश्यकता है इसलिए ऐसे सभी मामलों पर खुलकर विचार करें। ईश्वर में आपकी आस्था अच्छी है और यह आपको एक शांतिपूर्ण व्यक्तित्व पाने में सहायता करेगी। करियर मोर्चे पर अच्छी खबरें मिलने की संभावनाएं हैं। मनचाही जगह पर ट्रांसफर हो सकता है।

शुभ अंक: 28 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

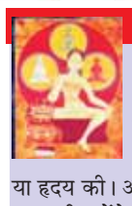

अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए आप कुछ करेंगे। आपको फैसला करना चाहिए कि आप अपने मन की सुनना चाहते हैं या हृदय की। आप अच्छा स्वास्थ्य पाने के लिए कुछ भी करेंगे। आपका फैसला करना चाहिए कि आप अपने मन की सुनना चाहते हैं या हृदय की। पहला नजरिया अपनी परम आंतरिक आवश्यकताओं व अपेक्षाओं की पड़ताल करना होगा। आपका करियर गतिरोध अवस्था में आ सकता है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** मंगलवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

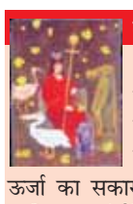

इस सप्ताह आप ऊर्जा, रचनाशीलता व सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आपको इस ऊर्जा का सकारात्मक कार्यों में उपयोग करना चाहिए। स्वयं में संतुलन बनाए रखना सुनिश्चित करें। करियर मोर्चे पर, आप सहज नेता साबित होंगे। आप अपने उदार व ईमानदार स्वभाव से दूसरों का दिल जीतेंगे। जो लोग इस सप्ताह प्रतियोगिता परीक्षा या साक्षात्कार में भाग ले रहे हैं उनकी सफलता सुनिश्चित है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

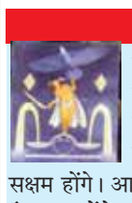

इस सप्ताह आप अच्छे स्वास्थ्य व क्षमता व का सुख लेंगे। आप न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार की भी देखभाल करने में सक्षम होंगे। आप स्वस्थ परिवार के लिए पुख्ता इंतजाम करेंगे और अपना लक्ष्य हासिल करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। करियर मोर्चे पर, आपको व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और अपने काम के मामले में कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने की जरूरत होगी। आप एकतरफा प्रेम महसूस करेंगे।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग :** नीला **शुभ दिन:** मंगलवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

स्वास्थ्य मामलों में, बदलाव अच्छे के लिए है। आपका सकारात्मक नजरिया और भी सुधार लेकर आएगा। तेज भागते जीवन के कारण मानसिक तनाव व थकान दूर होंगे और आप राहत महसूस करेंगे। शारीरिक व्यायाम व प्रकृति में रहना आपके लिए सर्वोत्तम होगा। अपने करियर में, आप बेहतर संभावनाओं वाले नए रोजगार अवसर पाने वाले हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वालों को सफलता मिलना सुनिश्चित है।

शुभ अंक: 19 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

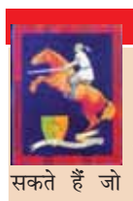

आपको सकारात्मक परिवेश की आवश्यकता है जहां आप आराम कर सकें। मानसिक टकराव व तनाव का सामना कर सकते हैं जो आपके बीपी में निरंतर होते बदलाव का कारण हो सकता है। अपनी बेलगाम ऊर्जा के नियंत्रण पर ध्यान दें। अनुशासित जीवनशैली, संतुलित आहार, नियमित चिकित्सा जांच व व्यायाम अपरिहार्य हैं। बहस व गुस्से से परहेज करें। करियर में आप खुद को भरोसेमंद साबित करेंगे।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

इस सप्ताह आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे हैं। बीमारी से उबरने व स्वस्थ जीवन जीने के आसार हैं। किसी करीबी के उपचार या देखभाल संबंधी भावनात्मक मसले पर विचार होगा। फिट रहने के लिए शारीरिक व्यायाम व संतुलित आहार जैसी स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हैं। करियर मामले में यह सप्ताह सर्वोत्तम है। आपको सकारात्मक व सहज होने की जरूरत है। आप अपने अधिकारियों का विश्वास जीतेंगे।

शुभ अंक : 14 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

इस सप्ताह आप बेचैनी व तनाव से घिरे रहेंगे। आप भविष्य को लेकर अत्यंत चिंतित हैं। इससे तनाव होगा। सिरदर्द, अनिद्रा, या बीपी जैसी स्वास्थ्य समस्याएं तंग कर सकती हैं। आपको भय, निराशा, व अनिश्चितता जैसी नकारात्मक भावनाओं को स्वयं पर सवार नहीं होने देना चाहिए। अपने वर्तमान पर ध्यान दें। करियर मोर्चे पर चापलूसों से दूर रहें। वे गलत सूचनाओं के जरिए आपको भरमा सकते हैं। प्रेम संबंध विवाह में बदल सकता है।

शुभ अंक: 31 **शुभ रंग:** फिरोजी **शुभ दिन:** गुरुवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

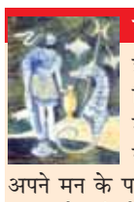

इस सप्ताह आप मूडी व चिड़चिड़ें रहेंगे। यह अपने शारीरिक स्वास्थ्य की चिंता के कारण हो सकता है। आपको अपने मन के पशुवत पहलू को नियंत्रित करना व अपने अंतर्बोध पर भरोसा करना चाहिए। जागृति के मार्ग पर चलें व एकाग्रचित्त हों। करियर में, आपको अपनी बेहतर भलाई की दिशा में काम करने की जरूरत है। आप अपने जीवन में किसी भी अधूरे कार्य का सामना करने, गलतफहमी को दूर करने में सक्षम होंगे।

शुभ अंक: 29 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** मंगलवार

ज्ञान का प्राधिकार रहस्य व आश्चर्य की भावना की हत्या नहीं करता। हमेशा और ज्यादा रहस्य मिलते हैं
- अनाइस निन

समय और काल से ऊपर

हमारे पड़ोसी देशों की चिंतन प्रक्रिया में, कृष्ण कथा, उसके आदर्शों व अवधारणाओं से जुड़ाव तथा विदेशी धरती पर कृष्ण की अनुगूंज की पड़ताल करती हैं डा आशा गोस्वामी

यह ज्ञात है कि 200 से 300 ईसापूर्व तक, भारत में कोई स्थायी सत्ता नहीं थी। इसलिए भारतीय अधिकांशतया सुमात्रा, जावा, बोर्नियो, मलेशिया व इंडो-चीन जैसे पड़ोसी देशों के उपनिवेश थ, उनमें से कुछ तो उन दिनों भारतीयों द्वारा शासित भी थे। ऐसी आम स्थिति ने स्वाभाविक तौर पर अनेक भारतीय परंपराओं, जिनमें विदेशी भूमि में कृष्ण परंपरा शामिल थी, के निर्मूलन की ठोस जमीन बनने का काम किया।

कृष्ण ने किस प्रकार ग्रीक व अन्य विदेशियों को प्रभावित किया इसका आंकलन इसके प्रति भारतीय संस्कृति की भूमिका से किया जा सकता है क्योंकि यह समस्त दिशाओं में देशों की प्रेरणा का प्रामाणिक स्रोत है, खासतौर पर गुप्तकाल के दौरान। कृष्ण की अनुगूंज उन देशों में फैलती है, विष्णु-अराधना ने पहले से अपना रास्त पा लिया था।

सबसे पहले, कंबोडिया में कृष्ण की अनुगूंज को कृष्ण किंवदंतियों की अनेक आदर्श प्रस्तुतियों के रूप में देखा जा सकता है जो अंगकोर वाट के मंदिर में स्थित पाई जाती हैं जिनका निर्माण 12वीं सदी में हुआ था। यह हम जावा में कृष्ण के प्रभाव की बात करते हैं, तो यह उल्लेख करना लाजिमी होगा कि यह देश पहले एक अजी साका का उपनिवेश था जो महाभारत महाकाव्य के नायकों से संबंधित कहा जाता है। बाली की बात करें तो कृष्ण की प्रतिश्रुति रास व अन्य लीलाओं समेत महाभारत के महापात्रों के कथानकों पर आधारित बैले नृत्य या लोक नृत्य की शैली में उल्लिखित है। इसके अलावा, भारत युद्ध से संदर्भित जावानी काव्यात्मक कृति को काकाविन कहा जाता है जबकि इसमें नायक के रूप में कृष्ण व सारथी के रूप में अर्जुन की भूमिका का उल्लेख है। इसे उस देश में कृष्ण की गूंज के ठोस प्रमाण में देखा जा सकता है। इसी प्रकार, रुक्मिणी के अपहरण में कृष्ण की भूमिका, जरासंध के साथ उनका युद्ध जिसमें कहा जाता है कि पांडवों ने कृष्ण से सहायता की प्रार्थना की थी, जैसी कहानियां भी जावा में लोकप्रिय हैं।

इसके अलावा, द्वारिकाधीश के रूप में कृष्ण जावा में भी अत्यंत लोकप्रिय हैं। जावा वासी कृष्ण की पत्नियों के नामों से काफी परिचित भी हैं। नरकासुर या भौमा असुर से लड़ाई संबंधी कृष्ण की कहानियों का भी देश में आनंद लिया जाता है। साथ ही साथ, जावा वासी मांजिंग नामक अपने पूर्व राजा को भौमा का अवतार भी मानते हैं, जिन्हें भूदेवी या पृथ्वी द्वारा विष्णु-कृष्ण का पुत्र भी कहा जाता है।

जावा वासियों के पास भगवतगीता का अपना अनुवाद है। नेपाल में कृष्ण प्रतिश्रुतियों की बात करें तो कहा जाता है कि यह उनके धर्मग्रंथ, नेपाल-महात्म्य में उल्लिखित है, नेपाली भगवान विष्णु के अवतारों में से एक कृष्ण की पूजा करते हैं। कृष्ण के प्रति आकर्षण को नेपाल या पाटन में स्थित कृष्ण मंदिर के रूप में चिन्हित किया जा सकता है।

लाओस में कृष्ण की अपील के रूप में, यह देश कृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध की बाना दानव से हुई लड़ाइयों से मोहित है जिसका कृष्ण द्वारा अपने पौत्र अनिरुद्ध की रक्षा करने हेतु वध किया गया था। अनिरुद्ध के बाना दानव की पुत्री, उषा के साथ प्रेम प्रसंगों की कहानी न सिर्फ लाओस में बल्कि थाईलैंड में लोकप्रिय है जहां यह 'अनिरुत' नामक शीर्षक से थाई कविता के रूप में संरक्षित है। कविता में कथ्य व विवरण लगभग वही है जो भारत में पौराणिक धर्मग्रंथों में उल्लिखित है।

इसके बाद, श्रीलंका में कृष्ण की छवियों को विष्णु मंदिरों में मौजूद उनकी मूर्तियों के रूप में देखा जा सकता है। बर्मा से कृष्ण का संबंध वहां के मंदिरों में उनकी मूर्तियों में नजर आता है, जो उन्हें विष्णु के दस अवतारों में से एक व्याख्यायित करती हैं।

इसी प्रकार, बैंकाक में संग्रहालय कंस का वध करती कृष्ण मूर्तियों का संरक्षण करते हैं। थाइलैंड में गोवर्धन पर्वत उठाए हुए कृष्ण को चित्रित करती पत्थर की मूतियां कृष्ण की गोवर्धन लीला की थाई प्रस्तुति का संकेत करती है। स्थानीय लोग भी कृष्ण की अन्य बाल लीलाओं से भली भांति परिचित हैं। इसी प्रकार, कंपूचियाई लोग कृष्ण की एक ऐसे व्यक्ति के रूप में छवि रखते हैं जो सांवले रंग रूप का है,व साधारण ग्रामीण व्यक्ति के रूप में पीतांबर वस्त्रों में अपने सिर पर मोरपंख सजाए है।

विदेशी धरमी पर कृष्ण की प्रतिश्रुतियों को उन पश्चिमी देशों में स्थित संग्रहालयों में भी देखा जा सकता है, जिन्होंने कृष्ण लीलाओं की अभी तक चित्रात्मक दृश्यावलियों में संरक्षित कर रखा है। इन विदेशी संस्थानों में हैं बलिन, लंदन, क्लीवलैंड ओहियो, हार्वर्ड तथा अमरीका में तमाम स्थानों पर मौजूद संग्रहालय। यही इस बात को प्रमाणित करता है कि भारत से इतर, कृष्ण से जुड़ाव विदेशी भूमियों तक सुदूर फैला हुआ है।

दिलचस्प यह कि, न केवल कृष्ण परंपराएं व उनकी लीलाओं ने सुदूर तक की यात्रा की है, बल्कि इन्होंने ग्रीस, पोलिनेशिया, आस्ट्रेलिया व अफ्रीका जैसे अन्य देशों की मिथकीय परंपराओं के ढांचे में भी अपनी जगह बनाई है।

जहां, उड़ीसा के पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में प्रतिष्ठापित श्रीकृष्ण, को उन देशों की स्थानीय मिथकीय परंपराओं की छवियां लिए हुए दिखाया जाता है वहीं वृंदावन और गोकुल के बाल अवतार के रूप में उनका चरवाहा रूप हेराक्लीज, अपोलो व अन्य ग्रीक देवताओं की छवियां लिए हुए है। ग्रीक देवता हेराक्लीज को अक्सर कृष्ण से जोड़ा जाता है। सुंदर व सुवक्ता कृष्ण ग्रीक देवता अपोलो के व्यक्तित्व की छवि लिए हुए भी दिखते हैं। महाकाव्य महाभारत में कृष्ण का क्षेरुमट नामक ग्रीक राजा के वध का संदर्भ दिखाता है कि कृष्ण कथा ग्रीक महाकाव्यों का कृष्ण संप्रदाय को संरक्षण देना भी यूनानियों द्वारा भारतीय परमावतार, कृष्ण के प्रति अत्यंत सम्मान का वर्णन करता है। कुछ तो कृष्ण का संबंध ग्रीक देवता डायोनिसस व उनके संप्रदाय के पवित्र उत्सव के साथ जोड़ते हैं। न केवल यह, कृष्ण की युद्ध श्रंखला को ग्रीक देवताओं के समान समझा जा सकता है जो यही साबित करती है कि यहां एक मिलती जुलती सांस्कृतिक विरासत, एक जैसी धरोहर, एक जैसी धार्मिक परंपराएं मौजूद हैं जिसमें कुछ भारतीय व यूनानियों की अपनी विशिष्ट भागीदारी थी। सचमुच, दुनिया में साझा संस्कृति व परंपराएं चिन्हित करने के लिए कितना कुछ है।

- लेखिका प्रसिद्ध भारतीय विद व कृष्णकथा विशेषज्ञ हैं।

दिलचस्प यह कि, न केवल कृष्ण परंपराएं व उनकी लीलाओं ने सुदूर तक की यात्रा की है, बल्कि इन्होंने ग्रीस, पोलिनेशिया, आस्ट्रेलिया व अफ्रीका जैसे अन्य देशों की मिथकीय परंपराओं के ढांचे में भी अपनी जगह बनाई है।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

इंसान अभी भी नहीं है इंसान

प्रगति जीवन का नियम है, इंसान अभी भी इंसान नहीं बना है। राबर्ट ब्राऊनिंग के ये प्रसिद्ध शब्द एक बार फिर से दोषमुक्त नहीं दिखते हैं जैसे ही केन्या के किपचोग दो घंटे से भी कम समय में 42.195 किमी दौड़कर पुराना मेराथन रिकार्ड तोड़ते हैं। 75 साल पहले यह अच्छा था कि रोजर बेनिस्टर ने चार मिनट से भी कम समय एक मील दौड़कर कुछ ऐसा ही कीर्तिमान स्थापित किया था। बेनिस्टर ने भी सदियों से चला आ रहा रिकार्ड तोड़ा था। इंसानी कदम ऐसे ही होते हैं। मानसिक गांठें पैदा करने वाली बंदिशों को तोड़ने की ज्वलंत इच्छा ही यह कारनामा करती है। मनोवैज्ञानिक इसे उपलब्धि प्रोत्साहन कहते हैं, कवि इसे उदर की आग कहते हैं और प्रबंधन गुरू इसे काइजेन या निरंतर सुधार कहते हैं। लेकिन मूल व्याकरण वही है। पूर्व उपलब्धि में सुधार की गहन इच्छा। हालांकि इसमें एक पेच है। इस गहन इच्छा को दोहरी गहन इच्छा से पोषित करना पड़ता है, लगभग जुनून के स्तर पर। साढ़े चार से अधिक दशक के मनोवैज्ञानिक छात्र के रूप में, मैं अभी भी शास्त्रीय मनोवैज्ञानिकों के आंकलन की शपथ ले सकता हूं कि साधारण इंसान अपनी अधिकतम क्षमताओं को लगभग दस फीसद ही उपयोग करता है, शेष क्षमताएं दिनचर्या के पचड़ों में लुप्त हो जाती है। यह दस फीसद मन की स्व आरोपित बाधा है जो हमें विश्वास दिलाती है कि यहां सीमाएं हैं- यहीं तक, आगे नहीं। लेकिन सच्चाई कुछ और है जो कि बार बार साबित हुई है। उन लोगों के लिए जो अभी भी 1983 विश्वकप क्रिकेट में जिंबाब्वे के खिलाफ कपिलदेव की आतिशी पारी को याद करते हैं, ऐसी पारी जिसने अकेले दम पर खेल की दिशा को बदल कर रख दिया था, वे 175 रन सीमित ओवर के क्रिकेट मैच में कल्पना से बिलकुल परे थे। लेकिन साल 2010 ने सीमित ओवर क्रिकेट का पहला दोहरा शतक देखा। और आज, हमारे अपने रोहित शर्मा है जिन्होंने एक दिवसीय क्रिकेट में तीन दोहरे शतक अपने नाम किए हैं। असलियत में रोहित 264 रन पर पहुंच जाना संकेतक बन गया है कि आज नहीं तो कल एक दिवसीय क्रिकेट में तिहरा शतक लगेगा। टी-20 में भी शतक तथा 175 रन बनाए गए हैं, सिर्फ यह बताने के लिए कि इस फार्मेट में भी दोहरा शतक असंभव नहीं है। इंसानी क्षमता अपार है, बस वे उचित दिशा में निखारी नहीं की जा रही हैं। तीन महत्वपूर्ण पैमाने जिन पर काम करने की जरूरत है, वे हैं उत्पादकता, क्षमता व प्रतिस्पर्धात्मकता। जैसा कि किसी ने बिलकुल सही कहा है: खुद को मात दो। लेकिन लोग ऐसा क्यों नहीं करते हैं।

इसका आसान कारण है कि वे अपनी क्षमताओं को अपना खुद का प्रदर्शन सुधारने में लगाने की बजाय दूसरों को हराने में लगाते हैं। प्रसिद्ध अकबर बीरबल कथाओं की एक पुरानी कथा इस कुछ इस प्रकार बेहतर ढंग से व्यक्त करती है। अकबर को अक्सर कहा जाता था कि बीरबल के प्रति उनका प्रोत्साहन अनुचित था। एक बार उन्होंने बीरबल को गलत ठहराने वालों को गलत साबित करने का फैसला किया। उन्होंने एक सीधी रेखा खींची और दरबारियों से कहा कि इसे बिना छुए छोटा करके दिखाएं। किसी भी दरबारी के पास इसका कोई उपाय नहीं था। फिर, उन्होंने बीरबल से कोशिश करने के लिए कहा। बीरबल ने सीधे उस रेखा के बगल में एक बड़ी रेखा खींच दी और कहा, महोदय, आपकी रेखा अब छोटी है। इसी बात को हमें समझने की जरूरत है। अपने खुद के प्रदर्शन पर ध्यान दें और उसे निरंतर सुधारने का प्रयास करें। बार बार हम कोशिश करेंगे तो सुधार होगा क्योंकि क्षमता अपार है और बिरले ही हम सीमाओं तक पहुंचते हैं। हालांकि, इसका सूत्र समर्पण व गंभीरता में निहित है। इसका मंत्र है वो बना, जो तुम बनना चाहते हो, तुम्हें वो बनना चाहिए जो तुम बनना चाहते हो। और जो तुम बनना चाहते हो, वो बनने का विश्वास करों कि तुम क्या बनना चाहते हो।

पेज एक का शेष

पराली का धुआं - एक प्रचंड समस्या

पंजाब धान की जगह मक्के की खेती क्यों करेगा? कुमार बताते हैं कि यह प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए क्योंकि अधिकांश मक्का चिकन आहार में उपयोग होता है, लेकिन सरकार को यूसेड द्वारा प्रभावित किया गया है जो मोंसेंटो व अन्य कार्पोरेशनों के मंच के रूप में काम करती है। सरकार कम से कम यह कर सकती है कि इनकी जांच करे।

बकौल कुमार, ''मुर्गीचारे के रूप में मक्का उगाने को बढ़ावा देने का कारण पानी का संरक्षण करना है लेकिन यह तर्क ज्यादा पानी की बचत नहीं करता है क्योंकि सरकार ने किसानों को मक्का और कपास दोनों उगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। कपास में चावल से ज्यादा पानी लगता है और मोंसेंटो की बीटी काटन का भारतीय काटन सेक्टर में दबदबा है। हालांकि प्रति किलो चावल के उत्पादन के लिए 3000 लीटर पानी की जरूरत होती है, मगर एक किलोक कपास के उत्पादन में 25 हजार लीटर पानी की आवश्यकता पड़ती है। यदि प्रति हेक्टर इन दोनों फसलों के कुल उत्पादन पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रति हेक्टेयर कपास में लगने वाले पानी की मात्रा प्रति हेक्टेयर चावल में उपयोग होने वाले पानी की मात्रा से अधिक है।''

कुमार मानते हैं कि मुर्गी चारे के लिए मक्का उगाना इरादतन नहीं है लेकिन मोंसेंटो का मक्का इंसानी खपत के लिए अनुपयुक्त है और यदि वे इस जीएमओ मक्के को उगाते हैं तो यह केवल मुर्गी चारे के लिए ही उपयुक्त है।

''

कुमार कहते हैं, ''किसानों का व्यक्तिगत मुनाफा खाद्य उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता से ज्यादा अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। भारत ने जीएमओ के बिना खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल की है, लेकिन हाल के समय में यह प्रचार किया गया है कि दुनिया को खिलाने के लिए जीएमओ खाद्य की आवश्यकता है हालांकि यह दावा आंकड़ा आधारित नहीं है।''

सबसे बड़ी चुनौती जिसका कि पंजाब के किसान का सामना कर रहे हैं, वो यह कि वे भी सोचते हैं कि वे देश के सबसे धनी किसानों में हैं, लेकिन उन्हें नहीं मालूम कि वे अपनी आजीविकाओं को बर्बाद करने की ओर बढ़ रहे हैं और उनकी जगह बड़े बहुराष्ट्रीय कार्पोरेशनों को स्थापित कर रहे हैं जो कारखाना-खेती करते हैं।

''किसानों को मोंसेंटो के बीटी काटन जैसी फसल उगाकर मिलने वाले अल्पकालिक फायदों से बहकाया जाता है, लेकिन अंत में वे मोंसेंटो को अपनी पूरी लगाम सौंप देते हैं। सभी देशों की कृषि में कब्जा जमाए बहुराष्ट्रीय दैत्याकारों के अनेक उदाहरण हैं। अमरीका इसकी प्रमुख मिसाल है। हैती जैसे देशों पर विश्व व्यापार संगठन की नीतियों की सहायता से कब्जा जमा लिया गया और अमरीकी राजनेता बड़े कार्पोरेटों की मदद कर रहे हैं। एक तथ्य जो नजर से ओझल हो गया है वो यह कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मदद के तहत ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं कि पंजाब के किसानों को अपने खेतों में काम करने के लिए मजदूर मिलना कठिन हो जाए और बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उपकरण किसानों को बेच सकें। यदि ऐसा संभव हो जाता है तो खेती करने की लागत बढ़ जाएगी और इस काम को जारी रखना कठिन हो जाएगा और किसानों को स्वेच्छा से बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपनी फसल बेचने के के लिए मजबूर होना पड़ेगा। एक मसला जो हम सबकी चिंता बनना चाहिए, वो यह है कि यूसेड पंजाब के श्रम बाजार में भी संलिप्त है जिसका अर्थ है कि वे राज्य के श्रम बाजार के उलटफेर में सक्रियता से शामिल हैं। ''

बागड़ी स्पष्ट करते हैं कि साधारण ट्रेक्टर से पराली वाले खेत को जोतना इतना आसान नहीं है। एक विशेष ट्रैक्टर की जरूरत होती है जो लगभग आठ से दस लाख में आता है। अल्पकालिक किसान इसका खर्च वहन नहीं कर सकता।

''मैंने भी याचिका दायर की है। जब धान की खेती की जाती है तो इससे प्रदूषण होता है। जब हम इसे बोते हैं तो इसे उपजाने में पेयजल का उपयोग करते हैं। ऐसे में राज्य से पीने का पानी खत्म हो जाएगा। आज, हम धुंध के कारण घुट रहे हैं, कल हम प्यास से मरेंगे। किसानों को पारंपरिक खेती की ओर वापस लाना चाहिए। हमें राज्य को क्षेत्रों में विभाजित करना चाहिए कि कहां व्यक्ति धान उगा सकता है, कहां मक्का उगाया जा सकता है, कहां व्यक्ति दलहन उगा सकता है और कहां आलू उगाया जा सकता है।''

''क्या आप जानते थे कि पंजाब के किसान आलू नहीं उगाते हैं? इसका उत्पादन इतना अधिक है कि किसान इसे सड़कों में फेंक देते हैं। सरकार केवल दो अनाज खरीदती है- चावल और गेहूं। पंजाब के किसान को धान क्यों उगाना चाहिए? राज्य में चावल कौन खाता है? लेकिन किसान पर` इसे उगाने के लिए दबाव डाला जाता है। यहां तक कि, आपके पास अत्यधिक धान रखने की सुविधा तक नहीं है। राज्य सरकार ने स्टोरेज खोले हैं। हजारों कुंटल अनाज बारिश के मौके पर बर्बाद होता है।'' बागड़ी अपनी बात में यह भी जोड़ते हैं कि केवल 1.5 फीसदी भूमि के साथ पंजाब देश के लिए पचास फीसदी खाद्यान्न उत्पादित कर रहा है।

बागड़ी कहते हैं, ''राज्य में किसान को घुमाने के लिए ले जाया जा रहा है। उसे मूर्ख बनाया जा रहा है। अब समय है कि इसे रोका जाए। सर्वोच्च अदालत से मेरा निवेदन है कि वह इलाके अनुसार विभाजन करें कि कहां क्या उगाएं, कहां पर धान, दलहन, गेहूं या फिर मक्का उगाया जाएगा।''

क्या इसका यह अर्थ है कि पहला मक्का आधारित पार्क - जिसे पंजाब के कपूरथला जिले में रिहाना जट्टन गांव में सुखजीत स्टार्क एंड केमिकल्स द्वारा विकसित किया जा रहा है, जिसमें खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा दी गयी 50 करोड़ की ग्रांट के साथ 123.7 करोड़ का निवेश है- जीएम कार्न उगाने को प्रोत्साहित करने वाला कदम है?

कुमार कहते हैं, ''जो निश्चित तौर पर होगा जब कार्पोरेशन किसानों की जमीन पर कब्जा जमा लेंगे या उन्हें अप्रत्यक्ष ठेका कर्मचारियों में बदल देंगे और भारत में कृषि क्षेत्र पर कब्जा जमा लेंगे। भारत को चाहिए कि वह खेती के पारंपरिक तरीके बदलने वाली तथा बड़ी कंपनियों द्वारा खेतों का मालिकाना हासिल करने वाली कारखाना-खेती के खिलाफ रोक लगाए। ''

इसका समाधान ? कुमार कहते हैं, ''पंजाब व हरियाणा चावल की बोआई में देरी करने वाले अपने कानूनों को वापस लें, इस दिशा में सरकार को तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। इसे सिर्फ एक निर्धारित तारीख से पहले, न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रस्तावित करके आसानी से लागू किया जा सकता है। इसके बावजूद पंजाब में हमारे समक्ष धुएं की समस्या तो बरकरार ही रहेगी जिससे निपटने की जरूरत पड़ेगी। इस समस्या को हल करने के लिए, सरकार को खेतों को साफ करने वाली मशीनों में निवेश की जरूरत है और यह काम किसानों के लिए नि:शुल्क करना होगा।''

मर्दानी 2 में एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश है और इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए पूरी योजना बनाई गई है।
- रानी मुखर्जी

'हर चरित्र आपसे कुछ लेता है तो कुछ देता भी है'

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक विशेष बातचीत में पायनियर संवाददाता चहक मित्तल ने उनकी आगामी फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' तथा अब तक की उनकी यात्रा आदि के बारे में जाने उनके विचार-

बात चाहे उनकी एक आतंकवादी, गैंग्स्टर, फोटोग्राफर, लेखक या पुलिसमैन, राजनीतिज्ञ, अध्यापक या भीड़ के एक व्यक्ति की ही क्यों न हो, बड़े परदे पर अब ऐसा कोई रोल नहीं है जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी उपस्थिति दर्ज न कराई हो। उनके इन विविधतापूर्ण भूमिकाओं में आज भी एक कमी है और वो है रोमांटिक भूमिकाओं वाली किसी फिल्म की।

अब उनकी नवीनतम फिल्म 'मोतीचूर चकनाचूर' उनकी इस कमी को दूर करने का काम करेगी। पायनियर से बातचीत में उन्होंने इस रोल को लेने के पीछे की कहानी भी साझा की, तथ्य ये है कि ऐसी भूमिका उन्होंने इससे पहले की ही नहीं थी। वो बताते हैं, 'मैंने मंटो, ठाकरे, गाएतोंडे जैसे रोल तो किये हैं लेकिन ये गंभीर भूमिकाएं थीं। यही कारण था कि मैं किसी हल्की फुल्की फिल्म की तलाश में था। मैं रोमांटिक जॉनर भी करना चाहता था ऐसे ही समय में मुझे ये स्क्रिप्ट मिल गई। इसमे मुझे वो सब कुछ मिल गया जिसे मैं करना चाहता था।'

इस फिल्म को चुनने के पीछे वो एक और कारण बताते हैं जो कि उनकी आठ साल की बेटी है, 'मैं ऐसी फिल्म भी करना चाहता था जो मेरी आठ वर्षीय बेटी भी देख सके। सामान्यतया मेरी फिल्में ए प्रमाणपत्र पाती है और वो उन्हें नहीं देख पाती। चूंकि वो बड़ी हो रही है मैं चाहता था कि वो मेरी फिल्म भी देखे।' वो बताते हैं कि मंटो को भी वो इसलिये नहीं देख सकी थी क्योंकि उसमें कुछ अंतरंग दृश्य भी थे।

फिल्म भोपाल की पृष्ठभूमि पर है जिसमें 36 वर्षीय पुष्पेंद्र सिंह नामक एक व्यक्ति जोरों से पत्नी की तलाश कर रहा होता है। इसमें अथिया शेट्टी एनी की भूमिका में हैं जो किसी एनआरआई लड़के की तलाश में हैं और दुबई जाना चाहती हैं। हालांकि आजकल महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं लेकिन आज भी वे विवाह के लिए किसी एनआरआई लड़के की तलाश करती हैं। वे अकेले भी रह सकती हैं, नवाज बताते हैं कि उनकी फिल्म मध्यमवर्गीय शहरों में रहने वाले लोगों की कहानी है जो मेट्रो से अलग है। वो बताते हैं, 'यदि आप छोटे नगरों में जाएं तो आज भी आपको वहां ऐसे लड़कों को तलाशने वाली लड़कियां मिल जाएंगी जो विदेश में बसना चाहती हैं। चाहे वे स्वयं ऐसे व्यक्ति को न भी तलाश पाएं लेकिन उनके माता-पिता भी उनकी इच्छा का ध्यान रखते हुए ऐसी तलाश में उनकी मदद करते हैं।'

नवाज का मानना है कि कंटेंट अच्छी हो तो किसी फिल्म के लिए संदेश देना अपरिहार्य नहीं रह जाता, 'संदेश तो अपने आप ही मिल जाता है लेकिन जानबूझकर किसी संदेश को फिल्म में डालना विचित्र लगने लगता है। इस फिल्म में आप गहराई में जाए बिना ही जान जाएंगे कि फिल्म एक लड़के और लड़की पर आधारित है जो विवाह के लिए अपनी शर्तें लिये घूमते रहते हैं। लड़की चाहती है कि उसके पति दुबई में काम करते हों ताकि वो अपने फेसबुक पर ये प्रदर्शित कर सके। जबकि लड़के की आयु हो चुकी है और वो अधीर होकर लड़की की तलाश में हे। वो दोनों अपनी अपनी दुनिया में खोए रहते हैं लेकिन जब वे दोनों मिलते हैं तो लड़की को पता चलता है कि लड़की दुबई में काम नहीं करता। वो निराश हो जाती है।' वो ये भी बताते हैं कि फिल्म का नाम इसी सीन के आसपास की कहानी के आधार पर रखा यगया है क्योंकि उसके मोतीचूर के सपने चकनाचूर हो जाते हैं।'

इस फिल्म में भी छोटे नगरों की कहानी को केन्द्र में रखा गया है जैसी कि पहले भी आ चुकी हैं। अब ऐसी फिल्में आ रही हैं जिनमें हीरो सुंदर सजीला न भी हो और नायिका भी उतनी खूबसूरत न हो तो भी उनकी योग्यता और स्वभाव से वो सशक्त हो तो भी ऐसी कहानियां पसंद की जा रही हैं। नवाज की हाल ही में रिलीज़ फिल्म फोटोग्राफ ऐसी ही एक कहानी थी। अब कुछ ऐसा रुझान आ गया है कि हर पांच साल के बाद फिल्मों का प्रारूप बदलने लगता है। वो बताते हैं, 'पांच साल पहले आपको ऐसी वास्तविकता आधारित फिल्में दिखाई भी नहीं पड़ती थी। लेकिन चीजें समय के साथ परिवर्तित होती रहती हैं। यदि आप पांच साल पहले बनी कोई फिल्म देखते हैं तो आप समझ जाएंगे कि आज की फिल्में उससे काफी अलग हैं। आज के बाद के पांच सालों में भी कंटेंट में भारी बदलाव पाएंगे। छोटे नगरों की कहानियों को बड़े परदे पर स्थान मिलना अच्छी शुरुआत है। इस प्रकार से हम अधिक लोगों को फिल्मों से जोड़ पाते हैं जब वे ऐसी फिल्में देखते हैं तो उन्हें अपना जीवन भी याद आ जाता होगा। वे जल्दी ही इससे भी बोर हो जाएंगे। इसके बाद ऐसा ही कोई दूसरा रुझान सामने आएग', हंसते हुए वो बताते हैं।

कुछ समय रुकने के बाद वो बताने लगते हैं कि कुछ साल पहले गैंग्स्टर और डाकुओं पर फिल्मों का चलन हो गया था। उनकी कहानी पर बनी फिल्में काफी पसंद की जाती थीं, 'उस समय सभी पिक्चरें डाकुओं की कहानी पर ही बना करती थी। डाकुओं के भी कई प्रकार हुआ करते थे-चंबल का डाकू, आखिरी डाकू आदि!'

> 'मैं ऐसी फिल्म भी करना चाहता था जो मेरी आठ वर्षीय बेटी भी देख सके। सामान्यतया मेरी फिल्में ए प्रमाणपत्र पाती है और वो उन्हें नहीं देख पाती। चूंकि वो बड़ी हो रही है मैं चाहता था कि वो मेरी फिल्म भी देखे।'

लेकिन पुष्पेंद्र के रोल के लिए उन्हें किसी खास तैयारी की आवश्यकता नहीं पड़ी क्योंकि ये एक सामान्य जीवन से जुड़ी कहानी पर आधारित थी। यदि किसी प्रकार के संदर्भ की आवश्यकता हुई भी तो वो उनके अनुभव में था, 'लोगों को ये चरित्र पंसद आएगा क्योंकि उनके आसपास ऐसे चरित्र दिख ही जाएंगे। मैं स्वयं भी ऐसा ही था जब मेरी मां मेरी शादी के लिए लड़की तलाश रही थीं।'

नवाज़ की भूमिकाएं हमेशा से एक आम भारतीय की कहानियों पर ही आधारित होती थीं। उनके जैसे हीरो तो सपोर्टिंग कलाकार भी हो सकते थे। वे अपने रोल किस आधार पर चुनते हैं, के सवाल पर नवाज़ ने बताया, 'यदि कोई रोल मुझे मेरे सहजता की सीमा से बाहर ले जाकर चुनौती पेश करता है तो वो मुझे प्रिय होता हैं।'

तो फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर, हरामखोर, सेक्रेड गेम्स, मंटो, ठाकरे, तलाश आदि जैसी भूमिकाओं ने उनके व्यक्तित्व में क्या कुछ परिवर्तन किये हैं। उनका उत्तर था, 'इसका उत्तर वो बड़े रहस्यपूर्ण ढंग से देते हैं, 'जैसा कि कहा जाता है कि यदि आप किसी चरित्र से कुछ आत्मसात करते हैं तो वो आपसे भी काफी कुछ ले लेता है। लेकिन अंत में यही सामने आता है कि मैं खाली हाथ होता हूं और मेरा अपना कुछ भी नहीं बचा होता है। इस खालीपन को पूरा करने के लिए मैं अपनों और दुनिया के बीच चला जाता हूं। मैं उनके आसपास रहकर उन्हें महसूस करता हूं और उनकी कहानियों पर भी गौर करता हूं। फिर जब मुझे कोई रोल मिलता है तो मैं उस रिक्तता को इससे पुनः भरता हूं।' नवाज़ के लिए हर रोल कुएं से पानी निकाल कर किसी चीज में भरने के समान होता है, 'मैं यही करता हूं मेरे लिए दुनिया एक कुएं के समान है जो पानी से भरा होता है। मैं बस इसमें गहरे उतरते हुए लोगों की कहानियों और अनुभवों को खोजता हूं, जो मेरे लिए पानी सरीखी होती हैं।'

6 हीरो 10 हीरोइन के साथ नो एंट्री के सीक्वल की स्क्रिप्ट तैयार

सलमान-बोनी में तनाव के कारण अटकी फिल्म!

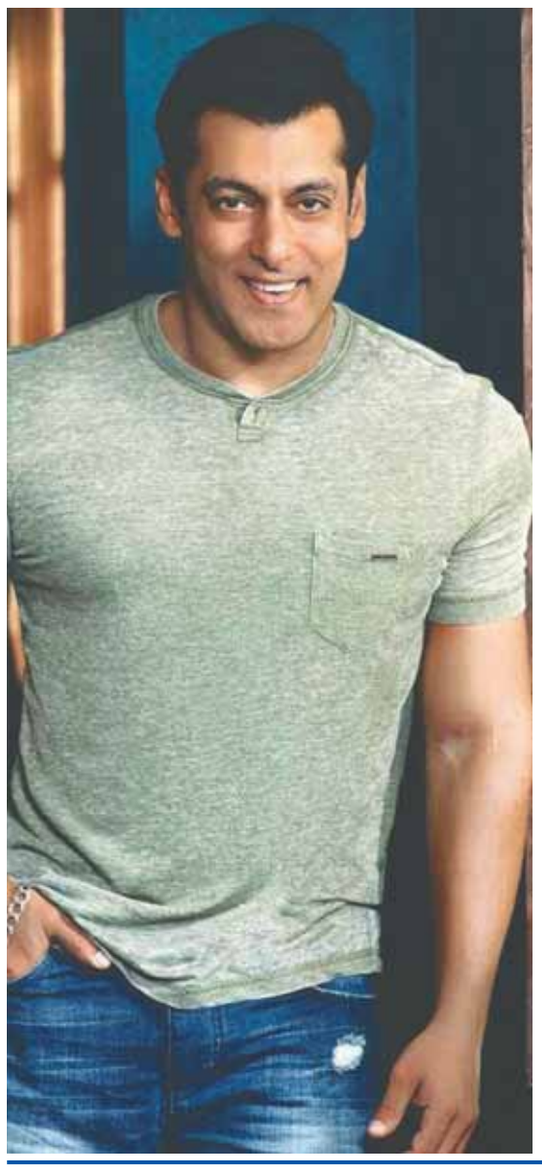

नो एंट्री जब से रिलीज हुई तब से फिल्म के सीक्वल की चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म का नाम भी तय हो गया है- नो एंट्री में एंट्री। फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने स्क्रिप्ट भी लिख डाली है, लेकिन गेंद अब निर्माता बोनी कपूर के पाले में हैं। यदि वे हरी झंडी दिखाएंगे तभी फिल्म की शूटिंग और स्टार कास्ट का काम शुरू हो पाएगा।

निर्देशक अनीस बज्मी के अनुसार उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट फाइनल कर दी है। इस बार इसमें 6 हीरो होंगे और सभी का डबल रोल होगा। हीरोइनें एक-दो नहीं बल्कि दस होगी।

अनीस के अनुसार उनके द्वारा यह लिखी गई अब तक की सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट है। उन्होंने स्क्रिप्ट फाइनल कर निर्माता बोनी कपूर को दे दी है और अब बोनी को ही फैसला लेना है।

सलमान खान के कारण बोनी फैसला नहीं ले पा रहे हैं। नो एंट्री में सलमान के साथ अनिल कपूर और फरदीन खान भी थे। सीक्वल भी सलमान को लेकर प्लान किया गया था। सलमान ने दो-तीन बार स्क्रिप्ट में बदलाव भी करवाए, लेकिन बाद में बात अटक गई।

सभी जानते हैं कि सलमान के भाई अरबाज खान की पूर्व पत्नी मलाइका अरोरा के साथ बोनी कपूर के बेटे अर्जुन कपूर का अफेयर इन दिनों चल रहा है। इसको लेकर सलमान और बोनी के रिश्तों में तनाव आ गया है। संभव है कि दोनों एक-दूसरे का सामना करने से बच रहे हों। इसलिए बात अटक गई है। ये भी संभव है कि सलमान के बिना ही बोनी कपूर नो एंट्री का सीक्वल बनाएं, लेकिन अभी वे कोई भी फैसला लेने से बच रहे हैं। फिल्म बनेगी या नहीं यह भी तय नहीं है। खुद अनीस नहीं जानते कि नो एंट्री के सीक्वल का क्या होगा?

शबाना आजमी ने अभिव्यक्ति की आजादी के पक्ष आवाज उठाई, ममता बनर्जी ने किया समर्थन

कोलकाता। जानीमानी अभिनेत्री शबाना आजमी ने शुक्रवार को कहा कि कलाकारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की किसी भी कोशिश का जबर्दस्त विरोध करना होगा जिसका पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने समर्थन किया।

यहां 25 वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव के समापन दिन अपने संबोधन में आजमी ने कहा कि बहुलतावाद और मिलीजुली संस्कृति एक ऐसी चीज है जिस पर भारत को सदैव नाज रहा है और संविधान उसकी गारंटी देता है।

कई दशक के अपने करियर के दौरान कई प्रशंसनीय फिल्मों में अभिनय कर चुकीं आजमी ने कहा, कला को सामाजिक बदलाव के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। मैं मानती हूं कि सिनेमा में यह योग्यता है और यह (सामाजिक बदलाव) तभी संभव है जब कलाकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा दी जाए।

फिल्म अर्थ की अभिनेत्री ने कहा, कला का उद्देश्य उस किसी भी विषय पर रूचि जगाना और चर्चा शुरू करना है जिसे समाज वर्जना मानता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की किसी भी कोशिश का जर्बदस्त विरोध किया जाएगा। बाद में बनर्जी ने अपने समापन भाषण में कहा, आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नहीं छीना जा सकता है... हमारा संविधान लोकतांत्रिक अधिकारों को सुरक्षा प्रदान करता है और इसे कभी नहीं छीना जा सकता।

भाग्यशाली है मेरी और आयुष्मान की ऑनस्क्रीन जोड़ी : भूमि

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का कहना है कि उनकी और आयुष्मान खुराना की ऑनस्क्रीन जोड़ी निश्चित रूप से भाग्यशाली है। ज्ञात हो कि इस जोड़ी ने दम लगा के हइशा, शुभ मंगल सावधान, बाला जैसी फिल्मों में काम किया है।

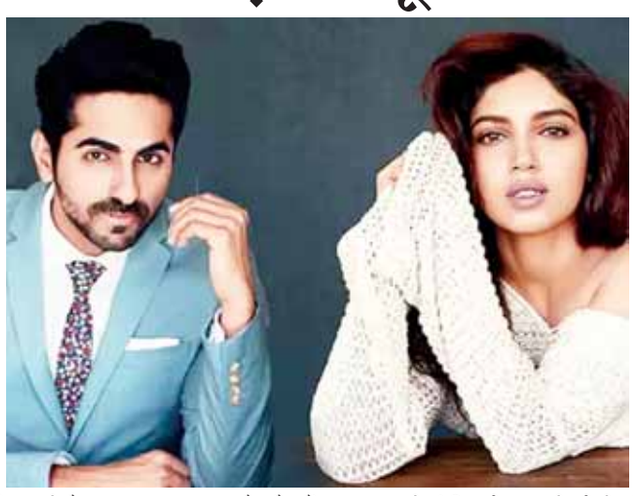

भूमि ने कहा, आयुष्मान और मैं निश्चित रूप से ऑनस्क्रीन भाग्यशाली जोड़ी रहे हैं, जिसे दर्शकों से काफी प्यार और सराहना मिली है। हम कलाकार के तौर पर एक दूसरे की तारीफ करते हैं और ऑनस्क्रीन हमारी केमिस्ट्री काफी अच्छी है। यह साफ झलकता है और मैं बहुत आभारी हूं कि लोग हमारी जोड़ी को पसंद करते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, दम लगा के हइशा से शुभ मंगल सावधान से फिर बाला जैसी तीन फिल्मों में हमने साथ काम किया है, जिसमें सामाजिक मुद्दों को फिल्म का विषय चुना गया है।

मेरी जिंदगी में असुरक्षा ने अभी तक दस्तक नहीं दी : वाणी कपूर

नई दिल्ली। अभिनेत्री वाणी कपूर को बॉलीवुड में करीब छह साल हो गए। इस बीच उन्होंने मात्र तीन फिल्में ही की और चौथी में काम कर रही हैं। अभिनेत्री इस जगत में धीरे-धीरे कदम बढ़ा रही हैं, जिसे लेकर उनका कहना है कि उनकी जिंदगी में अभी असुरक्षा की भावना ने दस्तक नहीं दी है, क्योंकि उनका मानना है कि काम के प्रति शत प्रतिशत सर्मपण काफी मायने रखता है, जो वो कर रही हैं। वाणी ने आईएएनएस से कहा, आपको असुरक्षा तभी महसूस होती है, जब आप उसे अपनी जिंदगी में आने देते हैं।

अभिनेत्री ने आगे कहा, बेशक जीवन में अच्छे और बुरे दिन आते हैं, लेकिन मैं अपने रास्ते में आने वाली चीजों को अपना शत प्रतिशत देने में भरोसा करती हूं और उस काम का हिस्सा बनने को लेकर आभार व्यक्त करती हूं। वाणी ने साल 2013 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें बेफिक्रे और वार में देखा गया। 31 वर्षीय अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म को लेकर काफी खुश और उत्साहित हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मैं काफी खुश और आभारी हूं कि मुझे काम मिलता गया। मेरे पास वार था, फिर शमशेरा मिल गया, ऐसे में अपनी जिंदगी को मैं वैसे ही जी रही हूं, जैसा जिंदगी चाहती है।